रांची

हिन्दी दैनिक

# वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:34 | सोमवार,06 अक्टूबर

## ब्रीफ न्यूज

### खराब मौसम के मद्देनजर मां वैष्णो देवी यात्रा 7 अक्टूबर तक स्थगित

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम संबंधी चेतावनी के मद्देनजर मां वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक स्थगित रहेगी और 8 अक्टूबर को फिर से शुरू होगी। मौसम विभाग ने अतिरिक्त सतर्कता बरतने और संभावित बाढ़ या जलभराव जैसी परिस्थितियों से बचाव के लिए नागरिकों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर सरकार ने मौसम विभाग की भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर जम्मू संभाग के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को 6 और 7 अक्टूबर को बंद रखने का आदेश जारी किया है। यह निर्णय छात्रों और स्कूल स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। शिक्षा निदेशक डॉ. नसीम जवाद चौधरी ने बताया कि यह आदेश जम्मू डिवीजन के सभी स्कूलों पर लागू होगा। इसके अनुसार 6 अक्टूबर और 7 अक्टूबर को कोई भी स्कूल नहीं खुलेगा।

### सीमा पार तस्करी मॉड्यूल में शामिल दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

जम्मू। जम्मू- चंडीगढ़। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार एवं नशा तस्करी मॉड्यूल के दो सदस्यों को 2.5 किलोग्राम हेरोइन और पांच अत्याधुनिक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर इस गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को बताया कि तरनतारन के गांव ढोलण निवासी गुरजंट सिंह और गांव छीना बिधी चंद निवासी गुरवेल सिंह को पकड़ा गया है। इनके पास से बरामद हथियारों में चार 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल (मैगजीन सहित) और एक .30बोर पिस्तौल (मैगजीन सहित) शामिल हैं। नशीले पदार्थों और हथियारों की खेप के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी महिंद्रा 3एक्सओ कार भी जब्त की है,जिसका इस्तेमाल इन खेपों कीढुलाई के लिए किया जा रहा था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तान स्थिततस्कर के निदेर्शों पर यह तस्करी कर रहे थे।चेक पोस्ट पर भारत से नेपाल जा रहे बाइक सवार को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान संदेह होने पर उसके बैग की तलाशी ली गई, जिसमें नशीली दवाएं बरामद हुईं। जांच के बाद इन दवाओं को प्रतिबंधित बताया गया।

## केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने की उच्चस्तरीय बैठक

# कुछ यूनिट्स से 'जहरीले कफ सिरप' का उत्पादन रोकने का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली : राजस्थान और मध्य प्रदेश में कथित तौर पर कफ सिरप पीने के बाद कई बच्चों की मौत का आंकड़ 16 पहुंच गया है। इधर इस मामले को लेकर सरकार एक्शन में है। दोषियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने रविवार की शाम को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिवों तथा ड्रग कंट्रोलर्स के साथ आपात बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस आपात बैठक में दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान कर और भविष्य में ऐसी घटनाओं को

रोकने के साथ ही कथित रूप से जहरीले कफ सिरप की कुछ यूनिट्स से सिरप के उत्पादन को रोकने का आदेश दिया गया।बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने साफ कहा कि सभी दवा कंपनियां संशोधित शेड्यूल एम के नियमों का सख्ती से पालन करें, वरना उनके लाइसेंस रद्द किए जाएं। राज्यों से कहा गया कि बच्चों में कफ सिरप का इस्तेमाल सोच-समझकर करें, क्योंकि ज्यादातर खांसी अपनेआप ठीक हो जाती है और दवा की जरूरत नहीं होती। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निगरानी बढ़ाने, अस्पतालों से समय पर रिपोर्ट भेजने, आईडीएसपी- आईएचआईपी प्लेटफॉर्म पर शिकायतें दर्ज कराने और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय मजबूतकरने के निर्देश दिए गए हैं।

# कांग्रेस का दावा, देश में बढ़ रही आर्थिक असमानता, 1687 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति

एजेंसी

**नई दिल्ली :** नई दिल्ली : कांग्रेस ने देश में बढ़ती आर्थिक असमानता का दावा करते हुए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों ने धन को कुछ चुनिंदा हाथों में केंद्रित कर दिया है, जिससे लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा असर पड़ रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में कहा कि एक तरफ करोड़ों भारतीय रोजमर्रा

कीजरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सिर्फ 1687 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति केंद्रित है। सत्ता के गठजोड़ सेकुछ उद्योगपति लगातार अमीर होते जा रहे हैं, जबकि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाला एमएसएमई क्षेत्र अभूतपूर्व दबाव में है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आम लोगों की कमाई के अवसर घट रहे हैं, महंगाई और कर्ज का बोझ बढ़ रहा है, जबकि शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर निवेश लगातारघटता जा रहा है

## नेपाल से लेकर भारत के पश्चिम बंगाल और बिहार तक तबाही का मंजर

# आसमानी आफत ने ले ली 87 लोगों की जान

**51 लोगों की मौत हो गई नेपाल में**

**20 लोगों की जिंदगियां लील गई दार्जिलिंग में बारिश से हुई तबाही**

**16 लोगों की वज्रपात सेमौत हो गई बिहार में**

एजेंसी

नई दिल्ली/दार्जिलिंग/पटना : नेपाल से लेकर भारत के पूर्वी राज्यों तक मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में भूस्खलन और बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। नेपाल के पांच प्रांतों- कोशी, मधेस, बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी में नदियों के उफान पर आने से भयंकर तबाही मची है। पूर्वी नेपाल में खबर लिखे जाने तक 51 लोगों के मारे जाने की सूचना थी। वहीं, पांच लोगों के लापता होने की भी खबर है। सबसे ज्यादा मौतें इलाम जिले में हुई हैं, जहां 37 लोग भूस्खलन में दब गए। पर्वतीय इलाकों में भूस्खलन से दर्जनों सड़कें बंद हो गई हैं। खराब मौसम की वजह से त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर घरेलू उड़ानें रोक दी गई हैं। लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित जगह पर रहने की सलाह दी गई है। इधर भारत में भी बिहार और पश्चिम बंगाल के कई जिलों में लगातार भारी बारिश होने से नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ का पानी गांवों में घुस गया है। दार्जिलिंग और

आसपास के इलाकों में शनिवार रात से लगातार भारी बारिश और भूस्खलन से तबाही मच गई है। पहाड़ों में जगह-जगह भूस्खलन हुआ है, कई घर बह गए हैं। शनिवार रात को राष्ट्रीय राजमार्ग-10 पर भी भूस्खलन हुआ। दार्जिलिंग में लगातार बारिश के कारण मिरिक इलाके में स्थित दुडिया आयरन ब्रिज ढहने से 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं अन्य इलाकों में भी 11 लोगों के मरने की सूचना है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने रविवार को बताया कि अब तक विभिन्न स्थानों से 11 शव बरामद किए गए हैं। मरने वालों की संख्या 20 तक पहुंच चुकी है। इनमें ज्यादातर लोग मिरिक और सुखियापोखरी क्षेत्रों के हैं। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण पूर्वी हिमालयी क्षेत्र का देश के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है। उत्तर बंगाल की रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। पटरियों के जलमग्न हो जाने के कारण कई ट्रेनों को या तो रद्द करना पड़ा है या मार्ग बदलना पड़ा है। पर्यटकों को फिलहाल होटलों में ही रहने और बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दार्जिलिंग में इस तरह की भयानक तबाही आखिरी बार 1998 में देखी गई थी। 27 साल बाद फिर वही भयावह दृश्य लौट आया है। वहीं, पिछले कई दिनों से बिहार के अलग-अलग हिस्सों में जोरदार बारिश हो रही है। शहर में जहां जलजमाव की स्थिति बन गई है, वहीं ग्रामीण इलाके में बाढ़ की वापसी हो गई है।

# राजनाथ सिंह 9-10 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर रहेंगे,

एजेंसी

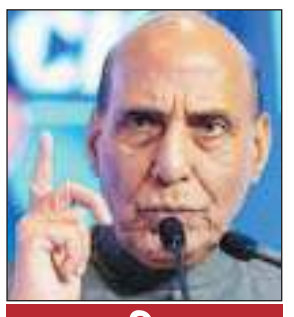

**तीन समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर**

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के निमंत्रण पर 09-10 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा करेंगे। इस यात्रा के दौरान तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की योजना है, जो सूचना साझाकरण, समुद्री क्षेत्र और संयुक्त गतिविधियों के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाएंगे। रक्षा मंत्री की इस यात्रा के दौरान उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय चर्चा होगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर हो रही है, जब भारत और ऑस्ट्रेलिया भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) की स्थापना के 5 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। यह 2014 के बाद से इस सरकार के किसी रक्षा मंत्री की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा भी होगी। रक्षा मंत्री की इस यात्रा के दौरान उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय चर्चा होगी। वह सिडनी में एक व्यावसायिक गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के उद्योग जगत के प्रमुख भाग लेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऑस्ट्रेलिया के अन्य राष्ट्रीय नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। यह यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों और रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नई एवं सार्थक पहलों की खोज करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। यात्रा के दौरान तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की योजना है, जो सूचना साझाकरण, समुद्री क्षेत्र और संयुक्त गतिविधियों के क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाएंगे। समय के साथ रक्षा संबंधों का विस्तार हुआ है और इसमें दोनों सेनाओं के बीच व्यापक बातचीत, सैन्य आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय दौरे, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, समुद्री क्षेत्र में सहयोग, पोत दौरे और द्विपक्षीय अभ्यास शामिल हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2009 में अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक रणनीतिकसाझेदारी से बढ़ाकर 2020 में एक।

# माहाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित किसानों को केंद्रीय मदद दी जाएगी : अमित

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहिल्यानगर में महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार की ओर से मदद दिए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के नुकसान की रिपोर्ट तत्काल केंद्र सरकार को भेजें। केंद्रीय गृहमंत्री शाह आज अहिल्यानगर के लोनी में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में

किसानों के लिए संकट है। 60 लाख हेक्टेयर में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य को 3132 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिनमें से कुछ अप्रैल में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों की मदद के लिए पहल की है। 2200 करोड़ रुपये दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कल देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार मुझसे मिले। राज्य मेंइन तीनों में से कोई भी व्यापारी नहींहै, लेकिन वे व्यापारियों से कम भी नहीं हैं। मुझे कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था, लेकिन चर्चा केवल किसानों को मदद प्रदान करने के बारे में थी।

# लोकतंत्र के पर्व को उत्सव की तरह मनाएं, एक चरण में चुनाव कराने पर आयोग जल्द लेगा निर्णय : ज्ञानेश

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में निर्वाचन आयोग के दल ने विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों, पुलिस विभाग और केंद्रीय बलों के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। अपने दो दिवसीय बिहार दौरे के दूसरे और आखिरी दिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रेस वार्ता भी की और चुनाव से पहले अब तक की कार्रवाईयों का निचोड़ बताया। ज्ञानेश कुमार ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जैसे हम त्योहारों को मनाते हैं, उसी तरह लोकतंत्र के पर्व को उत्सव के साथ मनाएं। उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लेने का अह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जहां तक राज्य की सभी 243 सीटों पर एक चरण में कराने की बात है, उसपर चुनाव आयोग जल्द निर्णय लेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बिहार के 9,0217 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ने ऐसा काम किया, जो पूरे देश के लिएअनुकरणीय है। विश्व को वैशाली ने ही गणतंत्र का रास्ता दिखाया था। वैसे ही बूथ लेवल अधिकारी लोकतंत्र का रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में 243 विधानसभा सीट हैं। विधानसभा की काल अवधि 22 नवम्बर 2025 को समाप्त हो रही है। इससे पहले हीचुनाव संपन्न होंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी सभी राजनीतिक दलोंके साथ बैठक कर चुके हैं।

## न्यूज स्टडी

### उत्तर बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश से तबाही:

# 20 की मौत, पुल बहा, कई रासते बंद

एजेंसी

**उत्तर बंगाल:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं. जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है. हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.इससे पहले, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल सरकार से बचाव कार्य में तेजी लाने और प्रभावित लोगों तक जल्द राहत पहुंचाने का अनुरोध किया.उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि, ₹उत्तर

बंगाल में लगातार भारी बारिश के कारण, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियांग के पहाड़ी इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. भूस्खलन और बाढ़ के कारण सिलीगुड़ी, तराई और डुआर्स के मैदानी इलाकों से संचार और परिवहन संपर्क लगभग पूरी तरह से बाधित हो गया है. सिलीगुड़ी और मिरिक को जोड़ने वाला दुधिया में बालासन नदी पर बना लोहे का पुल ढह गया है.उन्होंने पोस्ट में लिखा, मैं पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से आग्रह करता हूं कि वे तुरंत संसाधन जुटाएं और इन क्षेत्रों में संचार नेटवर्क की शीघ्र बहाली के लिए पर्याप्त व्यवस्था करें. इसके अतिरिक्त, संकटग्रस्त लोगों की सहायता के लिए भोजन, पानी, दवाइयां और अस्थायी आश्रयों समेत राहत सामग्री के वितरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि इस संकट को और बढ़ने से रोका जा सके. उत्तर बंगाल में हमारे साथी नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोपरि होना चाहिए.

'भारी बारिश से बुनियादी ढांचे को हुआ नुकसान'दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने कहा कि कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश के कारण हुए भारी नुकसान के बारे में जानकर मुझे बेहद दुख हुआ है. उन्होंने बताया कि मौतें हुई हैं, संपत्ति का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है.

### पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ₹दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं. जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ₹दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-ाल की हानि से अत्यंत दुखी हूं. जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है.

# अलग-अलग पूजा पद्धति में दिखती है हमारी विविधता की सुंदरता : शिल्पी

संवाददाता

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रविवार को संत फ्रांसिस चर्च, बनहोरा में आयोजित पल्ली दिवस समारोह और मांडर विकारिएट कैथलीक महिला संघ की 56वीं वार्षिक आम सभा में शामिल हुईं। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि ईश्वर के अनेक रूप हैं और हर रूप में श्रद्धा और विश्वास समान होता है। उन्होंने कहा कि जिसने सृष्टि की रचना की, हम उसे अलग-अलग रूपों में पूजते हैं। यह हमारी विविधता की सुंदरता है। उन्होंने समाज को बांटने और धर्म और जाति के नाम पर राजनीति करने की निंदा करते हुए कहा

कि ऐसे लोगों का मुंहतोड़ जवाब देना होगा। उन्होंने जोर दिया कि समाज में एकता और जागरूकता लाना आज की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बिना न परिवार संतुलित हो सकता है, न समाज। कई आंदोलनों की सफलता में महिलाओं की अग्रणी भूमिका रही है। अब समय है कि महिलाएं सामाजिक चेतना के साथ राजनीतिक भागीदारी भी बढ़ाएं।

## 80 हजार के बकाये को लेकर हुई थी पीएचईडी पहाड़ पर हुई युवती की हत्या, 3 गिरफ्तार

रांची, संवाददाता

राजधानी के सदर थाना क्षेत्र के पीएचईडी पहाड़, फुचका टोली से बरामद एक अज्ञात युवती के शव मिलने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है. पुलिस ने 29 सितंबर को शव बरामद किया था. मामले की जांच को लेकर एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में यह पता चला है कि युवती की हत्या 80 हजार रुपये के बकाये को लेकर की गई थी. रविवार की शाम मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि हत्याकांड की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था. इस टीम ने तकनीकी शाखा और एफएसएल टीम के सहयोग से यह पता लगाया कि मृतक युवकी का नाम तनुश्री है और वह ओरमांझी थाना क्षेत्र के श्रवण नायक की पुत्री थी. गिरफ्तार आरोपियों ने हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है. पुलिस के मुताबिक घटना के मुख्य आरोपी जयपाल सिंह पर मृतिका तनुश्री का 80 हजार रुपया बकाया था. वह इश राशि को लौटाना नहीं चाहता था. जब तनुश्री ने पैसे के लिए दवाब बनाया तो जयपाल सिंह ने उसे पीएचईडी पहाड़ पर बुलाया. जब तनुश्री पहाड़ पर पहुंची तो जयपाल सिंह व उसके साथियों ने उसके मोबाइल से फोन पे के जरिये और 50 हजार रुपये ले लिया. इसके साथ ही निर्ममता से उसकी हत्या कर दी.

# रांची के पंजाबी भवन में आयोजित नेत्र चिकित्सा शिविर में 150 मरीजों का हुआ निःशुल्क इलाज

रांची, संवाददाता

**रांची :** रांची स्थित पंजाबी भवन में भगवान महावीर आई हॉस्पिटल के की ओर से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की गयी।

संचालनकर्ता अरुण चावला ने बताया कि शिविर में आंखों में खुजली, मोतियाबिंद, काला मोतिया, आंखों से पानी गिरना, लाल होना व चोट आदि रोगों की जांच की गई। जांच के बाद 14 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया,जिनका इलाज अस्पताल में किया जाएगा। डॉक्टरों ने जिन मरीजों को चश्मा पहनने की सलाह दी, उन्हें पंजाबी हिंदू बिरादरी की ओर से निःशुल्क चश्मा दिया गया। इससे पहले शिविर के उद्घाटन अवसर पर भगवान महावीर आई हॉस्पिटल के पूर्व अध्यक्ष पूरणमल जैन का स्वागत पंजाबी हिंदू बिरादरी के अध्यक्ष सुधीर उग्गल और राजेश खन्ना ने शॉल व पुष्पगुच्छ देकर किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से नागरमल सेवा सदन के अध्यक्ष अरुण छावछरिया, अजय भंडारी, विनोद अग्रवाल, गोविंद मोदी, सुनील गुप्ता, अजय सखूजा, राजेश मेहरा, विजय खन्ना सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

## मारवाड़ी युवा मंच के शिविर में 34 लोगों ने किया रक्तदान

रांची, संवाददाता

**खूंटी :** मारवाड़ी युवा मंच नगर शाखा के तत्वावधान में रविवार को राजस्थान भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 34 लोगों ने रक्तदान किया।

शिविर का उद्घाटन खूंटी के सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनंद उरांव एवं राजस्थान भवन के अध्यक्ष श्रीपाल जैन, पूर्व अध्यक्ष उदय लाल भाला, वर्तमान अध्यक्ष अंकित जैन और सेवा सदन रांची की डॉ शिखा ने किया। श्रीपाल चंद जी जैन ने रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि रक्तदान करके हम कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान से दिल का दौरा पड़ने और कैंसर का खतरा कम हो जाता है। साथ ही वजन घटाने में मदद मिलती है।

मंच के रक्त दान संयोजक विशाल जैन ने बताया को पिछले छह माह में मारवाड़ी युवा मंच ने खूंटी के जरूरमंदों को 38 यूनिट रक्त उपलब्ध कराया है, जो मंच के प्रति जिलेवासियों के भरोसे को दशार्ता है। रक्तदाताओं ने रक्तदान के अनुभव के बारे में बताया कि वे रक्तदान के लिए बुलावे का इंतजार नहीं करते है, उन्हें औरों की परवाह है, खुद पर गर्व है, वे रक्तदान के लिए बहाने नहीं बनाते और सबसे बड़ी बात रक्तदान करने में उन्हें डर भी नहीं लगता है।

## संक्षिप्त समाचार

### अबुआ अधिकार मंच के पहल पर बढ़ाई गई JET परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि

**रांची :** अबुआ अधिकार मंच द्वारा लगातार उठाई जा रही मांग और छात्र-छात्राओं के हित में किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप झारखंड लोक सेवा आयोग (खढरउ) ने खएळ परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का अबुआ अधिकार मंच ने स्वागत करते हुए इसे छात्र-हितैषी कदम बताया है। अबुआ अधिकार मंच के रांची विश्वविद्यालय संयोजक अभिषेक शुक्ला ने कहा कि, झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा खएळ फॉर्म की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने से हजारों छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत मिलेगी। फॉर्म भरने में आ रही दिक्कतों के कारण छात्र लंबे समय से असमंजस में थे, ऐसे में आयोग का यह निर्णय विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला है। साथ ही, यह राज्य के सभी विश्वविद्यालय प्रशासन और पदाधिकारियों के लिए भी राहत भरा कदम साबित होगा। शुक्ला ने कहा के अबुआ अधिकार मंच ने 24/09/2025 को जेपीएससी के अध्यक्ष को ी३ फॉर्म भरने में आ रही परेशानी से अवगत कराते हुए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाने की मांग की थी. उन्होंने आगे कहा कि अबुआ अधिकार मंच निरंतर विद्यार्थियों के मुद्दों को लेकर आवाज उठाता रहा है और आगे भी छात्र-हित से जुड़े हर विषय पर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। अभिषेक शुक्ला ने आयोग के इस निर्णय की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी खढरउ विद्यार्थियों की समस्याओं पर संवेदनशील रहते हुए सकारात्मक निर्णय लेगा।

### रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) झारखंड प्रदेश पुनर्गठित, शिव बने प्रदेश अध्यक्ष

**रांची :** रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले ग्रुप) ने झारखंड प्रदेश इकाई का पुनर्गठन रविवार को किया। रांची में पार्टी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सर्वसम्मति से शिव उरांव को प्रदेश अध्यक्ष और नारी सेना की अध्यक्ष पूनम सिंह को महिला प्रदेश अध्यक्ष चयनित किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव विजय प्रसाद गुप्ता ने इसकी औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक हक और न्याय पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। गुप्ता ने कहा कि झारखंड में 40 प्रतिशत से अधिक खनिज होने के बावजूद दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग अब भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सिंचाई व्यवस्था में सुधार आवश्यक है। उन्होंने अनुसूचित जाति आयोग (एससी कमीशन) के गठन की मांग की, ताकि दलित समाज को न्याय मिल सके। साथ ही झारखंड में विश्वस्तरीय खेल अकादमी की स्थापना पर बल दिया। मौके पर अशोक कुमार गुप्ता, प्रदीप कुजूर, देवी दयाल मुंडा, सिकंदर उरांव, रुखसाना परवीन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

# रांची में तुपुदाना नेपाली कॉलोनी के मुहाने पर गंदगी का अंबार, स्थानीय लोगों ने प्रशासन को ठहराया जिम्मेदार

रांची, संवाददाता

**रांची :** झारखंड की राजधानी रांची के तुपुदाना के नेपाली कॉलोनी में गंदगी का अंबार लगा है। वहां की टूटी-फूटी सड़कें और सड़ांध मारती गंदगी स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता और दावों की पोल खोल रही है। नालियों का गंदा पानी भी सड़कों पर बह रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है।

तुपुदाना रिंग रोड के नीचे और नेपाली कॉलोनी के मुहाने पर गंदगी का ऐसा साम्राज्य फैला है कि यहां से गुजरना अब लोगों के लिए संकट बन चुका है। पुल के नीचे और आसपास का पूरा इलाका बदबूदार पानी, सड़े कचरे और कीचड़ से भर गया है। राहगीर नाक पर कपड़ा (रूमाल) रखकर गुजरने को मजबूर हैं। लेकिन रांची नगर निगम और स्थानीय जनप्रतिनिधि पूरी तरह मौन हैं। शीघ्र सफाई और जल निकासी की ठोस व्यवस्था नहीं की गई, तो रिंग रोड से नेपाली कॉलोनी तक का यह इलाका जल्द ही बीमारी जोन बन जाएगा।

यहां पुल के नीचे जलजमाव और कचरे का अंबार महीनों से जस का तस मटमैला गंदा पानी के रूप में स्थिर पड़ा है। जल निकासी नहीं होने के कारण लगातार बहकर आने वाली गंदगी अब सड़ांध मारने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम सिर्फ कागज पर सक्रिय है, जमीन पर सफाई का कोई काम नहीं दिखता।

मनोज नाग का कहना है कि सड़क, सफाई और शुद्ध पेयजल तुपुदाना की मूलभूत समस्याएं बन चुकी हैं। विधायक, सांसद और अधिकारियों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन नतीजा शून्य है। लोग बीमारियों के खतरे के साए में जी रहे हैं। इस बार लगातार होनेवाली बारिश और सफाई में लापरवाही ने आमजनों का जीना और भी दूभर कर दिया है।

स्थानीय निवासी रिक्की तोपनो का कहना है कि अगर पुल के नीचे पानी पार होने के लिए पाइप लगाया गया होता, तो यह हालत नहीं बनते। सफाई के नाम पर नगर निगम जीरो काम कर रहा है।

विमला भेंगरा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब यही स्थिति बगल के होटल के पास हुई थी, तो तत्काल सफाई कर दी गई, लेकिन यहां दो कदम की दूरी पर किसी को फर्क नहीं पड़ता। यह साफ-साफ भेदभाव है।

विक्रम सिंह ने बताया कि शतरंजी बाहर हाइटेंशन टावर के पास और नेपाली कॉलोनी जाने वाली सड़क के मुहाने पर तो हालात और भी खराब हैं। सड़क किनारे कचरे के ढेर सड़ांध फैला रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी के स्थानीय विधायक राजेश कच्छप ने फोन पर कहा कि यह मामला संज्ञान में है। तुपुदाना के नेपाली कॉलोनी का सड़क निर्माण कार्य जल्द होगा। साथ ही पुल के नीचे की समस्या का भी हल निकाला जाएगा।

स्थानीय कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने फोन पर कहा कि मामला संज्ञान में है। तुपुदाना के नेपाली कॉलोनी का सड़क निर्माण कार्य जल्द होगा। साथ ही पुल के नीचे की समस्या का भी हल निकाला जाएगा।स्थानीय कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने फोन पर कहा कि मामला संज्ञान में है। तुपुदाना के नेपाली कॉलोनी का सड़क निर्माण कार्य जल्द होगा। साथ ही पुल के नीचे की समस्या का भी हल निकाला जाएगा।

## जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया में पंखे से लटका मिला छात्रा का शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

रांची, संवाददाता

**रांची :** रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया में एक छात्रा का शव उसके कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला।मकान मालिक सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। जगन्नाथपुर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान इक्कीस वर्षीय स्वाति कुमारी के रूप में हुई है। वह रांची में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से बीबीए कर रही थी। फिलहाल वह सेकेंड ईयर में थी। मकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल की गहनता से जांच की। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को बुलाकर भी जांच करवाई गयी है।

मकान मालिक ने बताया कि स्वाति ने दो दिन पूर्व ही किराए पर उनका एक कमरा लिया था। स्वाति बिहार के सासाराम की रहने वाली थी। क्योंकि यहां से यूनिवर्सिटी नजदीक है, इसलिए यूनिवर्सिटी के बहुत सारे बच्चे इस इलाके में रहते हैं। कमरा लेते समय स्वाति किसी भी तरह से दबाव में नहीं दिखी थी।

जगन्नाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा के सुसाइड करने की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई और छानबीन दोनों ही की जा रही है। गत तीन अक्टूबर को छात्रा अपने सासाराम स्थित घर से रांची लौटी थी।

उन्होंने बताया कि आत्महत्या के कारणों में अभी तक कोई स्पष्ट वजह नहीं मिल पाया है। प्रेम प्रसंग से लेकर हर बिंदु पर जांच की जा रही है। परिजनों के आने पर भी कई बातें खुलकर सामने आएंगी। मृतक के मोबाइल को भी साक्ष्य के लिए जब्त किया गया है। सासाराम में उनके पिता विश्वंभर पांडे को भी सूचना दे दी गई है।

## झारखंड के गढ़वा जिले में 185 मिमी बारिश दर्ज

रांची, संवाददाता

**रांची :** झारखंड के गढ़वा जिले के भवनाथपुर में पिछले 24 घंटे के दौरान 185 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई।

यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य के जिन उत्तर पश्चिमी जिलों में अत्यधिक बारिश रिकार्ड की गई उनमें गढ़वा जिले के रमना में 143 मिलीमीटर, नगर ऊंटरी में 115 मिलीमीटर, खरौंधी में 84.5, सगमा प्रखंड में 78.6, बिशनपुर में 76.2, बढ़िया में 70, गढ़वा में 56 मिमी, सोनुआ में 52.2 मिमी, मसानजोर में 46.8 और रामगढ़ जिले के भुरकुंडा में 45 मिमी सहित अन्य इलाकों में बारिश रिकार्ड की गई। विभाग के अनुसार झारखंड के पश्चिमी बिहार के दक्षिण और दक्षिण पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर पूर्व की ओर होते हुए बिहार की ओर कमजोर पड़ गया है। इससे आने वाले दिनों में मौसम साफ रहने की संभावना है। झारखंड में बारिश की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 30 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 20 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

इस दौरान रांची में अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री, जमशेदपुर में 27.5 डिग्री, डाल्टनगंज में 29 डिग्री, बोकारो में 29 .1 डिग्री, चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

वहीं रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। धूप खिलने से राहत मिली।

रांची और इसके आसपास के इलाकों में पिछले तीन-चार दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश से आम जीवन प्रभावित हो रहा था। मौसम साफ होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

## मारवाड़ी महिला सम्मेलन का दो दिवसीय सृजन स्पार्कल दिवाली मेला आज से

रांची, संवाददाता

**रांची :** अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन सृजन शाखा की ओर से दीपावली के उपलक्ष्य में छह और सात अक्टूबर को अग्रसेन भवन में सृजन स्पार्कल दिवाली मेला लगाया जा रहा है। अग्रसेन भवन में शाखा अध्यक्ष नेहा सरावगी, सचिव रीता मोदी, कोषाध्यक्ष निधी शर्राफ ने संयुक्त रुप से प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी।

शाखा की पदाधिकारियों ने रविवार को बताया कि सृजन स्पार्कल मेले का उद्घाटन छह अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे मुख्य अतिथि सांसद महुआ माजी करेंगी। मेले में 55 स्टॉल्स लगाएं जायेंगे। इसमें कोलकाता, रामगढ़, तिलैया, रांची की बहने स्टॉल लगायेंगी। स्टॉल में एथनिक वियर, फ्यूजन वेयर, बेड कवर, भगवान की पोशाक, बंदनवार, हैंगिंग ज्वेलरी और हाथों से बने सजाने वाले सामान उपलब्ध होंगे। मेला में लोग प्रातः 11:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक आ सकेंगे। प्रवेश शुल्क मात्र 10 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है।

पदाधिकारियों ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में नीरा बथवाल (निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष) अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच, रूपा अग्रवाल (निवर्तमान राष्ट्रीय सचिव) अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच, अमिता केडिया, पूजा डालमिया, राशी सरावगी, शालू सिंघानिया, नम्रता बगला, सोनल अग्रवाल, श्वेता सरावगी, अनामिका केडिया, आकृति सिंघानिया, राधिका अग्रवाल, सोनम सरावगी, शिखा सुरेका, सोनल जैन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहेंगे।

# रांची विश्वविद्यालय में रविवार को भी जारी रहा डिग्री निष्पादन का कार्य, बैकलॉग डिग्रियां परीक्षा विभाग के लिए बनी चुनौती

रांची, संवाददाता

झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा 19 साल बाद विश्वविद्यालय शिक्षक नियुक्ति के लिए पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है. इस परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर 2025 निर्धारित है. आवेदन प्रक्रिया के अंतिम चरण में सबसे बड़ी चुनौती डिग्रियों को लेकर सामने आई है. आवेदकों को अपने यूजी और पीजी की डिग्रियां आवेदन के साथ संलग्न करना है, लेकिन रांची विश्वविद्यालय के पास वर्षों से लंबित डिग्रियों का बैकलॉग अभ्यर्थियों के लिए परेशानी का कारण बन गया है.

**रविवार को भी खुला रहा परीक्षा विभाग**

स्थिति को देखते हुए रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का कार्यालय रविवार को भी खुला रहा और डिग्री निष्पादन का कार्य जारी रहा. परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सुबह से ही छात्रों की लंबी कतारें लगी रहीं. इन छात्रों में अधिकांश वे थे जिन्हें जेपीएससी शिक्षक भर्ती, झारखंड टेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए डिग्रियों की सख्त जरूरत है.

**छुट्टियों में भी कर्मचारियों ने किया निरंतर काम**

रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि दुर्गा पूजा की छुट्टियों के दौरान भी कर्मचारियों ने निरंतर काम किया. लगभग 7300 डिग्रियां तैयार की जा चुकी हैं, ताकि अभ्यर्थियों को आवेदन करने में कोई दिक्कत न हो. परीक्षा विभाग के पदाधिकारियों के अनुसार, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने दिन-रात मेहनत कर यह काम पूरा किया है. उन्होंने कहा कि छात्रों का भविष्य दांव पर था, इसलिए छुट्टियों के बावजूद हम सब ने काम को प्राथमिकता दी.

**अभ्यर्थियों की दिखी लंबी कतार**

विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को भी भारी भीड़ देखी गई. डिग्री काउंटर के बाहर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें लगी थीं. कई विद्यार्थी सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, खूंटी जैसे जिलों से आए थे. कुछ छात्रों ने बताया कि उन्हें कई महीनों से डिग्री का इंतजार था, लेकिन अब डिग्री मिलने के बाद उन्होंने राहत की सांस ली है. वहीं, कुछ विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की प्रक्रिया पर सवाल भी उठाए. उनका कहना है कि एडमिशन के समय कॉलेजों से डिग्री शुल्क लिया जाता है।

# रांची : डीसी ने समाहरणालय भवन का औचक निरीक्षण किया

- उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने समाहरणालय भवन (ब्लॉक ए एवं ब्लॉक बी) का औचक निरीक्षण
- प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और कार्यकुशलता पर जोर
- कर्मचारियों को कार्यालय में समय पर उपस्थित होने और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने की सख्त हिदायत
- किसी कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत प्राप्त होती है और जाँच में आरोप सिद्ध होते हैं, तो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी
- समाहरणालय परिसर की स्वच्छता और सुविधाओं पर विशेष ध्यान

संवाददाता । रांची

रांची : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, राँची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने आज दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को समाहरणालय भवन (ब्लॉक ए एवं ब्लॉक बी) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सदर श्री उत्कर्ष कुमार, अपर समाहर्ता राँची, श्री रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था राँची, श्री राजेश्वर नाथ आलोक एवं जिला के सभी सम्बंधित वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।इस दौरान उन्होंने भवन में अवस्थित विभिन्न कार्यालयों, जैसे- जिला आपूर्ति कार्यालय, जिला जन संपर्क कार्यालय, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला कल्याण कार्यालय, विशिष्ट अनुभाजन कार्यालय, जिला कोषागार कार्यालय, और कार्यालय का निरीक्षण किया। बाकी कार्यालयों में जिला के वरीय पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया।

कर्मचारियों को कार्यालय में समय पर उपस्थित होने और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने की सख्त हिदायत

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सभी कार्यालयों के कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से उनके उत्तरदायित्व के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी, बायोमेट्रिक रिकॉर्ड, और कार्यालयों में कर्मचारियों के टेबल पर नेम प्लेट (पद नाम सहित) की जाँच की। उपायुक्त ने सभी कर्मचारियों को कार्यालय में समय पर उपस्थित होने और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने की सख्त हिदायत दी।

किसी कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत प्राप्त होती है और जाँच में आरोप सिद्ध होते हैं, तो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगीउपायुक्त ने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि समाहरणालय में आने वाले आम लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना जाए और उनके साथ शालीनता से पेश आया जाए। उन्होंने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की बात दोहराई और स्पष्ट किया कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत प्राप्त होती है और जाँच में आरोप सिद्ध होते हैं, तो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन राँची को श्रेष्ठ जिला बनाने के लिए कटिबद्ध है उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन राँची को श्रेष्ठ जिला बनाने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को अपनी सहभागिता निभानी होगी। उन्होंने सभी से कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जनसेवा के प्रति समर्पण की अपेक्षा की।

## थैलेसीमिया पीड़ितों पर झारखंड सरकार एवं संसद में बात करूँगी...सांसद डॉ महुआ माजी

संवाददाता । रांची

झारखंड में थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया को झारखंड से भगाओ अभियान के तहत आज दूसरे दिन झारखंड राज्यस्तरीय कार्यक्रम के तहत आज ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन एवं शोनित फाउंडेशन के सौजन्य से अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली के द्वारा थैलेसीमिया/सिकल सेल एनीमिया का बोन मैरो ट्रांसप्लांट हेतु झारखंड राज्यस्तरीय निःशुल्क मैचिंग टेस्ट कैम्प/एचएलए स्क्रीनिंग टेस्ट/शिबलिंग

टैस्टिंग/मार्गदर्शन/परामर्श कैम्प रांची प्रेस क्लब में सुबह से शाम तक में 12 वर्ष के अंदर पीड़ितों का 39 थैलेसीमिया पीड़ितों सहित कुल 100 पीड़ितों के परिजनों के डोनर का एचएलए स्क्रीनिंग टेस्ट निःशुल्क हुआ। जिसकी रिपोर्ट तीन महीनें के अंदर आएगी,उसके बाद शत प्रतिशत मैच करने पर सरकारी/सीसीएल/एनजीओ/परोपकारी लोगों के सहयोग से निःशुल्क बोन

मैरो ट्रांसप्लांट/ब्लड ट्रांस्फूशन होगा। जिसमें नई दिल्ली से आए अपोलो नई दिल्ली के निदेशक,बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग/सीनियर

पीडियाट्रिक,ऑनकोलॉजी,हेमेटोलॉजि ी के देश के मशहूर डॉक्टर डॉ गौरव खारिया के नेतृत्व में अपोलो की टीम आई।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय डॉ महुआ माजी,राज्यसभा सांसद,झारखंड एवं पूर्व अध्यक्ष, झारखंड राज्य महिला आयोग सहित जेएमएम की वरिष्ठ राजनीतिज्ञ थी एवं विशिष्ट अतिथि में

श्रीमती डॉ अनुराधा वत्स,क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट/दीपशिखा एवं इंजीनियर श्री राजीव राजू,दिव्यंजनों पर कार्यरत सहित कार्यक्रम में अपोलो दिल्ली के रवि कुमार,एबी, शोनित फाउंडेशन के डेविड,अभिषेक चौधरी, अरशद एवं लहू बोलेगा के नदीम खान,मो बब्बर एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के देवकी देवी,सीमा देवी,सोना सिंह,सोनम, साक्षी,प्रगति शामिल थे। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं झारखंडी अंगवस्त्र देकर थैलेसेमिक पीड़ित बच्चों ने स्वागत किया।माननीय सांसद डॉ महुआ माजी ने कहा कि थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया पीड़ितों के साथ हूँ मैं जल्द आपके मुद्दें पर माननीय मुख्यमंत्री झारखंड श्रीमान हेमंत सोरेन महोदय से आपके साथ चर्चा करूँगी।सांसद में आपकी आवाज उठाऊंगी।जो संभव होगा अविलंब गंभीर पहल करूँगी।डॉ गौरव खारिया जी ने कहा कि थैलेसीमिया/सिकल सेल/अप्लास्टिक एनीमिया पर झारखंड राज्यस्तरीय यह कैम्प आप आयोजक का बेहद सरहनीय और ऐतिहासिक प्रयास है जिसका नतीजा भी बोन मैरो ट्रांसप्लांट का शत प्रतिशत होगा। झारखंड सरकार इस गंभीर पहल कर दें और इनका ब्लड ट्रांफुशन/बोन मैरो ट्रांसप्लांट करा दें ताकि इन पीड़ितों का जीवन जी सकें ऐसे बच्चें की मृत्यु दर को रोका जा सकें जो ब्लड ट्रांस्फूशन/बोन मैरो ट्रांसप्लांट से मानवीय रूप से सुनिश्चित है, झारखंड में रक्तदान-महादान को इनके लिए जनजागरुकता अभियान चला दें ।

## नाज कंपलेक्स मार्केटिंग सह आवासीय का विधिवत उद्घाटन

संवाददाता । रांची

रांची। रांचीः नाज कॉम्प्लेक्स, निकट सुयोग हॉस्पिटल, भागलपुर बस्ती, बड़गाईं, रांची, मे इसका विधिवत उद्घाटन पूर्व थाना प्रभारी सह बिशनपुर के पूर्व उम्मीदवार जगन्नाथ उरांव, डीएसपी बुधराम उरांव और मेटास स्कूल के प्रिंसिपल नायडु सर ने फीता काटकर किया. बोलते हुए मुख्य अतिथि जगन्नाथ उरांव ने कहा की नाज कंपलेक्स बड़गाई क्षेत्र के लिए एक पहचान होगा.उन्होंने कहा कि जल्द ही यह इलाका रिंग रोड से जुड़ जाएगा राजधानी रांची के मेंन रोड में जो सुविधा उपलब्ध है वह सारी सुविधाएं यहां उपलब्ध है.उन्होंने एजाज अंसारी को मुबारकबाद दी.नाज कॉमलेक्स मे ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर मे 13 दुकात और सेकंड, थर्ड फ्लोर मे 4 आवासीय फ्लैट है, जिसका क्षेत्रफल 2000 स्क्वायर फीट है और 3 बीएचके है जो किराया के लिए उपलब्ध है. नाज काम्प्लेक्स में 30 फीट चौड़ा रोड है. लिफ्ट की सुविधा के साथ-साथ सीसीटीवी और सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था भी उपलब्ध है नाज काम्प्लेक्स में यूपीवीसी और गेट ग्रिल की फैक्ट्री भी है. इस मौके पर एजाज अंसारी, नियाज अंसारी, अंजार अंसारी, फैयाज अंसारी,

## श्री राधा- कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद मे 2 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

- किसने सजाया मुरली वाले को बड़ा प्यारा लागे...
- भजन संध्या के मनमोहक भजनों में भक्तगण खूब झूमे

संवाददाता । रांची

रांची:श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 230वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे समाजसेवी नंदकिशोर पाटोदिया एवं उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आज के महाप्रसाद में केसरिया खीर, पुड़ी आलू चना सब्जी, जीरा राइस, चिप्स, आदि का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी के गाये मनमोहक सुमधुर भजनों मे

ये सुंदर श्रृंगार सुहाना लगता है भक्तों को तो दिल दीवाना लगता है...श्याम देने वाले हैं हम लेने वाले हैं आज खाली हाथ नहीं जाना है...किसने सजाया मुरली वाले को बड़ा प्यारा लागे...अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई?। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर मे आज अन्नपूर्णा महाप्रसाद एवं भजन संध्या में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे 5 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस अवसर पर-ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल छावनिका, पूरणमल सर्राफ , सुरेश चौधरी,सुरेश भगत, विशाल पाटोदिया, सुप्रिया पाटोदिया,अंश अमायरा पाटोदिया, डॉ आशुतोष पांडे, चंदन कुमार, हेमंत प्रजापति, विष्णु सोनी, विजय कुमार अग्रवाल, पवन पोद्दार, मुरली प्रसाद, हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, बसंत वर्मा, ।

## छठ पूजा समिति की वार्षिक बैठक संपन्न

## बैठक में 75वे वर्ष छठ पूजा को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया

संवाददाता । रांची

रांची :रांची। स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति की वार्षिक बैठक सम्पन्न हुई ।बैठक में 75वे वर्ष छठ पूजा को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया ।बैठक में वर्ष 2025 के आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया एव पुरानी कमिटी को भंग की गई ।बैठक में समिति के संग्रक्षक श्री राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि समिति के पदाधिकारी नगर निगम प्रशासन से मिलकर उन्हें छठ घाट की जल्द से जल्द मरम्मती की मांग की जाएगी ।श्री मिश्रा ने कहा कि छठ पूजा से पूर्व बड़ा तालाब के मुख्य छठ घाट एवं तोरण द्वार की मरम्मती का कार्य अभिलंब कराया जाए । बैठक में स्टूडेंट फेडरेशन बड़ा तालाब छठ पूजा समिति के संग्रक्षक श्री राजीव रंजन मिश्रा ने इस वर्ष छठ पूजा को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर निगम से आग्रह किया कि पूजा के

पहले बड़ा तालाब सहित राजधानी राँची के सभी तालाबो की साफ सफाई कराई जाए ताकि छठ व्रतियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े ।पूजा से पहले सभी छठ घाटो को साफ किया जाए एवं आसपास की गंदगी को भी हटा दी जाए ।श्री मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति के द्वारा कोलकाता के मालाकार द्वारा आकर्षक पुष्प सज्जा एवं विद्युत सज्जा कराई जाएगी ।

बैठक में सर्व सहमति से

1, श्री राजीव रंजन मिश्रा, विनय सरावगी , कुणाल अजमानी , शमशेर आलम को मुख्य संग्रक्षक बनाया गया ।

2. संग्रक्षक :- प्रदीप तुलस्यान , रवि कुमार पिंकू , अशोक पुरोहित , प्रणय कुमार , रमेश सिंह, साहेब अली , राजेश सिन्हा सनी , समाजसेवी राज कुमार पोद्दार ।3. संयोजकः- किशोर साहू , राम अनुज सिंह

## राँची:अब हाइवे पर नहीं भटकेंगे यात्री, ठलुअक लगाएगा दफ कोड साइन बोर्ड; नजदीकी पेट्रोल पंप, होटल, पुलिस स्टेशन का चलेगा पता

संवाददाता । रांची

**रांची।** झारखंडलंबी सड़क यात्राओं में अक्सर ड्राइवरों और यात्रियों को यह समस्या होती है कि अचानक जरूरत पड़ने पर नजदीकी पेट्रोल पंप, अस्पताल, होटल, पुलिस स्टेशन या फिर टॉयलेट जैसी बेसिक सुविधाएं कहां मिलेंगी।कई बार हाईवे पर सफर करते समय इमरजेंसी में सही जानकारी न मिलने से यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। लेकिन अब यह मुश्किल जल्द ही खत्म होने जा रही है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ठलुअक) ने एक नई पहल की है, जिसके तहत हाइवे पर दफ कोड साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इन बोर्ड्स को स्कैन करते ही यात्रियों को तमाम जरूरी जानकारी तुरंत मोबाइल पर मिल जाएगी।

### दफ कोड बोर्ड्स में क्या खास होगा?

- इन वर्टिकल दफ कोड साइन बोर्ड्स में हाइवे से जुड़ी पूरी जानकारी दी जाएगी। इसमें शामिल होगा :
- हाइवे नंबर और प्रोजेक्ट की लंबाई
- निर्माण और मेंटेनेंस की अवधि
- हाइवे पेट्रोल, टोल मैनेजर, प्रोजेक्ट मैनेजर और रेजिडेंट इंजीनियर के कॉन्टैक्ट नंबर
- आपातकालीन हेल्पलाइन 1033
- ठलुअक फील्ड ऑफिस की डिटेल्स
- यही नहीं, बोर्ड स्कैन करने पर आसपास मौजूद पेट्रोल पंप, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट, पुलिस स्टेशन, ट्रक ले-बाय, पंचर रिपेयर शॉप, व्हीकल सर्विस स्टेशन और ई-चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाओं की जानकारी भी मिलेगी।

**कहां लगाए जाएंगे ये बोर्ड?**

यात्रियों की सुविधा के लिए दफ कोड बोर्ड्स हाईवे पर चुनिंदा जगहों पर लगाए जाएंगे। इनमें शामिल हैं वे-साइड अमेनिटीज, रेस्ट एरिया, टोल प्लाजा, ट्रक ले-बाय, हाइवे के स्टार्ट और एंड पॉइंट. इन लोकेशनों पर दफ कोड बोर्ड लगाने का मकसद है कि जरूरत पड़ने पर ड्राइवर और यात्री तुरंत उन्हें स्कैन करके सही जानकारी पा सकें।इस पहल से यात्रियों को कई तरह के फायदे होंगे, जैसे-रास्ता भटकने या नजदीकी सुविधा खोजने में समय बर्बाद नहीं होगा।

# ब्रीफ न्यूज

## कैलाशपति मिश्र की जयंती मनी

संवाददाता । रांची

रांची :रांची। कैलाशपति मिश्र जी की जयंती के अवसर पर आज बिरसा चौक स्थित उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद श्री आदित्य साहू जी, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री कर्मवीर सिंह जी, महानगर अध्यक्ष सहित कई सम्मानित कार्यकर्तगण उपस्थित रहे ।

## जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया इलाके में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली।

संवाददाता । रांची

रांची :जानकारी मिलने के बाद जगन्नाथपुर पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। राँची में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली 21 वर्षीय छात्रा स्वाति कुमारी ने सुसाइड कर लिया है।

## ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत

संवाददाता । रांची

रांची :कोडरमा। राँची-पटना रोड एनएच 20 पर होली फैमिली हास्पिटल के पास ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक ने सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया।

## जयराम महतो ने बोकारो थर्मल में डीवीसी प्रबंधन के खिलाफ जनाक्रोश महासभा को संबोधित किया।

संवाददाता । रांची

बेरमो :बेरमो कार्यालय, बोकारो थर्मल/बोकारो थर्मल स्थित डिग्री कॉलेज मैदान में रविवार को डुमरी के विधायक ने डीवीसी प्रबंधन के खिलाफ आयोजित जनाक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य स्थापना के 25 वर्षों बाद भी राज्य निर्माण के विस्थापितों,आंदोलनकारियों एवं शहादत देनेवाले लोगों के परिवारों की स्थिति में किसी भी प्रकार की सुधार नहीं हो पाई है.राज्य में कोयला के खदान,पावर प्लांटों,बीएसएल के प्लांट,बारुद कारखाना,सिंदरी के खाद कारखाने आदि औद्योगिक संस्थानों को लगाने में राज्य के लोगों ने अपने पूर्वजों की जमीनों को देने का काम किया है परंतु आज भी राज्य का जनमानस इस बात को लेकर सवाल कर रही है कि हमने अपनी खेतिहर जमीनों को देने का काम किया तो बदले में हमें क्या दिया गया है.यह सवाल सभी झारखंडियों का है.कहा कि आज हम अपने हक एवं अधिकार की लड़ाई को लेने के लिए लड़ाई लड़ने की जरुरत है.मौत से सभी को आती है परंतु अपने हक एवं अधिकार को लेकर लड़कर मरने की बात ही कुछ और है.कहा कि डीवीसी प्रबंधन एवं उनके पाले हुए गुंडों से डरकर रहने की जरुरत नहीं है.कहा कि राज्य में बेरोजगारी का आलम के कारण ही राज्य के बेरोजगार युवक देश के अन्य प्रांतों एवं देश से बाहर जाकर काम करने को विवश हैं.नाइजर में आज भी राज्य के पांच प्रवासी मजदूर आतंकवादियों के कब्जे में है और सरकार उसे रिहा करवाने में विफल रही है.कहा कि बेहतर हो कि बाहर जाकर काम करने के स्थानीय स्तर पर डीवीसी प्रबंधन से लड़कर रोजगार एवं हक अधिकार को लेने का काम करें.उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार बंग्ला देश,श्रीलंका,इंडोनेशिया एवं नेपाल में बेरोजगारा युवकों ने प्रधानमंत्री एवं राष्टपति को सत्ता से हटाने का काम किया है उसी प्रकार डीवीसी के वरीय जीएम,जीएम एवं डीजीएम एवं एचआर को खदेड़ने की जरुरत है.कहा कि जेल जाने से विस्थापितों को डरने की जरुरतर नहीं है,विदेश जाकर आतंकवादियों के कब्जे में कैद होने,देश के अन्य राज्यों में जाकर मरने से बेहतर है कि ऐसे प्रबंधन के खिलाफ अपने हक एवं अधिकार को लेकर लड़कर जेल जाने का काम करें क्योंकि जेल से बेहतर कोई स्थान नहीं है.कहा कि ऐसे पदाधिकारियों को सबक सिखाने एवं दो-दो हाथ करने की जरुरत है.कहा कि हमारी जमीन पर उद्योग धंधे लगाकर हमको आंख दिखाने वालों को कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा.विदेश जाकर करने से बेहतर है कि अपने राज्य में रहकर आंदोलन करें भले ही पुलिस की लाठी खानी पड़े या जेल जाना पड़े.विधायक ने राज्य सरकार को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राज्य में विस्थापितों को लेकर कोई नीति नहीं बनाई गई थी.महासभा को पूजा महतो,मोतीलाल महतो,मनोज यादव आदि ने भी संबोधित किया.सभा का संचालन जिला सचिव खगेंद्र महतो ने किया.सभा में डॉ दशरथ महतो,नीलकंठ महतो,जगदीश महतो,जगदीश राय,स्नेहा,अनिता महतो,उत्पल मंडल,मुनेश्वर महतो सहित कई लोग मौजूद थे.

## झामुमो के केंद्रीय महासचिव को पार्टी कार्यकताओं ने सिमरिया में किया भव्य स्वागत

संवाददाता । रांची

सिमरिया : झामुमो पार्टी के केंद्रीय महासचिव बिनोद पांडेय और दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा का सिमरिया चौक पर भव्य स्वागत कार्यकताओं द्वारा किया गया। जहां पार्टी केंद्रीय सदस्य मनोज कुमार चंद्रा और प्रखण्ड अध्यक्ष रमन कुमार साहू के अगुवाई में कार्यकताओं ने गाजे बाजे के साथ महासचिव और मंत्री का माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद महासचिव और मंत्री सुभाष चंद्र बोस पार्क में सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और शिबू सोरेन जिंदाबाद, हेमन्त सोरेन जिंदाबाद व झामुमो पार्टी जिंदाबाद के जोरदार नारा लगाया गया। जानकारी के अनुशार महासचिव व मंत्री चतरा में पार्टी कार्यालय उद्घटान कार्यक्रम में जा रहे थे। इस दौरान कार्यकर्ताओ ने सिमरिया में स्वागत किया।मौके पर जिला उपाध्यक्ष पुरन राम, प्रमुख रोहन साव, जिप सदस्य देवनंदन साहू, प्रखण्ड सचिव भूपेंद्र ठाकुर, नेमधारी महतो, मालेश्वर साहू, गिरधारी यादव, पवन कुमार साव, इकरामुल हक, बिनोद महतो, कृष्णा साव, सलीम अख्तर, संदीप कुमार साहू, श्याम सुंदर साहू, रवि वर्मा, अघनु महतो सहित बड़ी संख्या में पुरुष व महिला कार्यकर्ता शामिल थे।

# नगर निगम चुनाव में सभी पदों पर चुनाव लड़ेंगी झामुमो - विकास राणा

- पार्टी की नीति एवं सिद्धान्तों को जन-जन तक पहुँचाये : नईम राही
- सभी वार्डों में वार्ड कमेटी का पुनर्गठन होगा : दीपक रॉय
- हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं का समाधान के प्रति सजग रहें कार्यकर्ता : नवीन प्रकाश

**हजारीबाग, संवाददाता**

**हजारीबाग :** झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की हजारीबाग नगर कमेटी की बठैक सम्पन्न` संगठन मजबूती सहित कई विषयों पर महत्वपूर्ण एवं ठोस निर्णय लिए गयाझारखण्ड मुक्ति मोर्चा की हजारीबाग नगर कमेटी की बठैक स्थानीय परिसदन भवन, हजारीबाग में आयोजित की गई ! नगर कमेटी की इस बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश ने किया तथा मंच संचालन नगर सचिव निसार अहमद ने किया ! कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय समिति सदस्य विकास राणा उपस्थित हुए तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के हजारीबाग जिला उपाध्यक्ष नईम राही एवं जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार रॉय शामिल हुए ! झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की नगर कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की गई और झारखण्ड में होनेवाले नगर निगम के चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई` मुख्य अतिथि केन्द्रीय



समिति सदस्य विकास राणा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि हजारीबाग नगर निगम चुनाव में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा मजबूती के साथ मेयर पद सहित डिप्टी मेयर एवं सभी वार्ड में अपना उम्मीदवार देगा और रणनीति बनाकर पूरी ताकत के साथ नगर निगम का चुनाव लड़ेगा` विशिष्ट अतिथि जिला उपाध्यक्ष नईम राही ने कहा कि पार्टी की नीतियों को एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाना कार्यकताओं को जिम्मेवारी है` जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार रॉय ने कहा कि सभी वार्ड में वार्ड कमेटी का पुनर्गठन कर संगठन को मजबूत किया जायेगा` कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नगर अध्यक्ष नवीन प्रकाश ने कहा की झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की नगर कमेटी एवं सभी वार्ड कमेटी को मजबूत किया जायेगा और हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में व्याप्त जन समस्याओं का समाधान किया जायेगा` झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की हजारीबाग नगर कमेटी की बठैक में मुख्य रूप से आनन्द सिंह, राजीव वर्मा, मो कमाल कुरैशी, मो अब्दुल्ला खान, रंजीत मेहता, सतेन्द्र मेहता, नगर कमेटी के मिडिया प्रभारी कैशर जमाल, राजदेव यादव, राजकिशोर प्रसाद, धर्मेन्द्र ठाकुर, हसीब खान, श्वेता दूबे, सक्षम जैन, अमित कुमार दूबे, बाबू विक्रम, मो शादाब हाशमी, जुनैद आलम, वसीम खान, विजय सोनी, मो शौफी आलम, प्रशान्त कुमार, संजीव कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे` अंत में धन्यवाद ज्ञापन नगर कमेटी के मिडिया प्रभारी कैशर जमाल ने कियो.

## ऑपरेशन नार्कोस के तहत मालदा मंडल की आरपीएफ ने मादक पदार्थों की बड़ी खेप जब्त की

**साहिबगंज, संवाददाता**

**साहिबगंज :** त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे के मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढत्रः) द्वारा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ह्लऑपरेशन नार्कोसह्व के तहत जांच और निगरानी अभियान तेज कर दिए गए हैं।

यह कार्रवाई मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री ए. के. कुल्लू के पर्यवेक्षण में की गई।

नियमित निगरानी के दौरान भगलपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 13416 (पटना झ्र मालदा एक्सप्रेस) में आरपीएफ टीम को कोच र-6 के पास चार संदिग्ध बिना मालिक वाले बैग मिले। जांच करने पर उन बैगों में 100 मिलीलीटर की 575 बोतल खांसी की दवाई (कफ सिरप) पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 92,000



आंकी गई।

आरपीएफ टीम द्वारा जब्त माल को विधिवत प्रक्रिया के तहत स्टेशन पर सुरक्षित रखा गया। सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद जब्त वस्तुएं एवं संबंधित दस्तावेज भगलपुर आबकारी विभाग को आगे की जांच और कार्रवाई हेतु सौंप दिए गए।

यह कार्रवाई मालदा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता और समर्पण का प्रमाण है, जिसने ट्रेनों में मादक पदार्थों की अवैध ढुलाई को रोकने में सफलता प्राप्त की है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और ट्रेनों या स्टेशनों पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत रेलवे अधिकारियों या आरपीएफ को दें। यात्रियों और रेलवे कर्मियों के सहयोग से ही रेलवे परिसर को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाया जा सकता है।

# क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी रामलखन मेहता की प्रथम पुण्यतिथि मनी

**हजारीबाग, संवाददाता**

**इचाक (हजारीबाग) :** प्रखंड के मंगूरा गांव निवासी और क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी स्व रामलखन मेहता की प्रथम पुण्यतिथि मंगूरा स्थित पैतृक आवास में मनाई गई। आचार्य श्रीनिवास पाण्डेय ने विधि विधान से उनके पुत्रों द्वारा पिंड दान करवाया। उसके बाद एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। हजारीबाग के पूर्व सांसद बीपी मेहता ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व रामलखन मेहता अपने जीवन का 80 प्रतिशत समय समाज के लिए न्योक्षावर किया है। वह समाज में समाधान का हिस्सा बन कर रहे। कभी समस्या नहीं बना। आज वह हम लोगों के बीच नहीं रहे पर उनके द्वारा किए गए कार्य यादगार के रूप में अमर रहेगा। उनके पुत्रों को उनके अधूरे कार्यों को पूर्ण करने की जरूरत है समाज में अपना पहचान अलग बनाए।



श्रद्धांजलि देने वालों में पत्नी शांति देवी, प्रदेश कांग्रेस नेत्री रेणु देवी, उप प्रमुख सत्येंद्र कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष मनोहर राम, जिप सदस्य प्रतिनिधि अशोक मेहता, बीरबल मेहता, झामुमो नेता राजेश मेहता, राजेंद्र मेहता, कैलाश मेहता, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि रामशरण शर्मा, दयानंद कुमार, समाजसेवी नागेश्वर मेहता, पंसस प्रतिनिधि छोटन महतो, महेश मेहता, सुनील मेहता, कैलाश मेहता, बालेश्वर मेहता, रीतलाल साव, नरेश साव, सेवा निवृत शिक्षक बलदेव मेहता, मुंशी मेहता, लक्ष्मण किशोर मेहता, भाई चतुर्गुण मेहता, पुत्री मंजू देवी, आशा देवी, पुत्र राजकुमार मेहता, प्रकाश मेहता, सिकंदर मेहता, सुबोध मेहता, मुंद्रिका मेहता, पुत्रबधु मालती देवी, सबिता देवी, रेखा देवी, बेबी देवी, तरुण देवी, सुनीता देवी, पौत्र दीपक कुमार, आदित्य कुमार, सोनू कुमार, उज्जवल कुमार, बंटी कुमार, भारत कुमार, हैपी कुमार, पौत्री काजल कुमारी, नैना कुमारी, नेहा कुमारी, अमृता कुमारी, सुप्रिया कुमारी, पूजा कुमारी, पिंकी कुमारी, अमन कुमार, राहुल कुमार, ऋषभ कुमार के अलावा प्रकाश मेहता, उपेन्द्र मेहता, बुद्धदेव मेहता, रंजीत कुमार, संजीत कुमार, बीरेंद्र मेहता, अजय सिंह, राजेंद्र मेहता, गणेश पाण्डेय, नकुल पांडेय, विवेकानन्द पाण्डेय, डॉ उपेन्द्र कुमार समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

## आदिवासी कर्मयोगी अभियान के तहत गुरूडीह में भव्य कार्यक्रम

**हजारीबाग, संवाददाता**

**कटकमसांडी, (हजारीबाग) :** आदिवासी कर्मयोगी अभियान के तहत कटकमसांडी के एकमात्र चयनित व जंगलों से आच्छादित गांव गुरूडीह के चहुमुखी विकास को लेकर शनिवार को सरकारी महकमा पहुंच गांव का जायजा लिया और सरकारी आदेशानुसार धरातल पर जनकल्याणकारी कार्यों को पूरा करने की रणनीति बनाई गई, जहां जनहित में लोगों को हर मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने की बात कही गई। इस अभियान को ,सफल बनाने व गांव को विकासात्मक कार्यों से जुड़ने की खुशी मे ग्रामीणों ने अधिकारियों को आदिवासी गीत व नृत्य प्रस्तुत कर भव्य स्वागत किया गया। बता दें कि इस कार्यक्रम मे हजारीबाग के उपायुक्त का आगमन होना था। मगर किसी कारणवश वे कार्यक्रम में शरीक न हो सके। मौके पर बीडीओ पूजा कुमारी, बीसीई शौकत सरवर, डा. भूषण राणा, बीएओ अनिराम महतो, बीईओ विजय राम सहित सम्पूर्ण प्रखंड कर्मी मौजूद थे। दूसरी ओर, मुखिया चांदनी मोसर्रत, पंसस लक्ष्मी देवी, पूर्व जिप सदस्य विजय सिंह भोक्ता, नरसिंह प्रजापति, इरशाद आलम सहित डांड़ पंचायत के तमाम प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधिगण व सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### राज्य स्तरीय खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता फुटबॉल के लिए जिले से 09 खिलाड़ी रांची रवाना



**साहिबगंज :** खेल कूद एवम युवा कार्य निदेशालय, झारखंड रांची के द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित आवासीय एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षुओं के रिक्त पदों हेतु जिला स्तरीय प्रतिभा खोज चयन प्रतियोगिता से चयनित फुटबॉल खेल विद्या के कुल 09 बालक खिलाड़ी 6 से 7 अक्टूबर तक होटवार, रांची स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रतिभा खोज फुटबॉल में भाग लेने के लिए साहेबगंज से बस द्वारा रवाना हुए। सभी प्रतिभागियों को जिला शिक्षा अधीक्षक सह जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ने शुभकामना दी। इस मौके पर खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी, प्रशिक्षक योगेश यादव, जिम ट्रेनर गौरव झा समेत अन्य मौजूद थे। फुटबॉल बालक खिलाड़ी 10 से 14 वर्ष ब्लेसिंग टुडू, मुनकुच हांसदा, सैमुएल हेंब्रम, बड़ा लालू किस्कू, रोहित मुर्मू , जेवियार सोरेन 16 से 22 वर्ष, सानू हेंब्रम, इश्तियाक शेख

### राजमहल के मंगलहाट में मां दुर्गा मेले का समापन, भक्तों ने दी माता रानी को विदाई



**साहिबगंज :** जिले के राजमहल प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध मंगलहाट दुर्गा मेले का आज भव्य समापन हुआ। इस दौरान भक्तों ने माता रानी की प्रतिमा को नम आंखों से विदाई दी।बताया जा रहा है कि यह मेला जिले का सबसे चर्चित और ऐतिहासिक दुर्गा मेला है, जिसे सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, मंगलहाट के द्वारा वर्ष 1975 से लगातार भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है।हर साल की तरह इस वर्ष भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक इस मेले में पहुंचे और धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सांस्कृतिक आयोजनों का आनंद लिया।मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस बल, समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक मेले को देखने के लिए लोग दूर-दराज से आते हैं, और यही कारण है कि मंगलहाट का दुर्गा मेला आज भी जिले का सबसे प्रसिद्ध और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

### 15 अक्टूबर को चतरा आयेंगे डुमरी विधायक जयराम महतो

**चतरा :** शहर के नगवां मोहल्ला ट्रैक्टर शोरूम के सामने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कैलाश कुमार महतो व संचालन नगर अध्यक्ष सुनील कुमार ने किया. बैठक में 15 अक्टूबर को चतरा के किशुनपुर मैदान में आ रहे पार्टी सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो के कार्यक्रम की तैयारी को लेकर चर्चा किया गया. कार्यक्रम में उनके साथ देवेंद्रनाथ महतो, मनोज यादव व पूजा महतो आयेंगे. कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया. कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेवारी सौंपी गयी. जिले के सभी प्रखंडो व साप्ताहिक हाटो में कार्यक्रम को लेकर प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया. मौके पर जेएलकेएम नेता संदीप कुमार ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो व अन्य नेताओं को आने से जिले में पार्टी का जनाधार बढ़ेगा. उन्होंने कार्यकताओं को अधिक से अधिक संख्या में लोगो को पार्टी से जोड़ने की बात कही.

## भारी बारिश से डांड में एक गरीब का मिट्टी का घर ढहा, सर छुपाने को जगह नहीं

**हजारीबाग, संवाददाता**

**कटकमसांडी, (हजारीबाग ) :** कटकमसांड़ी प्रखंड क्षेत्र के डांड गांव के निवासी फातमा खातून, पति अख्तर अंसारी का मिट्टी का घर लगातार भारी बारिश से ढह गया। लगातार मूसलाधार बारिश ने प्रखंड क्षेत्र के कई गरीबों का घर निगल गया और उनके सर पर का छत छिन गई। गरीब लोग बेघर हो गए। अब इस तरह की घटनाओं से लोकल जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रखंड के आला अधिकारियों तक का पोल खोल कर रख दे रहा है ।आखिर इस तरह के बेबस लाचार गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास, अबुआ आवास, अम्बेडकर आवास जैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया तो इन योजनाओं लाभ मिला किसको ? - - यह गरीब परिवारों का लोकल जनप्रतिनिधियों और प्रखंड के आला अधिकारियों से एक अक्ष प्रश्न है जिसपर ईमानदारी पूर्वक मंथन करने की आवश्यकता है।

## बीएसएफ जवान का दिल्ली में निधन, क्षेत्र में शोक

**चौपारण (हजारीबाग) :** प्रखंड के पंचायत झापा अंतर्गत ग्राम कोल्हुआ के बीएसएफ जवान का दिल्ली में अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। जवान कुछ दिनों से दिल्ली में तैनात थे, जहां उनकी तबीयत बिगड़ी और उन्होंने दम तोड़ दिया। दो माह पहले ही जवान के पिता का निधन हुआ था, जिससे परिवार गहरे सदमे में है।जवान का पार्थिव शरीर आज दोपहर लगभग 12 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचेगा, जहां से उसे उनके गृह गांव लाया जाएगा। जवान की मिलनसार स्वभाव और देशसेवा के कारण वह क्षेत्रवासियों के प्रिय थे। उनके निधन पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ रही है और अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ जुटने की संभावना है।

## एनएमएल पकरी बरवाडीह मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर इनिशिएटिव की शुरूआत की

**हजारीबाग, संवाददाता**

**बड़कागांव (हजारीबाग) :** एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने अपने प्रमुख कार्यक्रम ह्यअह्वानह्ल के अंतर्गत ह्लमदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर इनिशिएटिवह्व की शुरूआत की है। यह पहल श्रीनिवास हॉस्पिटल, हजारीबाग के सहयोग से आरंभ की गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परियोजना प्रभावित परिवारों की महिलाएं एवं आस-पास के ग्रामीण महिलाओं के लिए गर्भावस्था पूर्व देखभाल एवं उपचार उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना है, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ किया जा सके। यह पहल भारत सरकार की ह्लस्वस्थ नारी झ्र स्वस्थ परिवारह्व की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



इस कार्यक्रम की एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में सोनबरसा गांव की निवासी इस पहल की पहली लाभार्थी बनीं। उन्हें उच्च जोखिम गर्भावस्था के दौरान आवश्यक चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया गया और उन्होंने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। माँ और शिशु दोनों स्वस्थ हैं। यह पहल एनएमएल पकरी बरवाडीह परियोजना के सतत एवं समावेशी विकास की दिशा में निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जो मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देती है। इस अवसर पर डॉ. संजीत कुमार शुभेन्दु मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना; डॉ. प्रवीण श्रीनिवास निदेशक, श्रीनिवास ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स तथा एनएमएल पकरी बरवाडीह परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# गुरु गोविंद सिंह पार्क प्रशासन के नियंत्रण में, अवैध गतिविधियों पर सख्त रोक

**हजारीबाग, संवाददाता**

**हजारीबाग :** शहर के हृदय स्थल में स्थित ऐतिहासिक गुरु गोविंद सिंह पार्क को शनिवार को जिला प्रशासन ने अपने नियंत्रण में ले लिया। हाल के दिनों में पार्क परिसर में अवैध गतिविधियों की शिकायतें सामने आ रही थीं, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की।

**अवैध गतिविधियों की शिकायत पर प्रशासन की कार्रवाई**

जानकारी के अनुसार, यह पार्क पूर्व में वीरेंद्र माली को पौधरोपण और देखरेख के लिए सौंपा गया था। किंतु पिछले कुछ समय से यहां गैरकानूनी गतिविधियों की



सूचना मिलने लगी थी। इस पर जिला प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए संबंधित व्यक्ति को 10 दिन पूर्व नोटिस जारी कर पार्क खाली करने का निर्देश दिया था।निर्धारित समय सीमा शनिवार दोपहर 1 बजे समाप्त होने के बाद भी जब पार्क का मुख्य द्वार अंदर से बंद पाया गया, तो प्रशासनिक टीम ने पुलिस बल की उपस्थिति में कार्रवाई शुरू की और परिसर को खाली कराया।

**सिख समाज ने निर्णय का किया स्वागत**

कार्रवाई के दौरान नगर प्रशासन, पुलिस अधिकारी और समाजसेवी मौजूद थे। सिख समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि गुरु गोविंद सिंह पार्क किसी निजी व्यक्ति की संपत्ति नहीं है, यह समाज की धरोहर है। इसका उपयोग जनहित और सेवा के लिए होना चाहिए।उन्होंने आगे कहा कि अब इस पार्क को पुनः हराभरा, स्वच्छ और आकर्षक रूप में समाज के हित में विकसित किया जाएगा। इस दौरान मौजूद लोगों ने ह्लवाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेहह्व के जयकारों के साथ प्रशासनिक कार्रवाई का स्वागत किया।

**पार्क को बनाया जाएगा स्वच्छ और जनहितकारी स्थल**

प्रशासन ने घोषणा की है कि आने वाले दिनों में पार्क को पूरी तरह साफ-सुथरा और सार्वजनिक उपयोग के लिए समर्पित स्थल बनाया जाएगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और निगरानी तंत्र स्थापित करने की योजना है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जा सके।हजारीबाग प्रशासन के इस कदम को शहरवासियों और सिख समाज ने सराहनीय बताया है, जिससे एक बार फिर यह ऐतिहासिक पार्क अपने गौरवशाली स्वरूप में लौटने की उम्मीद जग गई है।

## न्यूज ब्रीफ

### ऐतिहासिक होगी तेजस्वी यादव की जनसभा : संजय यादव

भागलपुर (एजेंसी) : जिले के गोराडीह प्रखंड के बिरनौध में 08 अक्टूबर को होनेवाले बिहार विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की जनसभा को लेकर रविवार को झारखंड सरकार के उद्योग एवं श्रम संसाधन मंत्री संजय यादव एवं बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु संयुक्त रूप से सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री संजय यादव ने कहा कि कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। इसके लिए जगह-जगह तोरण द्वार, सभा स्थल पर 5000 कुर्सियां, नुक्कड़ सभा और जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। श्री यादव ने कहा कि लोग तेजस्वी को देखने और सुनने के लिए काफी उत्सुक हैं। गाजे-बाजे के साथ कार्यकर्ता सभा स्थल पर गांव-गांव से आकर शामिल होंगे। श्री यादव ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के झूठी घोषणाएं से जनता आक्रोशित है। विकास योजनाओं में लूट मची है। जनता का कोई सुनने वाला नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकार झूठी घोषणाओं के माध्यम से जनता को गुमराह कर वोट लेने का प्रयास कर रही है। जिसका बिहार की जनता जवाब देगी। डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि तेजस्वी यादव के 17 महीने के कार्यकाल में विकास, रोजगार, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनकी घोषणाएं महंगाई कम करने, पलायन को रोकने, रोजगार देने, भ्रष्टाचार मुक्त बिहार बनाने, माई बहन मान योजना में 2500 देने, 200 यूनिट बिजली फ्री देने, छात्रों के छात्रवृत्ति एवं परीक्षा में विशेष छूट देने, सामाजिक सुरक्षा योजना पेंशन 1500, गैस सिलेंडर 500 में देने आदि से जनता काफी खुश है। बिहार के छात्र, मजदूर और आम जनता पूरी तरह एकजुट है। जिससे इस बार तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री बनना तय है। इस दौरान मोहम्मद मून जिला परिषद प्रतिनिधि, गौतम बनर्जी जिला उपाध्यक्ष, गोपाल यादव मुखिया प्रतिनिधि समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

### दरभंगा में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी

दरभंगा (एजेंसी) : आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार और बिहार मौसम विज्ञान केंद्र, पटना ने दरभंगा जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, 5 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2025 तक जिले में भारी वर्षा, वज्रपात और 40–60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान आने की संभावना है। जानकारी के अनुसार, नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जिले की प्रमुख नदियों — कमला, बागमती, अधवारा समूह, खिरोई और कोसी — में जलस्तर बढ़ सकता है। इसके चलते जलजमाव और फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति भी उत्पन्न होने की आशंका है। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, घर से अनावश्यक बाहर न निकलें, नदी-तालाब और तटबंधों से दूर रहें, बच्चों और पशुओं की सुरक्षा का ध्यान रखें और खुले खेतों में वर्षा या वज्रपात के दौरान काम न करें।

### बिहार में भाजपा की 'सुझाव यात्रा' का शुभारम्भ करोड़ों लोगों की राय से बनेगा संकल्प पत्र

पटना (एजेंसी) : भाजपा की बिहार इकाई ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले अपने घोषणापत्र के लिए जनता की प्रतिक्रिया और सुझाव लेने के उद्देश्य से रविवार को 'सुझाव यात्रा' की शुरुआत की। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारम्भ किया। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने इस मौके पर बताया कि सुझाव यात्रा 5 अक्टूबर से 20 अक्टूबर-2025 तक चलेगा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य एक करोड़ लोगों से सुझाव प्राप्त करके 'जन-केंद्रित घोषणापत्र' तैयार करना है। अभियान के दौरान पार्टी की ओर से सुझाव एकत्र करने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग किया जाएगा। पार्टी नेता और कार्यकर्ता छात्रों, किसानों, महिलाओं और अन्य समुदाय के सदस्यों से मिलेंगे। सभी 38 जिला मुख्यालयों में लगभग 3,000 सुझाव पेटियां रखी जाएंगी। उन्होंने बताया कि मिस्ड कॉल सेवा, एक समर्पित वेबसाइट और व्हाट्सएप के माध्यम से भी प्रतिक्रिया प्रस्तुत की जा सकती है। प्रस्तुतिकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्रों में क्यूआर कोड भी लगाए जाएंगे। लोगों को अभियान से जोड़ने के लिए पूरे राज्य में एलईडी वाहन तैनात किए जाएंगे।

# बिहार को मिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का तोहफा

## चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजगीर में नवनिर्मित क्रिकेट स्टेडियम का किया उद्घाटन

- सिडनी क्रिकेट ग्राउंड जैसा किया गया है डिजाइन
- महाराष्ट्र की लाल और मोकामा की काली मिट्टी से बनी पिच
- 18 एकड़ पर राजगीर क्रिकेट स्टेडियम का हुआ निर्माण

एजेंसी

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिला के राजगीर में नवनिर्मित क्रिकेट स्टेडियम के पवेलियन और क्रिकेट ग्राउंड का लोकार्पण किया। लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने क्रिकेट स्टेडियम के पवेलियन का अवलोकन किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने क्रिकेट ग्राउंड का भी जायजा लिया। इस दौरान वहां उपस्थित खिलाड़ियों ने ताली बजाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। ज्ञातव्य हो कि इस स्टेडियम से न केवल बिहार में खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयां मिलेंगी बल्कि राजगीर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल पर्यटन के मानचित्र पर भी स्थापित होगा। यह स्टेडियम जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी करने में सक्षम होगा, जिससे राजगीर में पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने राज्य खेल अकादमी, राजगीर में आयोजित समारोह में 87 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का चयन पत्र और 812 खिलाड़ियों के बीच करीब 8 करोड़ रुपये की खेल सम्मान राशि का वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। साथ ही राज्य में खेल संरचनाओं के विकास पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

### 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था

18 एकड़ भूखण्ड पर राजगीर क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण किया गया है, जिसमें लगभग 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। स्टेडियम में पवेलियन (जी+5) का निर्माण किया गया है। महाराष्ट्र से लाई गई लाल मिट्टी से 6 पिच एवं मोकामा की काली मिट्टी से 7 पिच तैयार की गई है।

### अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए राजगीर तैयार

बारिश के मौसम में मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है। क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों एवं दर्शकों की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य सुनिश्चित किया गया है। स्टेडियम में आधुनिक सुविधाएं होंगी, जिसमें खिलाड़ियों के लिए विशेष पवेलियन, कोच और मैनेजर के लिए आरक्षित बैठक व्यवस्था, वीवीआईपी मेहमानों के लिए खास स्टैंड और मीडिया के लिए समर्पित गैलरी शामिल हैं। बीसीसीआई के मानकों के अनुरूप तैयार यह मैदान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी के लिए पूरी तरह सक्षम है।

# सीएम नीतीश आज करेंगे पटना मेट्रो का शुभारंभ

- सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा मेट्रो का परिचालन

एजेंसी

पटना : बिहार की राजधानी पटना के लोगों के लिए आखिरकार मेट्रो रेल का इंतजार खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को पूर्वाह्न 11.00 बजे भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज की मेट्रो के परिचालन का शुभारंभ करेंगे। पटना में संचालित होने वाली यह मेट्रो 4.3 किलोमीटर के रूट पर चलेगी। यह तीन स्टेशनों आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ रोड के बीच दौड़ेगी। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (पीएमआरएल) ने परिचालन की अंतिम तैयारी पूरी कर ली है।

उद्घाटन के साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे। उद्घाटन के लिए मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरूनी हिस्सों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप और नालंदा के खंडहर जैसे बिहार के विश्वप्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं।



### बीएसएपी संभालेगी मेट्रो की सुरक्षा

पटना मेट्रो की सुरक्षा बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस (बीएसएपी) के जवान संभालेंगे। बीएसएपी के जवान मेट्रो पर चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे। प्रवेश द्वार से लेकर प्लेटफार्म तक इनकी तैनाती होगी।

### 15 से 30 रुपये होगा किराया

आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये होगा। वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपए निर्धारित किया गया है। यानी पटना मेट्रो का फिलहाल न्यूनतम किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये होगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मेट्रो कोच में 360-डिग्री सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आपात स्थिति के लिए दो इमरजेंसी बटन और माइक्रोफोन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आपात स्थिति में बटन दबाने पर यात्री सीधे मेट्रो रेल के ड्राइवर से बात कर सकेंगे और सीसीटीवी फुटेज भी कंट्रोल रूम में भेजी जाएगी। प्रत्येक कोच में कुल 138 सीटें हैं और उसमें 945 यात्री खड़े होकर यात्रा कर सकते हैं। फिलहाल इसका परिचालन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक किया जाएगा। हर 20 मिनट के अंतराल पर प्रत्येक स्टेशन पर मेट्रो उपलब्ध होगी। प्रतिदिन मेट्रो 40 से 42 फेरे लगाएगी। महिलाओं और दिव्यांगों के लिए प्रत्येक ट्रेन में 12-12 सीटें आरक्षित होंगी।

# धर्मेंद्र प्रधान ने राजग के तीन घटक दलों के नेताओं से की मुलाकात



एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर राजग में सीट बंटवारे की कवायद तेज हो गई है। दो दिन के दौरे पर पटना पहुंचे भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को राजग के तीन घटक दलों के नेताओं से मुलाकात की। धर्मेंद्र प्रधान ने सबसे पहले जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के घर मुलाकात करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ बिहार प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहे। फिर राजग के घटक दल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी से मिलने उनके आवास गए। जहां करीब आधे घंटे तक बैठक चली। इस बैठक में राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल साथ रहे। दो बैठकों के बाद तीसरी बैठक राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के साथ उनके आवास पर हुई, जो करीब आधे घंटे तक चली।

धर्मेंद्र प्रधान ने इस बैठक के दौरान राजग के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा की। जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने धर्मेंद्र प्रधान के साथ बैठक को शिष्टाचार मुलाकात बताया। सीट बंटवारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजग के सभी घटक दल साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे। वहीं, हम के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा सीट बंटवारे पर चर्चा हुई है। जल्द सीट को लेकर समझौते हो जाएगी।

## कारोबार

# अक्टूबर-नवंबर में चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौतों पर होगी बातचीत : केंद्र

- चिली के साथ दूसरे और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत होगी
- चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत और दक्षिण अमेरिका के दो देशों चिली और पेरू के बीच अगले दौर की बातचीत क्रमशः अक्टूबर और नवंबर में होगी। सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय वार्ता 27 अक्टूबर को सैंटियागो में तो पेरू के साथ तीन दिवसीय बातचीत 3 नवंबर को लीमा में शुरू होगी। दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है।

भारत चिली के साथ दूसरे दौर की व्यापार वार्ता और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत करेगा। भारत और चिली ने 2006 में एक अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाना है और इसमें डिजिटल सेवाओं, निवेश बढ़ाने और सहयोग करने, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और महत्वपूर्ण खनिजों सहित क्षेत्रों की एक व्यापक श्रृंखला को शामिल करना है। भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार मामूली है। 2024-25 में, चिली को भारत का निर्यात 2.46 प्रतिशत घटकर मात्र 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। हालांकि, आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है।

चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा है। चिली से सबसे बड़े आयात लगभग 1.58 अरब डॉलर के खनिज हैं। चिली से आयातित अन्य उत्पादों में तांबा और रसायन भी शामिल हैं। चिली एलएसी (लैटिन अमेरिकी देशों) क्षेत्र में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चिली को भारत का निर्यात विविध है और इसमें मोटर वाहन/कार, औषधि निर्माण, रसायन, लोहा और इस्पात उत्पाद, मानव निर्मित धागा, कपड़े, सूती कपड़े, मेड-अप, आरएमजी (रेडीमेड वस्त्र), ऑटो घटक, विद्युत मशीनरी और उपकरण, चमड़े के सामान, रबर उत्पाद, एल्युमीनियम और इससे बने उत्पाद उत्पाद और चीनी मिट्टी की वस्तुएं शामिल हैं। दूसरी ओर, पेरू लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्रों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा है।

2024-25 के दौरान पेरू को भारत का निर्यात लगभग 9 प्रतिशत बढ़कर 1 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर, आयात 60 प्रतिशत बढ़कर 4.98 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। पेरू को भारत के मुख्य निर्यात में मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहन, पॉलिएस्टर और सूती धागे, फार्मास्यूटिकल्स, लोहा और इस्पात उत्पाद, प्लास्टिक उत्पाद, रबर, तेल और गैस उद्योग के लिए पाइप, टायर, पाइप आदि शामिल हैं। पेरू से मुख्य आयात सोना, तांबा, सिंथेटिक तंतु, कैल्शियम फॉस्फेट, ताजे अंगूर और मछली का आटा है।

### बीमा एजेंटों कम कमीशन दे रही कंपनियां




नई दिल्ली (एजेंसी) : सरकार ने व्यक्तिगत पॉलिसियों पर जीएसटी हटा कर इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आईटीसी वापस ले लिया है। इसका सीधा असर बीमा एजेंटों पर पड़ रहा है। कंपनियां अब वितरकों को कम कमीशन दे रही हैं। इससे वितरकों में निराशा है। एक अक्टूबर से निवा बुपा, केयर हेल्थ और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने जीएसटी सहित कमीशन माना है। इससे वितरकों की कमीशन की कमाई 18 फीसदी घट गई है। उदाहरण के लिए 1,000 रुपये का कमीशन अब 847 का हो गया है। यह कदम बिचौलियों को प्रभावित कर रहा, जो व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा उत्पादों से जुड़े हैं। स्वास्थ्य बीमा में कमीशन की हिस्सेदारी 15-20 फीसदी है। स्वास्थ्य बीमा का सालाना 40 से 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार है। इस पर करीब 1,800 करोड़ का नुकसान होने की संभावना है।

### मजबूती के नए शिखर पर बिटकॉइन, ऑल टाइम हाई का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी) : दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन ने आज एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। आज दिन के कारोबार में इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत करीब 2.7 प्रतिशत उछल कर 1,25,254.57 डॉलर के स्तर पर पहुंच गई। इसके पहले इसी साल अगस्त के महीने में बिटकॉइन की कीमत 1,24,480 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची थी। इसके बाद इस क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में गिरावट आ गई। आज के कारोबार में भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2 बजे के करीब इस क्रिप्टो करेंसी ने मजबूती का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। हालांकि शाम 5 बजे बिटकॉइन 1,25,233.26 डॉलर के स्तर पर पहुंचकर कारोबार कर रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में किया गया निवेश है। इसके साथ ही वॉल स्ट्रीट में आई तेजी से भी बिटकॉइन की कीमत को सहारा मिला है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिप्टो करेंसी को लेकर कई अनुकूल नियम लागू किए हैं, जिससे बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज को काफी सपोर्ट मिला है। इसके अलावा संस्थागत निवेशकों ने भी इस साल बिटकॉइन में निवेश काफी बढ़ा दिया है, जिसकी वजह से इस क्रिप्टो करेंसी की चाल लगातार तेज बनी हुई है।

### बीएसएनएल के 4जी टावर 6-8 महीने में 5जी में हो जाएंगे अपग्रेड : सिंधिया

नई दिल्ली (एजेंसी) : केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को एलान किया कि बीएसएनएल का स्वदेशी 4जी नेटवर्क अगले छह से आठ महीने में 5जी में अपग्रेड हो जाएगा। कौटिल्य इकोनॉमिक एन्क्लेव 2025 कार्यक्रम में बोलते हुए सिंधिया ने कहा कि भारत 4जी टेक्नोलॉजी क्लब में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 92,564 टावरों का उद्घाटन किया, जो कश्मीर से कन्याकुमारी और भरूच से अरुणाचल प्रदेश तक पूरे देश को जोड़ते हैं। सिंधिया ने कहा कि भारत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ के साथ वैश्विक दक्षिण का आधार स्तंभ बन गया है। उन्होंने निवेशकों से भारत में निवेश करने का भी आग्रह किया।

### निफ्टी-50 एफएंडओ कांट्रैक्ट का लॉट साइज घटा

मुंबई (एजेंसी) : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने निफ्टी-50 फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) कॉन्ट्रैक्ट्स का लॉट साइज 75 से घटाकर 65 कर दिया है। यह बदलाव विशेष रूप से 30 दिसंबर के बाद समाप्त होने वाले तिमाही और छमाही अनुबंधों पर लागू होंगे। साप्ताहिक और मासिक अनुबंध उस तिथि तक मौजूदा लॉट साइज के साथ जारी रहेंगे। निफ्टी-50 का लॉट साइज घटकर 65 हो जाने के साथ बैंक निफ्टी कॉन्ट्रैक्ट साइज 35 से 30 हो जाएगा। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 65 से 60 हो जाएगा। निफ्टी मिडकैप सेलेक्ट 140 से घटकर 120 हो जाएगा।

# ग्राहकों को प्रीमियम में नहीं मिलेगी विशेष राहत

एजेंसी

नई दिल्ली : बीमा कंपनियां पूरा जीएसटी लाभ ग्राहकों को दे रही है, लेकिन आईटीसी के नुकसान को पूरा करने के लिए वितरकों को मिलने वाला कमीशन कम कर रही हैं। जीवन बीमा कंपनियां भी इसी तरह दबाव में हैं। उद्योग ने 2023-24 में करीब 24,000 करोड़ जीएसटी भरा था। इसमें से 14,000 करोड़ का आईटीसी मिला था। अब आईटीसी नहीं मिलने के कारण कंपनियों को लगभग 15,000 करोड़ का नुकसान होगा। इसका हिस्सा कंपनी के मुनाफे और अन्य खातों में दिखेगा। ग्राहकों को प्रीमियम में कोई खास राहत नहीं मिलेगी, क्योंकि कंपनियां अपने नुकसान को पूरा करने के लिए कीमतें प्रीमियम बढ़ा सकती हैं।

# सितंबर में भारत का रूसी तेल आयात घटा

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत ने सितंबर में रूस से कच्चे तेल का आयात कम किया है, लेकिन इसके बावजूद भी देश की कुल जरूरत का एक-तिहाई से ज्यादा हिस्सा रूसी तेल से ही पूरा हो रहा है। अमेरिका लगातार भारत पर दबाव बना रहा है कि वह रूस से तेल खरीद कम करे, क्योंकि यह यूक्रेन युद्ध को मदद करता है। सितंबर में भारत का कुल कच्चे तेल का आयात करीब 47 लाख बैरल प्रतिदिन रहा। इसमें से 16 लाख बैरल तेल प्रतिदिन रूस से आया, जो कुल आयात का 34 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि, यह जनवरी से अगस्त की औसत खरीद से करीब 1.6 लाख बैरल कम रहा। ग्लोबल ट्रेड एनालिटिक्स कंपनी केप्लर के मुताबिक, रूसी तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए सबसे सस्ता और फायदे का सौदा है। इसलिए कीमत थोड़ी कम-ज्यादा होने के बावजूद आयात जारी है। रूस के बाद सितंबर में इराक (8.8 लाख बैरल प्रतिदिन), सऊदी अरब (6 लाख बैरल प्रतिदिन), यूएई (5.9 लाख बैरल प्रतिदिन) और अमेरिका (2 लाख बैरल प्रतिदिन) भारत के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### ग्रामीण क्षेत्रों को मिली बसें, दिल्ली-नोएडा रूट पर चल रहीं, चालक-परिचालक पर पड़ी लताड़

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मिली रोडवेज की 50 में से 20 नई बसें दिल्ली-नोएडा-कानपुर रूटों पर फर्राटा भर रही हैं। इन रूटों पर बसें बढ़ने से दाखिलों के लोड फैक्टर में कमी आ रही है। इस कारण चालक-परिचालक को अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ रही है। परिक्षेत्र के पांच डिपो अलीगढ़, बुद्ध विहार, नरौरा, हाथरस और अतरौली डिपो में कुल 50 नई बसें आवंटित की गई थीं। तहत प्रत्येक डिपो को 10-10 बसें मिली थीं। इनका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण रूटों पर परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। लेकिन अलीगढ़ और बुद्ध विहार डिपो की 20 बसें ग्रामीण रूटों की बजाय दिल्ली, नोएडा और कानपुर जैसे प्रमुख रूटों पर चल रही हैं। सिर्फ हाथरस, अतरौली और नरौरा डिपो में आवंटित बसें ही निर्धारित ग्रामीण रूटों पर ही चल रही हैं। अलीगढ़ परिक्षेत्र में कुल 430 बसें हैं। यह बसें दिल्ली, नोएडा के अलावा बल्लभगढ़, आगरा, मथुरा, कानपुर, फर्रुखाबाद, एटा, हाथरस, बुलंदशहर, मेरठ, फरीदाबाद, मुरादाबाद आदि रूटों पर चलती हैं।

### नुमाइश मैदान में 13 अक्तूबर से सजेगा आतिशबाजी बाजार, आवेदन आए 248, 51 अस्थायी लाइसेंस जारी

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में लगने वाले आतिशबाजी बाजार की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार यह बाजार 13 से 22 अक्तूबर तक पूरे 10 दिन चलेगा, जिससे शहर के लोगों को पटाखों की खरीदारी करने का पर्याप्त समय मिलेगा। 4 अक्तूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की ओर से इस बाजार के लिए 51 अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिए गए हैं। इनकी संख्या 250 तक पहुंचने की उम्मीद है। सुरक्षा और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। पहले चरण के लाइसेंसों का वितरण 6 अक्तूबर से किया जाएगा। बाजार के लिए अब तक 248 लाइसेंस के आवेदन आ चुके हैं। पिछले वर्ष इस बाजार के लिए कुल 259 लाइसेंस जारी हुए थे। इस बार भी करीब 250 से अधिक लाइसेंस जारी होने की उम्मीद है। सिटी मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता ने बताया कि लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। सभी आवेदकों को निर्धारित सुरक्षा शर्तों के अनुसार ही लाइसेंस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आतिशबाजी बाजार के मानकों के अनुसार ही विक्रेताओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

### कोलकाता की दमदम जेल से दो साइबर अपराधी अलीगढ़ कोर्ट में पेश, साइब ठगी में किए थे तलब

अलीगढ़ , एजेंसी। शेयर ट्रेडिंग के नाम पर आठ लाख की ठगी के मुकदमे में कोलकाता की दमदम जेल में निरुद्ध दो अपराधी 4 अक्तूबर को वारंट पर यहां पेश किए गए। दोनों को अदालत में पेश किया गया। इन पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमे का रिमांड वारंट तामील कराया, इसके बाद एक अपराधी को अलीगढ़ जेल दाखिल कर दिया गया, जबकि एक को पश्चिम बंगाल पुलिस ले गई। साइबर थाने में जमालपुर के मो. शाहजेब की ओर से 31 जनवरी को मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसमें शेयर ट्रेडिंग के झांसे में फंसाकर आठ लाख रुपये की ठगी का आरोप था। साइबर थाना टीम की जांच में पता चला कि पश्चिम बंगाल के मध्य ग्राम के खाउथ बंकिम पाती हाल कालीपाड़ा बरासत निवासी देवव्रत घोष व मध्य ग्राम कोलकाता के रतन कुंडू ने खाते खुलवाकर उनमें ठगी की रकम मंगाई थी। दोनों साइबर ठगी के मुकदमे में दमदम जेल में थे। दोनों को अदालत में पेश कर अलीगढ़ का मुकदमा तामील कराया गया। इसके बाद रतन को अलीगढ़ जेल दाखिल कर दिया गया, जबकि देवव्रत को पुलिस साथ ले गई। एसएचओ साइबर थाना सुरेंद्र कुमार के अनुसार अब इन दोनों के बयानों के आधार पर विवेचना आगे बढ़ाई जाएगी।

### दामाद को शर्म भी न आई...बीच सड़क पर सास के साथ की ऐसी हरकत, अब तक सदमे में है वो

आगरा , एजेंसी। आगरा के बाह में परिवार न्यायालय में केस किए जाने पर भड़के युवक ने घर में घुस कर सास को बेरहमी से पीटा। चीख पुकार पर पहुंचे बस्ती के लोगों को देखकर वह अपनी बाइक छोड़कर भाग गया। भागते समय सास और पत्नी को जान से मारने की धमकी भी दी है। वैराग्य, टूला बटेश्वर की मीना ने पुलिस को बताया कि 8 साल पहले बेटी शिवानी की शादी नगला खंगर, फिरोजाबाद के मढ़वा गांव के संजीव उर्फ मुंठे के साथ हुई थी। दोनों का 6 साल का बेटा लकी है। उत्पीड़न से तंग शिवानी 4 महीने से मायके में रह रही है। परिवार न्यायालय में जान माल की रक्षा की गुहार लगाई है। 24 अक्तूबर को न्यायालय में तारीख लगी है। शुक्रवार की शाम करीब 4:30 बजे दामाद संजीव उर्फ मुंडे घर पर आया और गाली गलौज करने लगा। विरोध पर उन्हें जमीन पर पटक कर बेरहमी से पीटा। बेटी शिवानी के साथ घर से बाहर निकल कर शोर मचाया तो बस्ती के लोग पहुंचे।

### दशहरे का मेला देखने निकले स्वीट हाउस संचालक का शव सड़क के किनारे मिला, खून से लथपथ था शव

प्रयागराज , एजेंसी। नैनी क्षेत्र की पुरानी प्रसिद्ध मिठाई की दुकान कुशवाहा स्वीट्स के संचालक राजकुमार कुशवाहा का शव रविवार की भोर में पुरानी जीटी रोड स्थित शुआटस के समीप सड़क के किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। वह शनिवार रात 11 बजे दुकान बंद करवाने के बाद डांडी बाजार दशहरे का मेला देखने के लिए घर से निकला था। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसकी मोटर साइकिल से मिले कागजात से उसकी पहचान की और परिजनों को जानकारी दी। मृतक के गले से चार तोले सोने की जंजीर और उसका मोबाइल मौके से गायब था। घटना से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

नैनी थाना क्षेत्र के औरल मोड़ निवासी स्व. राम दुलारे कुशवाहा के तीन बेटों में दूसरे नंबर का बेटा राजकुमार कुशवाहा (40) के तीन बच्चे हैं। पिता की मौत के बाद वह दुकान संभालने लगा था। शनिवार की रात अपनी मोटर साइकिल से वह डांडी का दशहरा देखने के लिए घर से निकला था।

रविवार भोर में उसका शव शुआटस के समीप सड़क के किनारे पड़ा मिला। कुछ दूर पर उसकी मोटर साइकिल गिरी हुई थी और वह खून से लथपथ था। शरीर पर चोट के निशान थे। रविवार की सुबह में परिजनों को जब घटना की जानकारी मिली तो कोहराम मच गया। लोग रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को वहां से चीर घर भेज दिया था। परिजनों का कहना है कि जब वह घर से निकला था तब उसके गले में सोने के चार तोले की जंजीर थी और मोबाइल था, जो मौके से नहीं मिला है।

# काशी में आफत की बारिश: बीएचयू में ऑक्सीजन सिलिंडर लदा वाहन फंसा, इमरजेंसी में घुसा पानी, 136 साल का टूटा रिकॉर्ड

वाराणसी , एजेंसी। 136 साल के इतिहास में पहली बार अक्तूबर के 24 घंटे में काशी में 180 मिलीमीटर की बारिश हुई है। बीएचयू के मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 1889 से अधिकतम और न्यूनतम तापमान के साथ बारिश का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है लेकिन ऐसी बारिश पहली बार हुई है।

जितनी बारिश 24 घंटे में हुई है, उतनी पूरे अक्तूबर में कभी नहीं हुई है। वहीं, बीएचयू अस्पताल में ऑक्सीजन सिलिंडर लदा वाहन जलभराव में फंस गया। इमरजेंसी में भी पानी भर गया। 9 अक्तूबर 1900 में 24 घंटे के दौरान 138.9 मिलीमीटर बारिश हुई थी। बारिश का यह रिकॉर्ड भी अब टूट गया है। दूसरी तरफ शनिवार को देर रात तक 57 मिमी बारिश हुई है।

मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वाराणसी में कभी अक्तूबर में इतनी बारिश नहीं हुई थी। अब तक का रिकॉर्ड 2013 का रहा है, जब महीने के 31 दिनों में कुल 153.5 बारिश रिकॉर्ड की गई थी। शुक्रवार यानी तीन अक्तूबर को वाराणसी में अक्तूबर के पिछले रिकॉर्ड से 34 मिमी ज्यादा बारिश हुई।

इस अक्तूबर के शुरुआती चार दिनों की औसत बारिश से ये आंकड़ा 2000 गुना ज्यादा है। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र

के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बनारस बारिश के सिस्टम के दक्षिणी पश्चिमी हिस्से में आ गया था। फिलहाल अब रविवार से बनारस में न तो बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

शुक्रवार की बारिश का इतना प्रभाव रहा कि शनिवार को भी बनारस का अधिकतम तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री लुढ़क गया। बीएचयू के मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, जो तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए था, वह 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को 15 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। हवा में नमी 87 से 100 फीसदी तक रही। शनिवार को भी बनारस में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया था लेकिन 57 मिलीमीटर बारिश हुई।

**पार्किंग में चली बाल रोग विभाग की ओपीडी :** शुक्रवार सुबह 10 बजे से शुरू होकर 20 घंटे तक की बारिश में बीएचयू अस्पताल परिसर में जलभराव हो गया। अस्पताल के मेन गेट से ओपीडी, इमरजेंसी तक कमर तक पानी भरा रहा। इससे मरीज और तीमारदार मुश्किल से डॉक्टर तक पहुंच सके।

दो पहिया वाहन पानी में डूबे रहे। बाल रोग विभाग के सामने 100 से ज्यादा ऑक्सीजन सिलिंडर लदी गाड़ी फंस गई। मरीजों को लेकर जा रही एंबुलेंस, निजी चार पहिया वाहन बंद हो गए। उधर ट्रॉमा सेंटर के गेट से लेकर अंदर भी पानी भरा रहा। कई मरीजों को लेकर तीमारदार आईएमएस के सामने अस्पताल के गेट पर अंदर बहुत देर तक खड़े रहे।

बाद में बाहर निकलकर एमएस ऑफिस होते हुए मोर्चरी के रास्ते इमरजेंसी जाने वाले रास्ते पर पहुंचे तो यहां भी पानी भरा रहा। बहुत मुश्किल से मरीज, तीमारदार इमरजेंसी तक पहुंच सके। जिस सीसीआई लैब जांच काउंटर पर आम दिनों में मरीजों की लंबी लाइन दिखती है, वहां सन्नाटा पसरा रहा।

बाल रोग विभाग में शनिवार को प्रो. सुनील कुमार राव की ओपीडी थी। लिहाजा वह समय से किसी तरह पानी में घुसकर विभाग पहुंचे। कुछ मरीज बाहर ही खड़े थे। लिहाजा डॉ. अनिल कुमार सरोज के सहयोग से पार्किंग में ही कुर्सी पर बैठ गए। आईएमएस निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने बताया कि बीएचयू अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर परिसर में जलभराव को लेकर कई बार इंजीनियरों से बातचीत हुई है। चेतावनी दी गई है, जिससे कि फिर इस तरह की घटना न हो। बारिश ने यातायात व्यवस्था को भी डुबो दिया। सड़क पर जलभराव ने वाहनों की रफ्तार रोक दी। शनिवार सुबह बरेका अंडरपास में जलभराव के चलते दोनों तरफ रस्सी से बैरिकेड कर रास्ता बंद किया गया। प्रवेश और निकास द्वार पर रस्सी और पेड़ की टहनियां रखकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया, ताकि कोई वाहन या व्यक्ति गलती से प्रवेश न कर जाए।

सुंदरपुर रोड पर कैंसर अस्पताल के सामने सड़क पर गिरे पेड़ के चलते दिन भर नरिया की ओर जाने वाले वाहनों की कतार रही। लंका मालवीय चौराहे पर जलभराव के चलते बीएचयू गेट से आवाजाही करने वाले वाहन फंस गए। सामनेघाट, भगवानपुर और लौटूबीर में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुंदरपुर-नरिया मार्ग पर कैंसर अस्पताल के सामने हनुमान मंदिर के बगल में पाकड़ का पेड़ गिर गया। शनिवार को रास्ते पर दोपहर बाद तक जाम लग रहा।

जिले में शुक्रवार सुबह से लेकर देर रात तक लगातार बारिश की वजह से शनिवार को सुबह अवकाश नहीं होने के बाद भी विद्यालय नहीं खुले।

## एमएलसी चुनाव 2026: मतदाता बनने के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

आगरा, एजेंसी। शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव में मतदाता बनने के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। 6 नवंबर तक ऑनलाइन और तहसील, ब्लॉक व नगर पंचायत कार्यालय पर फॉर्म जमा होंगे। 30 दिसंबर तक अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी। फरवरी 2026 में आगरा खंड शिक्षक-स्नातक विधान परिषद सदस्य का चुनाव हो सकता है।

आगरा शिक्षक और स्नातक खंड में 12 जिले शामिल हैं। आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, एटा, हाथरस, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, औरैया, अलीगढ़, मैनपुरी और कासगंज के शिक्षक व स्नातक खंड की दो सीट पर चुनाव होगा। आयोग ने मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह को दोनों निर्वाचन क्षेत्र का रिटर्निंग ऑफिसर बनाया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम सिटी यमुनाधार चौहान ने बताया कि 1 नवंबर 2025 को अर्हता पूरी करने वाले शिक्षक और स्नातक 6 नवंबर तक मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्नातक मतदाता बनने के लिए निर्वाचन क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य है। एक नवंबर 2025 से तीन वर्ष पूर्व स्नातक या समतुल्य अर्हता रखता हो, वह स्नातक मतदाता बन सकता है। इसी तरह 1 नवंबर 2025 से छह वर्ष के अंदर कम से कम 3 साल के लिए राज्य में शैक्षणिक संस्थान में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षक मतदाता बन सकते हैं। इसके लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा सभी तहसील, ब्लॉक, नगर पालिका एवं निर्धारित मतदेय स्थलों पर आवेदन फॉर्म जमा किए जा सकते हैं।

## अनियमितता और भ्रष्टाचार पर ब्रजेश पाठक सख्त; कन्नौज, रामपुर व चित्रकूट के सीएमओ के खिलाफ जांच के आदेश

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी भ्रष्टाचार व अन्य मामलों में फंस गए हैं। इसमें कन्नौज, रामपुर और चित्रकूट के सीएमओ शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष को इन सभी मामलों की जांच कराके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

कन्नौज के सीएमओ डॉ. स्वदेश गुप्ता के खिलाफ उप मुख्यमंत्री को कई तरह की शिकायतें मिली हैं। उन पर आरोप है कि जिले में उपकरणों एवं दवाओं की खरीद की निविदा चहेती फर्मों को दिया गया। ऐसे ही रामपुर की सीएमओ डॉ. दीपा सिंह पर आरोप है कि उन्होंने बागपत में एसीएमओ के पद पर रहते हुए पीसीपीएनडीटी एक्ट का दुरुपयोग किया। इससे अल्ट्रासाउंड सेंटरों में भ्रूण के लिंग जांच को बढ़ावा मिला।

इसी तरह अक्सर मुख्यालय से अनुपस्थित रहने की शिकायत पर डिप्टी सीएम ने चित्रकूट के सीएमओ डॉ. भूपेश द्विवेदी से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन पर उच्चादेशों की अनदेखी और दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के भी आरोप हैं। अमेठी जिले के जगदीशपुर सीएचसी के स्थानांतरित चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप तिवारी के मुस्तफिरखाना सीएचसी पर कार्यभार ग्रहण न करने पर इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

### प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में रोकी तीन वेतन वृद्धि

श्रावस्ती जिला संयुक्त चिकित्सालय में तैनात डॉ. डीके गुप्ता पर महोबा जिला चिकित्सालय में तैनाती से लगातार निजी प्रैक्टिस भत्ते (एनपीए) लेते हुए प्राइवेट प्रैक्टिस करने के आरोप लगे थे। शिकायतों की जांच में आरोप सही पाए गए। डिप्टी सीएम ने डॉ. गुप्ता की तीन वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निजी प्रैक्टिस भत्ते की वसूली ब्याज सहित करने के निर्देश दिए हैं।

## काली कमाई खपाने को जीएसटी अफसरों का पैंतरा

### रॉयल्टी बढ़ाकर खरीदे पहाड़, बिल्डर को ढाल बनाकर अकूत धन लगाया ठिकाने

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में राज्यकर विभाग के अधिकारियों द्वारा जमीनों में अरबों रुपये निवेश के मामले की फाइल अभी ठीक से खुल भी नहीं सकी है कि एक और मामले ने खलबली मचा दी है। विभाग के कुछ अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने अरबों की अघोषित आय को छिपाने के लिए मिर्जापुर और सोनभद्र में डोलो स्टोन, सैंड स्टोन और लाइम स्टोन से भरपूर पहाड़ ही खरीद डाले। दूसरी तरफ अंबेडकरनगर के बिल्डर के जरिये जमीनों की खरीद-फरोख्त की जांच ने भी तेजी पकड़ ली है। इसके दायरे में कई बड़े अधिकारी भी आ गए हैं।

जीएसटी प्रणाली वर्ष 2017 की दूसरी छमाही में आई। इससे पहले नोटबंदी ने कमर तोड़ दी थी। इसके दो साल बाद कोरोना आ गया, जो आपदा में अवसर बना। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इस दौरान हुई

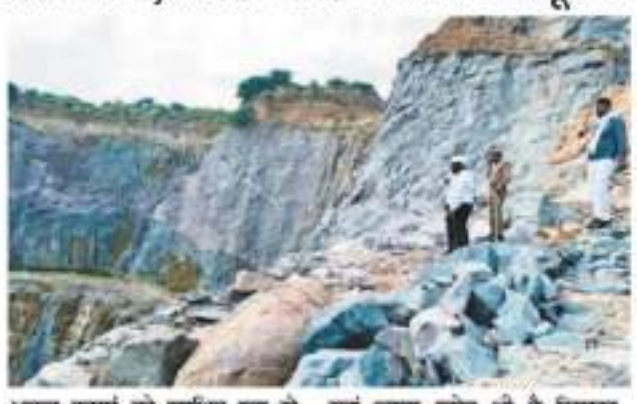

अकूत कमाई को सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए एक तरफ अलख के बिल्डर को ढाल बनाया गया तो दूसरी तरफ विभाग के एक प्रभावशाली गुट ने पूर्वांचल के पहाड़ों में पैसा खपाया।

**सिंडिकेट के आने के बाद रेट आसमान पर चले गए:** सूत्रों के मुताबिक, इस गुट ने सोनभद्र और मिर्जापुर में पहाड़ खरीदे हैं। सोनभद्र में डोलो स्टोन के पहाड़ हैं। यहां लाइम स्टोन भी है जिसका सीमेंट में इस्तेमाल होता है। कुछ जगह कोयला भी है। पहले यहां डोलो स्टोन का रेट 160 रुपये घनमीटर था। टेंडर से 3000 रुपये घनमीटर तक चला गया। सिंडिकेट के आने के बाद रेट आसमान पर चले गए।

इसी तरह मिर्जापुर में सैंड स्टोन पाया जाता है। इससे सड़कों में पड़ने वाली गिट्टी तैयार की जाती है। पहले इसका रेट 110 रुपये घन मीटर रेट था। ई टेंडर प्रणाली के बाद रॉयल्टी 400 से 1000 रुपये घनमीटर तक पहुंच गई। एक साल में एक लाख घनमीटर से पांच लाख घनमीटर तक खनन पर रॉयल्टी देनी पड़ती है। यानी एक पहाड़ की रॉयल्टी ही औसतन 20 से 30 करोड़ रुपये सालाना है।

**इसकी आड़ में अघोषित आय को खपाया गया :** सूत्रों के अनुसार, सिंडिकेट टेंडर में रेट दस-बीस गुना बढ़ाकर पहाड़ खरीद रहे हैं। अधिकांश खनभर से पहले ही सरेंडर कर देते हैं। इसकी आड़ में कालेधन को सफेद कर लिया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, पहाड़ों की इस खरीद-फरोख्त में विभाग का एक गुट सक्रिय है। इसकी आड़ में बड़ी संख्या में अघोषित आय को खपाया गया है। इस खेल में कमाई से ज्यादा फोकस अपनी अघोषित आय को खपाना है।

## अकराबाद सीएचसी: बहू पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगी थी, सास को आया हार्ट अटैक, हुई मौत, होगी जांच

अलीगढ़ , एजेंसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकराबाद में 4 अक्तूबर को बीमार सास को लेकर उपचार कराने पहुंची बहू पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगी थी, करीब आधा घंटा उन्हें लाइन में लगे हुए हो गया। इस दौरान सास रामा देवी (75) की तबीयत और बिगड़ गई। उन्होंने अस्पताल की सीढ़ियों पर बैठे-बैठे ही दम तोड़ दिया। यह घटना कस्बे में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हुई।

मरने वाली महिला रामा देवी गांव करहला की रहने वाली थी। उनकी पुत्रवधू गीता देवी ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनकी सास की तबीयत खराब थी। उन्हें चक्कर आ रहे थे, बीपी भी लो हो रहा था। 4 अक्तूबर दोपहर को वह उन्हें दवा दिलाने के लिए लाई थी। यहां स्टाफ ने कहा कि पहले पर्चा बनवाकर लाओ। उस समय पर्चा बनवाने वालों की लाइन लगी थी और वह भी उसमें लग गईं। करीब आधा घंटा उन्हें लाइन में लगे हुए हो गया।

सास को उसने अस्पताल की सीढ़ियों के पास बैठा दिया था। अचानक उनकी सास बैठे-बैठे गिर गईं। हल्ला मचा तो बाद चिकित्सक और स्टाफ दौड़ा और उनका चेकअप किया लेकिन तब तक उनकी सांसें थम गई थीं। परिजनों का आरोप है कि पहले गंभीर हाल मरीज को उपचार दिया जाना चाहिए था या पर्चा बनवाना जरूरी था जितना समय पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगे हो गया, यदि उतने में उपचार शुरू कर दिया गया होता बुजुर्ग रामादेवी की जान बच सकती थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर विकास रघुवंशी ने बताया कि महिला को हार्ट अटैक आया, महिला सीढ़ियों पर गिर गई थी, उन्होंने तुरंत रेफर स्लिप भी बनाई थी, लेकिन परिजन उन्हें लेकर चले गए। उधर, घटना की सूचना पर परिवार के अन्य लोग भी सीएचसी पर पहुंच गए और रामा देवी शव को घर ले गए हैं।

# बरेली में 400 दुकानों के बाहर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

बरेली , एजेंसी। बरेली के सैलानी में मुख्य सड़क के दोनों किनारे बनीं करीब 400 दुकानों के बाहर अवैध कब्जों पर शनिवार को नगर निगम का बुलडोजर चला। नाले-नालियों के ऊपर का अवैध निर्माण गिराया गया। दो घंटे तक चली कार्रवाई में नालों पर डाले गए स्लैब व टिन शेड हटाए गए। इस कार्रवाई को शहर में हुए बवाल से जोड़कर देखा जा रहा है। बवाल में नामजद सर्वाधिक आरोपी और उनके मददगार इसी इलाके के रहने वाले हैं। हालांकि, नगर आयुक्त ने इसे निगम की रूटीन कार्रवाई बताया है।

भारी पुलिस बल और प्रशासन के अधिकारियों के साथ नगर निगम की टीम ने शनिवार दोपहर 1:45 बजे श्यामगंज के निकट सैलानी रोड पर अतिक्रमण हटाना शुरू किया। शाम चार बजे तक नगर निगम के बुलडोजर ने दो किलोमीटर हिस्से में कार्रवाई की। दुकानों के बाहर नाले-नालियों पर बने स्लैब और चबूतरे तोड़े। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशिभूषण राय, एडीएम

प्रतिभा सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

**ज्यादातर आरोपी इसी इलाके के :** बवाल के मुकदमों में जिस इलाके के ज्यादा आरोपी नामजद हैं, नगर निगम भी वहीं पर फोकस कर रहा है। सैलानी के बाद अब ऐसे अन्य मोहल्लों में अतिक्रमण पर कार्रवाई का खाका खींचा गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम के साथ नगर निगम ने बुलडोजर चलाने की तैयारी की है।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि दुकानों के बाहर सड़क पर अस्थायी निर्माण से ट्रैफिक बाधित हो रहा था। इसलिए कब्जे हटवाए गए हैं। यह नगर निगम का नियमित अभियान है। इसका शहर में हुए बवाल से कोई लेना-देना नहीं है। इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### बिहारीपुर, किला, स्वालेनगर और जगतपुर में भी गरजेगा बुलडोजर

नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान अब लगातार जारी रहेगा। सैलानी के बाद अब बिहारीपुर, किला, स्वालेनगर, जगतपुर, आजमनगर, जखीरा और चक महमूद में बुलडोजर चलाने की तैयारी है। सोमवार से फिर अभियान चलेगा। मौलाना तौकीर रजा की गिरफ्तारी के बाद अब उनके करीबियों और बवाल के आरोपियों पर पुलिस और प्रशासन शिकंजा कस रहा है।

# रफ्तार पकड़ रहा भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, 2030 तक 8 लाख करोड़ का होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग डिजाइन, इंजीनियरिंग और उत्पादन के क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है। अगले पांच वर्षों में इसके 20 से 25 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर से बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 7 से 8 लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। केयरएज रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 तक ईएसडीएम बाजार को स्मार्टफोन की बढ़ती मांग उद्योग के विकास को गति देगी।

**ईएसडीएम में लागत सुधार से उद्योग को गति मिल रही:** केयरएज रिसर्च की वरिष्ठ निदेशक तन्वी शाह कहती हैं कि वैश्विक निर्माताओं का भारत में अपना आधार स्थापित करना, सरकार का नीतिगत समर्थन, क्षेत्रिय विनिर्माण केंद्र और ईएसडीएम की लागत में सुधार की वजह से इस उद्योग को गति मिल रही है। वे कहती हैं



कि ईएसडीएम उद्योग को गति प्रदान करने मुख्य कारण ये होंगे, पहला घरेलू बाजार में स्मार्टफोन की बढ़ती मांग, दूसरा सरकार का नीतिगत समर्थन और तीसरा देश की अगली युवा पीढ़ी, जो भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रही है।

## स्मार्टफोन की बढ़ती मांग बदलेगी ईएसडीएम उद्योग की तस्वीर

रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन सेगमेंट लगभग दो लाख करोड़ रुपये का था और अगले 5 साल में इसके 23 से 25 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ने का अनुमान है। स्मार्टफोन की बदौलत भारत का ईएसडीएम बाजार 2030 तक दोगुना होकर 7 से 8 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह वृद्धि घरेलू बाजार में बढ़ती मांग, सरकारी नीतिगत समर्थन और बढ़ते निर्यात के साथ वैश्विक और स्थानीय निर्माताओं की मजबूत भागीदारी की वजह से होगी। रिपोर्ट का मानना है कि किफायती स्मार्टफोन और कम लागत वाली डेटा योजनाओं ने इंटरनेट की पहुंच को सभी के लिए आसान बना दिया है। महानगरों के साथ ही टियर 2 और 3 शहरों में स्मार्टफोन और उससे जुड़े उपकरणों की अच्छी मांग है। रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन और ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच, डिजिटल इंडिया और भारत नेट जैसी सरकारी पहल के साथ बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण और एसेंबली सेवाओं की जरूरतें इस उद्योग को और मजबूत कर रही है। भविष्य में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर और डिशवॉशर जैसे उपकरणों पर हाल में हुई जीएसटी कटौती से बल मिलेगा। इन उपकरणों पर अब 18 प्रतिशत (पहले 28 प्रतिशत से कम) कर लगता है। इसकी तुलना में छोटे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स पर 12 प्रतिशत कर लगता है। इन कटौतियों से सामर्थ्य में सुधार, बिक्री में वृद्धि और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

## अगली पीढ़ी भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स के नेतृत्व की ओर बढ़ाएगी

आंकड़े बताते हैं कि अर्थव्यवस्था वाइड डिजिटलीकरण में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है और व्यक्तिगत उपयोगकर्ता डिजिटल अपनाने के मामले में G-20 देशों में 12वें स्थान पर है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था संपूर्ण अर्थव्यवस्था की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ रही है, जो 2029-30 तक राष्ट्रीय आय में लगभग पांचवां हिस्सा योगदान देगी। युवाओं द्वारा डिजिटल तकनीकों को अपनाने में वृद्धि की वजह से लगातार एडवांस डिवाइज और इलेक्ट्रॉनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ रही है। यह भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। एआई व इलेक्ट्रॉनिक उद्योग के जानकार एवं विशेषज्ञ राजीव कौस्तुभ कहते हैं।

## फास्टैग लगवाओ या 1.25 गुना चुकाओ... टोल का गणित बदला

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर कैश लेनदेन कम करने के नए नियम बनाए हैं। इनसे डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा। नए नियम 15 नवंबर, 2025 से लागू होंगे। इन बदलावों के तहत, जिन वाहनों में वैलिड फास्टैग नहीं होगा, उन्हें टोल चार्ज अलग तरीके से देना होगा। अगर कोई यूजर कैश पेमेंट करता है तो उसे सामान्य टोल शुल्क का दोगुना देना होगा। लेकिन, वही यूजर अगर यूपीआई या किसी अन्य स्वीकृत डिजिटल माध्यम से पेमेंट करता है तो उसे सामान्य शुल्क का केवल 1.25 गुना देना होगा। इसका मुख्य मकसद डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना, पारदर्शिता बढ़ाना और टोल प्लाजा पर दक्षता में सुधार करना है। सरकार को उम्मीद है कि इससे भीड़ कम होगी और यात्रियों का समय बचेगा।

## देश में अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रहा है। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए समस्या नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। कांग्रेस महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत अब अरबपतियों का नया केंद्र बनता जा रहा है और देश में अमीर लोगों की संख्या साल दर साल तेजी से बढ़ रही है। रमेश ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा, एक के बाद एक रिपोर्ट भारत में धन के एक खास वर्ग के बारे में सीमित होने की चेतावनी दी जा रही है। जहां लाखों भारतीय अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे है, वहीं सिर्फ 1,687 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश का पैसा कुछ खास लोगों के बीच केंद्रित हो गया है। इसके कारण हमारे देश में भारी आर्थिक असमानता पैदा हुई है। यह असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है।

# बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी की कीमत 11100000 पार... बनाया नया रेकॉर्ड

● पोकेमोन कार्ड की भी कीमत बढ़ी ● कई सार्वजनिक कंपनियां बिटकॉइन जमा कर रही हैं



नई दिल्ली, एजेंसी।
बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी ने एक नया रेकॉर्ड बनाया। इसकी कीमत 1,25,000 डॉलर (करीब 1.11 करोड़ रुपये) के पार चली गई। लोग इसे सुरक्षित निवेश मान रहे हैं, इसलिए इसकी मांग बहुत बढ़ गई है। पिछले 7 दिनों में बिटकॉइन ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन रविवार को 1,25,689 डॉलर तक पहुंच गई। निवेशकों को अमेरिका में सरकारी कामकाज बंद होने की चिंता थी। इसी वजह से बिटकॉइन की कीमत बढ़ी। इसने 14 अगस्त को बने अपने पिछले रेकॉर्ड 1,24,514 डॉलर को तोड़ दिया। अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी और बिटकॉइन से जुड़े ईटीएफ में नए निवेश आने से भी इसे मदद मिली। निवेशकों का मानना है कि बुधवार से शुरू हुआ सरकारी कामकाज का बंद होना, पैसे को सुरक्षित संपत्तियों की ओर धकेल सकता है। बाजार के लोग इस चलन को डीबेसमेंट ट्रेड कह रहे हैं। फाल्कनएक्स नाम की क्रिप्टो ब्रोकरेज फर्म के बाजार सह-प्रमुख जोशुआ लिम ने ब्लूमबर्ग को बताया कि कई संपत्तियां, जिनमें शेयर, सोना और यहां तक कि पोकेमोन कार्ड जैसे संग्रहणीय सामान भी शामिल हैं, रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बिटकॉइन डॉलर के अवमूल्यन की कहानी से लाभ उठा रहा है। अक्टूबर का महीना बिटकॉइन के लिए आमतौर पर अच्छा रहता है। इसे अक्सर अपटूबर कहा जाता है। पिछले दस सालों में से नौ बार इस महीने में बिटकॉइन की कीमत बढ़ी है। इस साल की तेजी ने बिटकॉइन के मूल्य को 30 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ा दिया है। बिटकॉइन की इस बढ़ोतरी में कंपनियों का इसे अपनाना भी एक बड़ा कारण है। माइकल सायलर की कंपनी स्ट्रैटेजी जैसी कई सार्वजनिक कंपनियां बिटकॉइन जमा कर रही हैं।

### 7 दिन में कितनी रिटर्न?

बिटकॉइन ने पिछले 24 घंटे और 7 दिनों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। यह रिटर्न ऐसे समय आया है जब एक बिटकॉइन की कीमत हाल ही में 1.11 लाख डॉलर के करीब आ गई थी। करीब 15 फीसदी रिटर्न दिया है। ब्लूमबर्ग के हवाले से स्टैंडर्ड चार्टर्ड पीएलसी में डिजिटल एसेट्स रिसर्च के वैश्विक प्रमुख ज्योफ केंड्रिक ने कहा कि अमेरिका में इस बार सरकारी कामकाज का बंद होना मायने रखता है।

### अमेजन से आगे निकला बिटकॉइन

बिटकॉइन ने मार्केट वैल्यू के हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन को भी पीछे छोड़ दिया है। बिटकॉइन का मार्केट कैप 2.4 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया। इसने अमेजन के मार्केट कैप (2.37 ट्रिलियन डॉलर) को पीछे छोड़ दिया। इस तरह यह दुनिया की सातवीं सबसे मूल्यवान संपत्ति बन गई। वहीं इसकी मार्केट वैल्यू ऐप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, सऊदी अरामको और सोने जैसी बड़ी संपत्तियों के करीब आ गई है। उन्होंने यह भी बताया कि 2018-2019 में जब पिछली बार सरकारी कामकाज बंद हुआ था, तब यह क्रिप्टोकरेंसी एक अलग जगह पर थी। उस समय यह पारंपरिक जोखिम वाली संपत्तियों के साथ नहीं चल रही थी। उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान बिटकॉइन के बढ़ने की संभावना है।

## अगले हफ्ते ये 5 आईपीओ करा सकते हैं 32 प्रतिशत तक मुनाफा




नई दिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते कई नए आईपीओ शेयर मार्केट में एंट्री कर रहे हैं। इनमें टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ भी शामिल है। टाटा कैपिटल आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ निवेशकों की जबरदस्त कमाई करा सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इनमें 5 आईपीओ ऐसे हैं जो निवेशकों को 32 फीसदी तक मुनाफा दे सकते हैं। दरअसल, अगले हफ्ते आ रहे आईपीओ में से कई को ग्रे मार्केट में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इनकी लिस्टिंग भी जबरदस्त हो सकती है। इनमें मेन बोर्ड आईपीओ के शामिल हैं। ऐसे में ये 5 आईपीओ जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) में तेजी के कारण निवेशकों का ध्यान खींच रहे हैं। मेन बोर्ड का यह आईपीओ इस साल का टाटा कैपिटल के बाद दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। यह 7 अक्टूबर को खुलेगा और 9 को बंद हो जाएगा। इसका जीएमपी 20 प्रतिशत है। निवेशकों की इसमें ठीक-ठाक दिलचस्पी दिख रही है। इसकी लिस्टिंग 24 अक्टूबर को हो सकती है। यह आईपीओ भी मेन बोर्ड से है। यह 9 अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। इसका इश्यू साइज 1,377.50 करोड़ रुपये है। ग्रे मार्केट में इस आईपीओ को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अभी इसका जीएमपी 12.37 प्रतिशत है। इस आईपीओ की लिस्टिंग 16 अक्टूबर को हो सकती है। अगले हफ्ते मेन बोर्ड से यह सबसे बड़ा और खास आईपीओ होगा। यह 15,512 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ 6 अक्टूबर को खुलेगा और 8 अक्टूबर को बंद हो जाएगा। हालांकि ग्रे मार्केट में इसे बहुत खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसके जीएमपी में पिछले कई दिनों से गिरावट आ रही है। इसका जीएमपी 2.76 प्रतिशत है। हालांकि इसे आईपीओ को लेकर निवेशकों में क्रेज दिखाई दे रहा है। यह भी मेन बोर्ड का आईपीओ है। यह निवेशक के लिए खुल गया है। इसमें 7 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इसकी लिस्टिंग 10 अक्टूबर को हो सकती है। इसके जीएमपी में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। निवेशकों की इसमें ठीक-ठाक दिलचस्पी दिख रही है। अभी इसका 0.77 प्रतिशत है।

# दिवाली से पहले चीन का निकला दिवाला, बाजार से चीनी सामान गायब

## स्वदेशी चीजों ने मचाई धूम, क्यों बढ़ी देसी सामान की मांग?

## दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
नवरात्रि के बाद देश में दिवाली की तैयारी शुरू हो गई है। व्यापारी मान रहे है कि इस बार का त्योहारी सीजन भारत के व्यापार इतिहास में नया अध्याय लिखेगा। व्यापारी संगठन कैट का अनुमान है कि इस दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। वहीं, दिल्ली के बाजारों की ही बात करें तो कारोबारियों का अनुमान है कि राजधानी में त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ तक पहुंच सकती है। दावा है कि इस दिवाली पर चीनी सामान के बजाए स्वदेशी आइटम की धूम मची हुई है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि नवरात्रि के दौरान कैट ने विभिन्न राज्यों के 35 शहरों में व्यापारिक संगठनों से सर्वे कराया। इस सर्वे में दो प्रमुख कारण सामने आए जो इस बार के त्योहारी कारोबार को नई ऊंचाई दे रहे हैं।

पहला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी का आह्वान और उनका वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल का दृष्टिकोण, जिसमें ग्राहकों का जबरदस्त समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में दिवाली पर बंपर बिक्री हो रही है। कैट के अनुसार साल 2021 में 1.25 लाख करोड़, साल 2022 में 2.50 लाख करोड़, साल 2023 में 3.75 लाख करोड़ और इस साल का अनुमानित आंकड़ा 4.75 लाख करोड़ है। जानकारों के मुताबिक इस बार दिवाली पर जबरदस्त कमाई हो सकती है।

### हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना

कैट का दावा है कि इस बार दिवाली के मौके पर बाजारों में चीनी सामान बिल्कुल गायब हो चुके हैं। इसकी जगह स्वदेशी आइटम का दबदबा है। इस बार ग्राहक विभिन्न भारतीय उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह दिखा रहे है। इनमें मिट्टी के दीये, मूर्तियां, वॉल हैंगिंग्स, हैंडीक्राफ्ट, पूजन सामग्री, गृह सजावट से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल सामान, बिल्डर्स हार्डवेयर, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और टैपेस्ट्री, रेडीमेड वस्त्र, फर्नीचर, खिलौने, मिठाई, पर्सनल केयर प्रोडक्ट, किचनवेयर और बर्तन तक शामिल हैं। लगभग हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना है, जिसमें भारतीय कारीगर, निर्माता और व्यापारी प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

## व्यापार के लिए गेम चेंजर होगा भारत-यूरोपीय संघ के बीच एफटीए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और निवेश संरक्षण समझौता गेम चेंजर साबित हो सकता है, खासकर तब जब कई देश अपने बाजार बंद कर रहे हैं या टैरिफ बढ़ा रहे हैं। यह बात भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हेर्वे डेल्फिन ने कही है। बता दें कि ये बात उन्होंने तब कही जब भारत और 27 देशों के इस आर्थिक समूह के बीच 14वीं बातचीत जल्द ही ब्रसेल्स में होने वाली है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस समझौते को दिसंबर तक पूरा करने का संकल्प दोहराया था। मामले में डेल्फिन ने बताया कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और वित्तीय वर्ष 2023-24 में दोनों के बीच व्यापार का कुल आंकड़ा 135 अरब डॉलर रहा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोपीय और भारतीय व्यापारियों के लिए नए अवसर खोल सकता है और द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को बढ़ा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई देशों के बाजार बंद करने या टैरिफ बढ़ाने के बीच यह समझौता व्यापार को विविधता देने, अनिश्चितताओं से बचाव करने और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने का अवसर है। हालांकि, दूसरी ओर डेल्फिन ने स्वीकार किया कि समझौते की बातचीत चुनौतीपूर्ण है और कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी भी हल होने बाकी हैं। सितंबर में दिल्ली में हुई 13वीं बातचीत में यूरोपीय आयोग के कमिश्नर शामिल थे, लेकिन अपेक्षित बड़ी प्रगति नहीं हुई। उन्होंने बताया कि अब तक 11 चैप्टर पर सहमति हो चुकी है, जिनमें कस्टम्स, विवाद समाधान, डिजिटल ट्रेड, सतत खाद्य प्रणाली, एमएसएमई, प्रतिस्पर्धा, सब्सिडी और पूंजी आंदोलन शामिल हैं। लेकिन रूल्स ऑफ ओरिजिन और मार्केट एक्सेस जैसे अहम मुद्दे अभी भी बातचीत के अधीन हैं।

# रिटर्न देखकर ज्यादा खरीदने के लालच में न आएं

● एक झटके में बर्बाद कर देगी चांदी!



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिवाली 2025 की तैयारी चल रही है। इस बीच, सोने और चांदी ने बाजार में अपनी चमक बिखेर दी है। इस साल अब तक सोने के दाम 47 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं। वहीं, चांदी के दाम 55 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। एमसीएक्स पर चांदी का भाव 1.45 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर चला गया है। चांदी में ज्यादा तेजी को देखते हुए निवेशक अब इसमें ज्यादा निवेश कर रहे हैं। लेकिन जानकारों ने चेतावनी दी है कि चांदी में ज्यादा निवेश नुकसान का भी कारण बन सकता है।

चांदी की कीमत कई कारणों से बढ़ रही है। मुख्य वजह है औद्योगिक और सजावटी कामों में चांदी की मांग बढ़ना। साथ ही, दुनिया भर में चांदी की सप्लाई भी कम हो गई है। जानकारों के मुताबिक चांदी में तेजी को कई चीजों का सपोर्ट मिला है। जैसे कि करेंसी में बदलाव, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चांदी के बेंचमार्क में मजबूती और घरेलू खरीदारी में उछाल। लोगों को लग रहा है कि कीमतें और बढ़ सकती हैं, इसलिए वे ज्यादा खरीद रहे हैं। हाइश्ट्रक की रिसर्च हेड रेनीशा चैनानी का कहना है कि दिवाली तक बाजार में तेजी से स्थिरता का दौर आ सकता है। उनका मानना है कि बाजार में कोई बड़ी गिरावट नहीं आएगी। वह बताती हैं कि पिछले नौ महीनों में कीमतों में बहुत तेजी आई है। इससे कुछ निवेशक अपना छोटा मुनाफा बुक कर सकते हैं। अगर दुनिया में भू-राजनीतिक जोखिम बढ़ते हैं, तो सोना-चांदी में तेजी और बढ़ सकती है।

एक्सपर्ट के अनुसार ना केवल सोना, बल्कि चांदी में भी तेजी के मुख्य कारण अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व की नरम नीति, कमजोर अमेरिकी डॉलर, गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश और भारत में त्योहारी मांग का मजबूत होना है। लेकिन सवाल है कि क्या आगे चलकर इसकी कीमत थम सकती है और गिरावट भी आ सकती है?

# शरद पूर्णिमा : चंद्र विज्ञान और आस्था का अद्भुत संगम

योगेश कुमार गोयल

यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।



हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अक्तूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से आरंभ होकर 7 अक्तूबर की सुबह 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगी, इसलिए शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर की रात को मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं।'

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और ब्रज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है।

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है।

कुछ स्थानों पर शरद पूर्णिमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

## संपादकीय

### मेहनत की कमाई में सेंध

कैसी विडंबना है कि भोले-भाले लोगों से छल करके खून-पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून-व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटना अब दिन-प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निपटने की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निपटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा-निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर-तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते।

विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई-मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा-पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर-तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है।

## चिंतन-मनन

### क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खेती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा मत यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

# दवाओं की निगरानी के नाम पर अरबों की लूट



सनत जैन

नेता अधिकारी और डॉक्टर लूट में शामिल...

हाल ही में मध्य प्रदेश में करीब एक दर्जन बच्चों की मौत कफ सिरप के कारण हुई है। ये मौतें एक दिन में हुई हों, ऐसा नहीं है। कई दिनों से बच्चों की मौतें हो रही थीं। सरकार और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चुप्पी साधकर बैठे रहे, जिसके कारण अकेले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 12 बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 11 बच्चे तो एक ही तहसील के थे। कलेक्टर, एसडीएम सरकार का स्वास्थ्य विभाग चुपचाप बैठा रहा। जब मीडिया में यह मामला उभरकर सामने आया। उसके बाद भी सरकार और उसके अधिकारी कछुए की चाल से चलते हुए सफाई देने का काम कर रहे थे।

मध्य प्रदेश सरकार को कफ सिरप को प्रतिबंधित करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लग गया। यदि इतना बवाल मीडिया में नहीं हुआ होता, विपक्ष सक्रिय नहीं हुआ होता, तो सरकार भी सक्रिय नहीं होती। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें दवा के निर्माण, मूल्य नियंत्रण, गुणवत्ता के साथ ही दवा कारोबार पर नियंत्रण रखने को लेकर जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह विभाग पूरी तरह से कोमा में चला गया है। बात केंद्र सरकार से शुरू करते हैं। दवा कंपनियों द्वारा मूल्य नियंत्रण और दवा उत्पादन को लेकर सरकार के मंत्रियों और सत्तारूढ़ राजनीतिक दल को करोड़ों रुपए का चंदा देकर दवा के मूल्य निर्धारित कराती हैं। चुनावी चंदे के रूप में इलेक्टोरल बांड के माध्यम से दवा कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपए का चंदा दिए जाने की बात पहले ही उजागर हो चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने राज्यों में दवाओं के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हैं। पिछले एक दशक से केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभागों की हालत बेहद खस्ता है। जनसंख्या बढ़ने, अस्पताल बढ़ने, केमिस्टों की संख्या बढ़ने के साथ ही दवा निर्माताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इस कारोबार को नियंत्रित करने के लिए तथा गुणवत्ता बनाए रखने, लोगों, के जीवन को सुरक्षित करने के लिए जो कार्य करना चाहिए था, वह नहीं किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग में नई नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। जो अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए हैं, उनके पद रिक्त पड़े हुए हैं। दवाइयों की जांच का जिम्मा इंस्पेक्टर और ड्रग कंट्रोलर का है। जो काम स्वास्थ्य विभाग को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। ड्रग इंस्पेक्टर्स की संख्या लगातार घटती चली जा रही है। जब भी कोई घटना होती है उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारें बड़े-बड़े दावे जरूर करती हैं, लेकिन दावों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस रिलीज करके अपना पल्ला, यह कहते हुए झाड़ लिया, मध्य प्रदेश सरकार ने समय पर जांच के लिए लैबोरेट्री सिरप नहीं भेजा। मध्य प्रदेश सरकार को 10 से 15 दिन का समय केवल सैंपल भेजने में लग गया। तमिलनाडु में भी इसी तरह बच्चों के मौत की घटना हुई थी। 3 दिन के अंदर रिपोर्ट आ जाने के बाद भी तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अन्य राज्यों को सजग नहीं किया गया। 1 महीने से सिरप के कारण बच्चों की मौतें हो रही थीं। यदि समय रहते यह सूचना सभी राज्यों को दे, दी जाती तो सभी राज्यों में कफ सिरप को प्रतिबंधित कर दिया जाता। कई बच्चों की जान बच जाती। प्रशासनिक लापरवाही से बच्चों की मौतें होती रहीं। 2017 में केंद्र सरकार ने नीति बनाई थी। लेबोरेटरी से कोई दवा मानक पर खरा नहीं उतरती है, तो उसे 72 घंटे के अंदर वापस लेने का प्रावधान किया गया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 2023 में डब्लूएचओ ने भी चेतावनी जारी की थी। भारत का सिरप साउथ अफ्रीका भेजा गया था, वहां पर बड़ी संख्या में मौतें हुई थीं। भारत में निर्मित दवाएं विदेश में निर्यात की जा रही हैं, ऐसी स्थिति में इनकी गुणवत्ता की तरफ विशेष ध्यान होना चाहिए। दवाओं में जिस तरीके के नशीले पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है उसको लेकर केंद्र एवं राज्य सरकारों को ज्यादा सजगता बरतने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मध्य प्रदेश में पिछले 8 महीने में जांच के दौरान 27 कंपनियों की 76 दवाइयां अमानक पाई गई हैं। इसमें पेरासिटामोल कई तरह के इंजेक्शन, सिरप और कैल्शियम की गोलियां शामिल थीं। इसके बाद भी इन पर दवाई वापस बुलाने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की रिपोर्ट भी बताती है, इंदौर, पीथमपुर, देवास, उज्जैन, भोपाल, रतलाम और ग्वालियर की कई दवा कंपनियों की दवाएं अमानक पाई गई हैं। मध्य प्रदेश सरकार के पास पर्याप्त संख्या में ड्रग इंस्पेक्टर ही नहीं हैं। जो हैं, वे जांच के नाम पर केमिस्ट और दवा निर्माताओं से वसूली में लगे रहते हैं। अमानक दवाइयां पाए जाने के बाद भी केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई दंडात्मक कार्यवाही निर्माताओं पर नहीं की जाती है। आर्थिक दंड और ब्लैक लिस्ट कर- के मामले को कुछ समय के लिए दबा दिया जाता है। जिसके कारण जहरीली और नशे की दवाइयों का कारोबार दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है। वर्तमान समय में दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टर और अस्पतालों के अनुसार अलग-अलग ब्रांड की दवाइयां महंगे प्रिंट रेट पर बेची जा रही हैं। दवाओं के नाम पर आम आदमी को खुलेआम लूटा जा रहा है। जेनेरिक दवाइयां होते हुए भी ब्रांडेड दवाइयां के नाम पर लूट जारी है। पिछले 11 वर्षों से दवाइयों की कीमतें लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। दवाइयों की गुणवत्ता घट रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों का निगरानी तंत्र पूरी तरह से विफल हो गया है। निगरानी रखने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा जो स्टाफ नियुक्त किया जाना था, वह आज तक नहीं किया गया है। एक-एक ड्रग इंस्पेक्टर के पास कई ड्रग इंस्पेक्टर्स का प्रभार है। ड्रग के इस कारोबार में बहुत पैसा, रिश्वत और चंदे के रूप में दवा निर्माताओं द्वारा दिया जा रहा है। जिसके कारण मरीजों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। बीमार होने पर मरीज डॉक्टरों के पास जाता है, वे अपने मरीज को महंगी- महंगी दवाइयां लिखते हैं। ठीक हो गए तो उसका भाग्य, नहीं हुए तो इलाज के बहाने डॉक्टर और दवा कंपनियों की कमाई तो बढ़ती ही जाती है। बड़ी संख्या में मौत होने के बाद हर बार जब मामला तूल पकड़ता है सरकार और उनके अधिकारी सक्रिय हो जाते हैं। मुआवजा देकर मामले को निपटाने और ठंडा करने का प्रयास किया जाता है। कुछ दिन बाद लोग भूल जाते हैं। भारत में दवा के कारोबार में राजनेताओं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, डॉक्टर्स और दवा कंपनियों के निर्माताओं का एक ऐसा सिंडिकेट बन गया है, जिसे तोड़ पाना संभव नहीं दिखता है। इस समय दवा और इलाज के नाम पर जो लूट हो रही है, उससे निपटने के लिए जनता को ही लड़ाई लड़ने के लिए सामने आना होगा। अन्यथा इसी तरीके से मासूमों की जानें जाती रहेंगी।

# मुद्दा-प्लास्टिक प्रदूषण, गहराता वैश्विक संकट व असफल होती वैश्विक संधि

अनिरुद्ध गौड़

एक समय था जब प्लास्टिक को आधुनिक सभ्यता की बड़ी खोज माना गया था। समय बीता प्लास्टिक उत्पादन में नई खोजें हुई और प्लास्टिक उद्योग ने पूरे विश्व में चारों ओर छा गया। लेकिन अंधाधुंध प्लास्टिक के उपयोग ने वर्तमान में विश्व के पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा कर दिया है। हाल ही में 'द लैंसेट' जरनल की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि प्लास्टिक प्रदूषण से हर साल वैश्विक स्वास्थ्य पर करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बोझ पड़ रहा है। यूनाइटेड नेशन का अनुमान है कि यदि प्लास्टिक प्रयोग का यदि यही आलम रहा तो वर्ष 2040 तक पर्यावरण रिसाव 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। परिणाम होगा कि 2015 से 2040 के बीच प्रदूषण से होने वाले पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान की राशि 281 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच सकती है।

मालूम हो कि सन 1950 में जहां विश्व में सिर्फ 2 मेगाटन प्लास्टिक का उत्पादन होता था, वहीं 2022 तक यह बढ़कर 475 मेगाटन तक पहुँच गया। अनुमान है कि अगले तीन दशकों में यानी 2060 तक यह उत्पादन 1200 मेगाटन तक पहुंच सकता है। विडंबना यह है कि इस विशाल मात्रा में उत्पादित प्लास्टिक का मात्र 10 प्रतिशत ही पुनर्चक्रण किया जा पाता है, बाकी प्लास्टिक नदियों, समुद्रों और लैंडफिल में जमा होकर प्रदूषण फैलाता है। इसमें वैश्विक स्तर पर 57 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा खुले में जलाया जाता है। इससे वायु प्रदूषण की समस्या गहरा रही है। हाल यह है कि करीब 8 हजार मेगाटन प्लास्टिक कचरा ग्रह को प्रदूषित कर रहा है।

प्लास्टिक प्रदूषण के कारण उत्पन्न माइक्रोप्लास्टिक अब केवल मिट्टी, पानी और वायुमंडल तक सीमित नहीं रहेय वे मानव शरीर में भी प्रवेश कर चुके हैं। ये सूक्ष्म कण ह्रदय, फेफड़े, आंत, रक्त और यहां तक कि गर्भस्थ शिशु तक पहुँच चुके हैं, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम बढ़ गए हैं। प्लास्टिक प्रदूषण संकट से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2022 में देशों ने सर्वसम्मति से नैरोबी में प्रस्ताव 5/14 पारित किया था, जिसका उद्देश्य 2040 तक वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है। इस लक्ष्य के लिए एक कानूनी रूप से बाध्यकारी वैश्विक प्लास्टिक संधि तैयार की जानी थी, जिसके लिए अब तक पाँच अंतर-सरकारी वार्ता सत्र आयोजित हो चुके हैं।

चिंताजनक बात है कि इस प्लास्टिक संधि को लेकर पिछले दिनों 5-15 अगस्त, 2025 को जिनेवा में संपन्न हुआ पांचवां सत्र बिना किसी ठोस परिणाम के समाप्त हो गया। मुख्य मुद्दों जैसे प्लास्टिक उत्पादन पर वैश्विक सीमा, हानिकारक रसायनों पर प्रतिबंध और वित्तीय सहायता पर कोई सहमति नहीं बन सकी। सौ से अधिक देश उत्पादन सीमाओं के पक्षधर रहे, वहीं सऊदी अरब, रूस, ईरान और अमेरिका जैसे पेट्रो-राष्ट्र इसका विरोध में रहे हैं।

विश्व के विकासशील देशों की मांग है कि उन्हें तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता मिले ताकि वे प्लास्टिक प्रदूषण से निपट सकें, जबकि अमीर देश अनिच्छुक हैं। साथ ही, कुछ राष्ट्र इस संधि को बाध्यकारी बनाने के बजाय स्वैच्छिक उपायों की दिशा में बढ़ना चाहते हैं। भारत वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। नेचर पत्रिका के एक अध्ययन के अनुसार, भारत हर साल करीब 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का लगभग पांचवां हिस्सा है। भारत ने संधि वार्ता में विकासशील देशों के हितों की वकालत करते हुए प्लास्टिक उत्पादन सीमा का विरोध किया है।

हालांकि, भारत सरकार ने घरेलू स्तर पर सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास किए हैं। 2019 में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में देश को सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान किया था। 2025 के विश्व पर्यावरण दिवस पर भी उन्होंने दोहराया कि भारत सतत विकास की दिशा में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए संकल्पबद्ध है।

आज प्लास्टिक का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। उत्पादों की पैकेजिंग, निर्माण, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण, यहां तक कि इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों में भी बड़ा उपयोग है। इसका सस्ता, टिकाऊ और बहुपयोगी स्वरूप इसे व्यावसायिक दृष्टि से आकर्षक बनाता है, लेकिन इसके अपशिष्ट प्रबंधन की विफलता इसे अभिशाप में बदल रही है। आंकड़ों के अनुसार, हर साल करीब 40 करोड़ मीट्रिक टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से 90: या तो जलाया जाता है या लैंडफिल में जमा हो जाता है। कई गरीब देशों में प्लास्टिक जलाने से वायु प्रदूषण और गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। प्लास्टिक उद्योग पर पेट्रोकेमिकल लॉबी का दबदबा, वैश्विक राजनीतिक मतभेद और आर्थिक हितों की टकराहट इस समस्या के समाधान में सबसे बड़ी बाधा बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की कार्यकारी निदेशक इन्गर एंडरसन का मानना है कि भले ही संधि अभी तक न बनी हो, लेकिन प्रयास जारी रहेंगे। उधर, संधि के पक्षधरों का मानना है कि कमजोर संधि बनने से यही अच्छा है कि यह नहीं हुई।

माना जाए तो जिनेवा वार्ता की विफलता केवल एक कूटनीतिक असफलता नहीं, बल्कि यह एक वैश्विक चेतावनी है। यदि शीघ्र ही कोई ठोस, बाध्यकारी और सर्वसम्मत संधि नहीं बनती, तो प्लास्टिक प्रदूषण से जुड़े सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्यगत संकटों की गंभीरता और बढ़ जाएगी। इस समस्या से निपटने को विश्व के सभी देश राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाएं, साथ ही अपने राष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाएं। यह केवल सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी अपनी प्लास्टिक खपत की आदतों में बदलाव लाना होगा। सतत विकास का रास्ता केवल तकनीकी समाधान से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और व्यवहार परिवर्तन से ही संभव होगा। प्लास्टिक के पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने में जागरूकता और वैकल्पिक विकल्पों को अपनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने होंगे।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

# सैयारा के बाद अहान पांडे के हाथ लगी यशराज की फिल्म!

अहान पांडे अपनी पहली ही फिल्म से सुपरस्टार बन गए है। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा ने उन्हें उस पायदान पर पहुंचा दिया, जिसके लिए तमाम सितारों को कई वर्ष संघर्ष करना पड़ता है। इन दिनों अहान की अगली फिल्मों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अहान ने यशराज फिल्म्स की अगली मूवी साइन कर ली है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर ऐसी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। दूसरी तरफ हाल ही में अहान को संजय लीला भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया है।
यशराज फिल्म्स के दूसरे प्रोजेक्ट में एंट्री अहान पांडे की अगली फिल्म का दर्शक बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं और उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर अपडेट चाहते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अहान पांडे ने सैयारा के बाद इक्का की दूसरी फिल्म साइन की है, जो एक्शन रोमांस फिल्म बताई जा रही है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अली अब्बास जफर संभालेंगे। हालांकि, इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या वाकई अहान के हाथ यशराज फिल्म्स की अगली फिल्म लग गई है? या यह महज अफवाह है। इसके अलावा फिल्मी गलियारों में सुगबुगाहट यह भी शुरू हो गई है कि अहान नामी निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। दरअसल, हाल ही में अहान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

## अहान के फैंस हुए क्रेजी

अहान पांडे के फैंस क्रेजी हो रहे हैं कि क्या वे भंसाली के साथ फिल्म करने वाले हैं? नेटिजन्स लिख रहे हैं, अहान और भंसाली...अगर वाकई दोनों साथ आते हैं तो कुछ धमाल होगा। एक यूजर ने लिखा, अगर अहान और संजय लीला भंसाली साथ काम करते हैं तो यह एक बड़ी डील होगी।

# होमबाउंड फिल्म देखकर अनीत ने साझा की भावनाएं

## ईशान-जान्हवी को लेकर कहा

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री अनीत पड्डा ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड देखने के बाद अपने भावनाओं को साझा किया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव को खुलकर लिखा और बताया कि वो फिल्म देखने के बाद काफी भावुक हो गईं।
अनीत ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरी में लिखा कि फिल्म को निर्देशक नीरज घेवान ने जिस संवेदनशीलता और धैर्य के साथ पेश किया, वो अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि निर्देशक ने कहानी को बेहद नाजुक, लेकिन मजबूत तरीके से प्रस्तुत किया। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि जिस तरीके से नीरज ने किरदारों को समझा और उनके भावों को पर्दे पर उतारा, वह फिल्म को देखने के अनुभव को लंबे समय तक जीवंत बनाए रखता है।

### कलाकारों की भी तारीफ

फिल्म में ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा नजर आ रहे हैं। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन ना कर पा रही हो, लेकिन अनीत ने स्टारकास्ट के काम की सराहना करते हुए लिखा कि इन कलाकारों ने पूरी ईमानदारी और साहस के साथ निर्देशक की दृष्टि को पर्दे पर उतारा। उन्होंने बताया कि फिल्म के माध्यम से दर्शकों को अपने जीवन के अंशों से जुड़ाव महसूस हुआ और यह अनुभव बहुत ही व्यक्तिगत और संवेदनशील था।

### करण जौहर को कहा धन्यवाद

अनीत पड्डा ने निर्माता करण जौहर का भी धन्यवाद किया और कहा कि उनकी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। उन्होंने कहा, मैं नम आंखों के साथ बाहर निकली, लेकिन काफी हल्कापन महसूस हुआ। इसके लिए धन्यवाद।

### फिल्म की कहानी

होमबाउंड में ईशान का किरदार शोएब और विशाल का किरदार चंदन मापुर की पृष्ठभूमि में अपनी महत्वाकांक्षाओं, सामाजिक पूर्वाग्रहों और दोस्ती की कसौटी पर खड़े उतरते है या नहीं, यही दिखाया गया है। कहानी में दोनों के व्यक्तिगत और पेशेवर संघर्ष दिखाए गए है, जो उनके सपनों और रिश्तों को चुनौती देते है। चंदन पुलिस की परीक्षा में सफल हो जाता है, जबकि शोएब असफल हो जाता है, जिससे उनकी दोस्ती पर असर पड़ता है।

### फिल्म को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

फिल्म को धर्मा प्रोडक्शन्स के तहत निर्मित किया गया और इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि 2026 ऑस्कर के लिए चुना गया। इसके अलावा फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर कर अपनी कला का लोहा मनवाया।

# क्या साथ काम करने वाले हैं करण जौहर और मलाइका अरोड़ा?

फिल्म निर्माता-निर्देशक करण जौहर और एक्ट्रेस-मॉडल मलाइका अरोड़ा साथ काम करने वाले हैं। किसी आगामी प्रोजेक्ट में दोनों के बीच साझेदारी हुई है। दरअसल, इस तरह के दावे उस टीजर वीडियो की रिलीज के बाद किए जा रहे हैं, जो आज बुधवार को करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से शेयर किया है। करण जौहर ने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे और मलाइका फोन पर क्रिप्टिक अंदाज में बात कर रहे है, जिसमें कचिंग कचिंग की साउंड सुनाई दे रही है। करण जौहर ने बहुत ज्यादा डिटेल तो शेयर नहीं की है, मगर आने वाले दिनों में इससे जुड़ी अधिक जानकारी देने की बात करी है।

### जल्द बताएंगे क्या है कचिंग?

वीडियो में करण जौहर फोन पर मलाइका से कहते हैं, हे मल्ल...कचिंग कचिंग कचिंग। उधर से मलाइका कहती हैं, कचिंग कचिंग। इसके बाद करण जौहर दर्शकों की तरफ देखते हुए कहते हैं, कचिंग के बारे में जानना चाहते हैं? तो बने रहिए साथ। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, कचिंग! ये साउंड नहीं, टेकओवर है। इसके अलावा लिखा है, बिग आइडिया बिग मनी।

# मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी



हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं।
इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है। बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म कल्कि एडी 2898 से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

# द ताज स्टोरी देखे बगैर दर्शक कोई राय न बनाएं

द ताज स्टोरी के नए पोस्टर को लेकर उठे विवाद पर फिल्म के निर्माता और दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया है। परेश रावल के साथ जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास अभिनीत यह फिल्म चर्चा में तब आई, जब हाल ही में जारी पोस्टर में परेश रावल को ताजमहल के गुंबद को हाथों में थामे दिखाया गया, जिसके भीतर शिवलिंग स्थापित था। सोशल मीडिया पर मचे बवाल के बाद मेकर्स ने स्थिति साफ करने का निर्णय लिया।
गौरतलब है कि इससे पहले परेश रावल ने एक पोस्टर साझा किया था और कैप्शन में लिखा था- क्या हो, अगर अब तक आपको सिखाई गई हर बात झूठ हो? सच्चाई सिर्फ छिपी नहीं है, बल्कि उसका फैसला किया जा रहा है। द ताज स्टोरी के साथ 31 अक्टूबर को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में सच को उजागर करें।। स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत द ताज स्टोरी, जिसे तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, में परेश रावल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

# ओटीटी से फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है

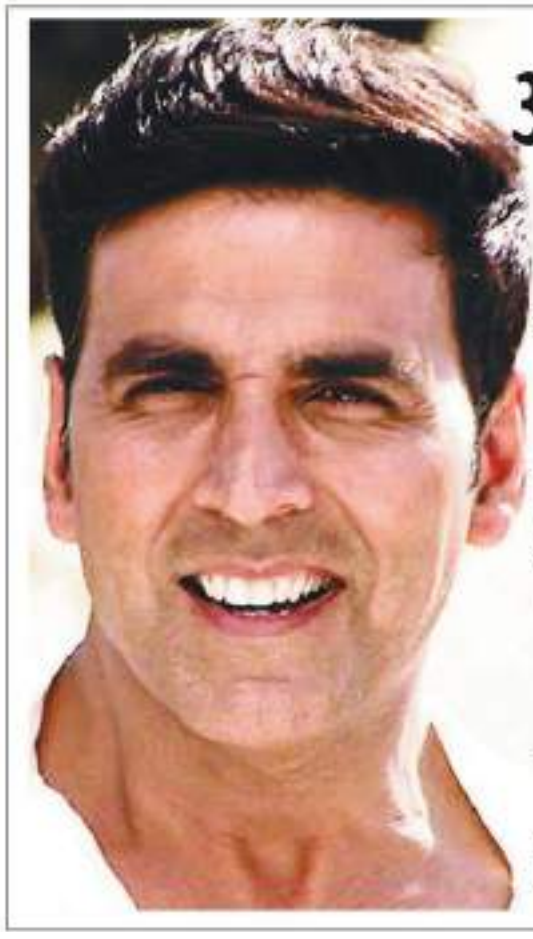

**ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।**

### तीन महीने का अंतराल ठीक है

बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।
इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल है, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते है। लेकिन जब हम चाहते है, तो हम आसानी से कह देते है कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही है। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे है।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

### मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

### ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते है। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

# वर्ल्ड कप से पहले ही रोहित विराट का करियर होगा खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है. रोहित-कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है. ऐसे में उनकी मैदान पर वापसी का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है. ये इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेलेगी.

बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे क्योंकि अब उन्हें वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है. रोहित की जगह शुभमन गिल टेस्ट के बाद वनडे टीम के भी नए कप्तान बने हैं. अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने फैन्स को हैरान कर दिया है. फैन्स सवाल पूछ रहे हैं कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद रोहित शर्मा से कप्तानी क्यों छीनी गई.

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और टीम प्रबंधन ने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए एक दीर्घकालिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है. इस दौरान ये राय भी बनी कि शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया जाए. इस ट्रांजिशन के लिए सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मैनेज करना था, जिन्होंने इसी साल अपनी कप्तानी में भारत को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जिताया था.

### मैच नहीं खेलना रोहित के खिलाफ गया

बीसीसीआई के अधिकारियों का मानना था कि अगला वनडे वर्ल्ड कप अभी दो साल दूर है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके चलते उन्हें पर्याप्त मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पाती. रोहित ने सभी फिटनेस मानकों को पूरा किया है, लेकिन हालिया समय में वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहे हैं जो उनके खिलाफ गया. चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इशारों-इशारों में इसके संकेत भी दिए. रोहित शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, जबकि उनका पिछला इंटरनेशनल मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था.

शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर मतभेद थे क्योंकि रोहित का कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है. लेकिन जैसे-जैसे ऑस्ट्रेलिया दौरा नजदीक आया, बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी ही है क्योंकि दोनों इस वक्त केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं. जहां रोहित 38 वर्ष के हैं, वहीं विराट 36 साल के हैं. ऐसे में बोर्ड ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अगर हम चीजों को और टालते रहेंगे तो यह और जटिल हो जाएगी. दो खिलाड़ियों में से एक 38 के हैं और दूसरे 36 के. ऐसे में शुरुआती दांव लगाना मुश्किल है. युवा खिलाड़ी भी फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन यह अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है.

### रोहित-कोहली को लेकर अगरकर ने क्या कहा?

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 के वर्ल्ड कप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं. अगरकर बताना चाहते थे कि उस टूर्नामेंट के लिए रोहित और विराट की टीम में जगह की गारंटी नहीं दी जा सकती है. अगरकर ने कहा कि बीसीसीआई की पॉलिसी है कि टीम में सेलेक्शन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना होगा. ये देखना होगा कि आने वाले समय में विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू वनडे टूर्नामेंट (विजय हजारे ट्रॉफी) में खेलते हैं या नहीं.

दोनों खिलाड़ियों पर यदि बीसीसीआई की ओर से घरेलू मैच खेलने का ज्यादा प्रेशर बनाया जाता है तो वे निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं. पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था क्योंकि इससे उन्हें काफी गेम टाइम मिलता. आकाश कहते हैं कि कोहली और रोहित शर्मा को अब लगातार रन बनाने होंगे, नहीं तो कोई और उनकी जगह टीम में आ सकता है.

बीसीसीआई अब टीम को ऐसे खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द तैयार करना चाहती है जो 2027 वर्ल्ड कप में कमाल कर सके. शुभमन गिल को कप्तान बनाना इसी रणनीति का हिस्सा है. रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन अब चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि भारतीय टीम की नजरें युवा खिलाड़ियों पर हैं. यह बदलाव भावनात्मक रूप से कठिन जरूर है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में नई शुरुआत भी हो सकती है.

वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने भरी हुंकार

## 2027 वर्ल्ड कप जीतना है लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल के कप्तान बनने के साथ ही भारत ने वनडे क्रिकेट के एक नए युग में कदम रखा है और इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाला वनडे विश्व कप ही उनका अगला टारगेट है। भारतीय टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई थी जहां उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट मुकाबले में पारी और 140 रन से हरा दिया और इसके ठीक बाद उन्हें भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया। वनडे टीम का कप्तान बनने के बाद गिल ने बताया कि ये उनके लिए गर्व की बात है और उन्होंने अपने प्लान का भी खुलासा कर दिया। शुभमन गिल ने बीसीसीआई मीडिया से कहा कि अपने देश की वनडे में कप्तानी करना, उस टीम की कप्तानी करना जिसने इतना कुछ हासिल किया है सबसे बड़ा सम्मान है। इससे मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। भारतीय सेलेक्टर्स ने वनडे वर्ल्ड कप 2027 को देखते हुए ये बड़ा कदम उठाया। गिल अब भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान हैं और टी20 टीम के वो उप-कप्तान हैं। गिल ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विश्व कप से पहले हमारे पास लगभग 20 वनडे मैच हैं और जाहिर है सबसे बड़ा लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका में होने वाला विश्व कप है। हम जो भी खेलेंगे और टीम का हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। हम विश्व कप से पहले एक शानदार सीजन बिताने की पूरी कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के हरजस ने खेली तूफानी पारी

## वनडे में ट्रिपल सेंचुरी, 35 छक्कों के साथ बनाए 314 रन...

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रोहित शर्मा का है, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. ऑस्ट्रेलिया के हरजस सिंह ने 50 ओवरों के मुकाबले में ट्रिपल सेंचुरी लगाकर सनसनी मचा दी. उन्होंने न्यू साउथ वेल्स प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामेंट में 314 रनों की धुआंधार पारी खेली. 141 गेंदों में खेली इस पारी में उन्होंने 35 छक्के भी लगाए, यानी 210 रन तो उन्होंने सिर्फ छक्कों से ही बना डाले. 20 वर्षीय हरजस सिंह ने शनिवार को दूसरे दौर के मैच में वेस्टर्न सब्र्बस की ओर से खेलते हुए सिडनी के खिलाफ ये ट्रिपल सेंचुरी जड़ी. वह मुकाबले में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे, इससे पहले निकोलस कटलर और जोशुआ क्लार्क के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई थी.

हरजस सिंह ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की, और जब एक बार उनकी आंख जम गई तो छक्के-चौकों की बरसात शुरू कर दी. हरजस सिंह ने 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था. पचास रन पूरे करने के बाद फिर वह थोड़ी देर के लिए धीमे हुए, उन्होंने 74 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. लेकिन इसके बाद तो मैदान पर उनका अलग ही रूप देखने को मिला, उन्होंने हर गेंदबाज की पिटाई शुरू कर दी.

सिर्फ बॉउंड्री से बनाए 258 रन

हरजस सिंह ने 314 रनों की पारी में 35 छक्के और 12 चौके लगाए, यानी उन्होंने 210 रन छक्कों से और 48 रन चौकों से बनाए, मतलब उन्होंने 258 रन तो सिर्फ बॉउंड्री से बना डाले. पहले शतक में उन्होंने 74 गेंदें खेली, लेकिन दूसरा शतक सिर्फ 29 गेंदों में आ गया था. हरजस ने 132 में अपनी ट्रिपल सेंचुरी पूरी की, वह आखिरी ओवर में 314 रन बनाकर आउट हुए. हरजस की तूफानी पारी के सहारे वेस्टर्न सब्र्बस ने 483 रनों का विशाल स्कोर बनाया.

### ऑस्ट्रेलिया के लिए 19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं हरजस सिंह

हरजस 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया टीम का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने भारत के खिलाफ फाइनल में 55 रन बनाए थे. ट्रिपल सेंचुरी लगाने के बाद हरजस सिंह ने कहा, मैं शतक बनाने से ही खुश था, क्योंकि मैंने अपनी मां से कहा था कि अगर मैं इस मैच में शतक लगाऊंगा तो क्या आप मुझे अपनी कार चलाने दोगी. इंटरनेशनल क्रिकेट में रोहित शर्मा नंबर-1 !

वनडे इंटरनेशनल में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने का रिकॉर्ड अभी भी रोहित शर्मा के नाम है, जिन्होंने 13 नवंबर 2014 को श्रीलंका के खिलाफ 264 रन बनाए थे. 173 गेंदों में खेली इस पारी में रोहित ने 9 छक्के और 33 चौके लगाए थे. रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं. वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए विराट कोहली के साथ टीम में चुने गए हैं लेकिन अब वह कप्तान नहीं है.

## क्रिकेट में पहली बार चोट के कारण बीच मैच में बदली प्लेइंग 11, जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में सब्सटीट्यूट के नए ट्रायल के तहत वेस्टर्न प्रोविंस के ओपनर बल्लेबाज जोशुआ वैन हीर्डन का नाम इतिहास में दर्ज हो गया। वह शनिवार (4 अक्टूबर) को पहले लाइक टू लाइक इंजरी रिप्लेसमेंट सब्सटीट्यूट बन गए। साउथ अफ्रीका की प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर में लायंस के खिलाफ प्रोविंशियल चार दिवसीय मैच में चोट होने के कारण बीच मैच में वेस्टर्न प्रोविंस के प्लेइंग 11 में बदलाव हुआ। न्यूलैंड्स में खेले जा रहे इस मैच में वैन हीर्डन ने एडवर्ड मूर की जगह ली। मूर को दूसरे दिन फील्डिंग करते समय बाईं जांघ की अंदरूनी मांसपेशी (एडक्टर) में चोट लग गई थी।



सब्सटीट्यूट का यह ट्रायल ऑस्ट्रेलिया के शेफील्ड शील्ड और भारत के दलीप ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी में भी होगा। यह ट्रायल आईसीसी की एक पहल का हिस्सा है, जो मैच के दौरान गंभीर रूप से चोटिल खिलाड़ी की अन्य खिलाड़ी को मौका देने के लिए समाधान की तलाश में है। ऑस्ट्रेलिया की तरह साउथ अफ्रीका भी अंदरूनी और बाहरी दोनों चोट के लिए रिप्लेसमेंट दे रही है। भारत में अभी केवल बाहरी चोट के लिए रिप्लेसमेंट देने की योजना है।

### चोटिल खिलाड़ी 7 दिन मैदान से रहेगा दूर

इसके बाद वे मैच रेफरी से संपर्क करके अपने फैसले की पुष्टि करते हैं। बाहरी चोट जैसे कि हड्डी टूटने या खिसने पर मैच रेफरी डॉ. रामजी और सेपिंग से सलाह लेकर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में फैसला ले सकते हैं। घायल खिलाड़ी की जगह तभी किसी और को लाया जा सकता है जब वह मैच से पूरी तरह बाहर हो गया हो। सीएसए की प्लेइंग कंडिशन के अनुसार उसे मैदान पर वापसी करने के लिए कम से कम 7 दिन इंतजार करना होगा।

**साउथ अफ्रीका में ये है प्रोटोकॉल:** साउथ अफ्रीका की घरेलू क्रिकेट में कोई चोटिल खिलाड़ी कब रिप्लेस होगा यह निर्धारित करने के लिए सख्त प्रोटोकॉल है। अंदरूनी चोट जैसे कि मांसपेशी में खिंचाव होने पर खिलाड़ी को अल्ट्रासाउंड या एमआरआई स्कैन करानी पड़ती है। इसके बाद रिपोर्ट सीएसए के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र रामजी और सीएसए के क्रिकेट संचालन प्रबंधक ओबाकेंग सेपिंग को भेजी जाती है। यह रिपोर्ट के मद्देनजर निर्धारित करते हैं कि क्या चोट इतनी गंभीर है कि रिप्लेसमेंट की अनुमति मिल सके।

**क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में आएगा लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट:** ऑस्ट्रेलिया में रिप्लेसमेंट केवल दूसरे दिन स्टंप्स तक ही मिल सकता है। चोटिल खिलाड़ी के कम से कम 12 दिनों तक मैदान से दूर रहना अनिवार्य है।

ऑस्ट्रेलिया और भारत की तरह साउथ अफ्रीका भी फिलहाल बहु-दिवसीय क्रिकेट में इस प्रणाली का केवल ट्रायल कर रहा है। प्रोटोकॉल में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि विभिन्न देश इस प्रणाली का परीक्षण कैसे करना चाहते हैं। ये सभी आईसीसी को रिपोर्ट करेंगे, जो फिर अंतरराष्ट्रीय खेल में लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट के लिए नियम बना सकता है।

## वान्या शर्मा बनीं बेस्ट योगिनी, राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास की मिसाल बनीं वान्या शर्मा ने एक बार फिर योग की दुनिया में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। नई दिल्ली के सरकारी विद्यालय, सरस्वती विहार में आयोजित राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में वान्या ने अपने अद्वितीय योगाभ्यास से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

उनकी अद्भुत संतुलन क्षमता, लचीलापन और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के लिए उन्हें विशेष सम्मान बेस्ट योगिनी ट्रॉफी से नवाजा गया। मंच पर वान्या की योग मुद्राओं में अनुशासन, निपुणता और सहजता का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट



से गूंज उठा। वान्या शर्मा पहले भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने सितंबर 2025 में मलेशिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भारत के लिए तीन स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया था। वर्ष 2024 में भी उन्होंने इंटर-स्कूल योगासन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपने विद्यालय का नाम रोशन किया।

उल्लेखनीय है कि अब तक 14 विश्व रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हैं। छोटी सी उम्र में ही योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने वाली वान्या आज देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

राहुल तेवतिया का खुलासा

## इन दो भारतीय खिलाड़ियों से सीखा बल्लेबाजी का हुनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर राहुल तेवतिया ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी पर युवराज सिंह और एमएस धोनी का गहरा प्रभाव रहा है। एक बाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में तेवतिया युवराज की स्टाइल और शॉट सिलेक्शन के प्रशंसक हैं, जबकि धोनी से उन्होंने डेथ ओवरों में शांत रहकर मैच खत्म करने की कला सीखी। तेवतिया ने कहा, मैं युवराज सिंह की बल्लेबाजी देखते हुए बड़ा हुआ हूं।

जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब माही भाई की बल्लेबाजी को ध्यान से देखने लगा। उन्होंने डेथ ओवरों में गेंदबाजों को कैसे निशाना बनाया, यह सीखकर मुझे काफी फायदा हुआ।

**आईपीएल के फिनिशर के रूप में पहचान :** तेवतिया ने 2020 में राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में एक ओवर में पांच छक्के जड़कर सनसनी मचा दी थी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए 2022 में उन्होंने आखिरी दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सीजन में टाइटन्स ने आईपीएल ट्रॉफी भी जीती, जिसमें तेवतिया की भूमिका अहम रही।

**प्रक्रिया पर ध्यान, नतीजे पर नहीं :** तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, सफलता या असफलता दोनों में समान रहना चाहिए। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो बुरा लगता है, लेकिन असली फोकस प्रक्रिया और तैयारी पर होना चाहिए, न कि नतीजे पर।

## विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), एजेंसी। हिमाचल के ऊना में रहने वाले निशाद के लिए यह दोहरी खुशी थी क्योंकि उन्होंने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा जीती। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का रोड्रिक टाउंसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है। 3 अक्तूबर 1999 को जन्मे



निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का रोड्रिक टाउंसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टाउंसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया। जब भी किसी बड़ी अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी।

बीएफआई कप:

## मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा, बीएफआई कप के सेमीफाइनल में पहुंच

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा



चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने शनिवार को बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

## कराची में 6 अलग-अलग जगहों पर हुई फायरिंग से दहशत में लोग

**कराची , एजेंसी।** पाकिस्तान के कराची में 6 जगहों पर फायरिंग के बाद 4 लोगों की मौत हो गई। यह सभी घटनाएं शनिवार को अलग-अलग जगहों पर दर्ज की गई। फायरिंग से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। म हो गई। कराची के ओरंगी में कुछ लुटेरों ने इस घटना को अंजाम दिया। इकबाल मार्केट पुलिस स्टेशन में एलपीजी की दुकान पर लूटपाट के दौरान आरोपियों ने दुकानदार पर गोली चला दी और उसकी मौके पर मौत हो गई। दुकानदार ने अपनी जान बचाने के लिए लुटेरे के हाथ से बंदूक छीन ली और उसपर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान आरोपी लुटेरा भी गोली लगने से घायल हो गया और मौके से फरार हो गया। कराची पुलिस के अनुसार, लुटेरे पर पहले से कई गंभीर मामले दर्ज थे। उसपर चोरी, डकैती के अलावा मर्डर का केस भी चल रहा था। वहीं, फायरिंग की दूसरी घटना कराची की शेरपाओ कालोनी में घटी, जहां एक व्यक्ति को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। व्यक्ति अपनी बाइक से जा रहा था। तभी 2 लोगों ने उसका पीछा किया और बीच सड़क पर उसे गली मार दी। पुलिस का कहना है कि मृतक के सिर में 3 गोलियां मिली हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची के मलिर में बकरा पीरी के पास पुलिस एनकाउंटर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक एक पेशेवर लुटेरा था, जिसने कुछ दिन पहले एक दुकानदार की जान ले ली थी। उसका नाम गुलाम कादिर था। एसएसपी के अनुसार, गुलाम समाद काठियाड़ो नेटवर्क से जुड़ा था और गैंग-वार में भी शामिल था। पुलिस को उसके फोन से कई सबूत मिले हैं। न्यू कराची शहर में पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया, जो बुरी तरह से घायल था। लोगों ने उसे कराची के निजामाबाद से पकड़ा था और मारपीट कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, एक अन्य हादसे में 3 साल की बच्ची की पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची में शनिवार को एक मामला सामने आया था, जिसमें जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट सेंटर में एक महिला को गोली मार दी गई थी और महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कराची में एक चाय की दुकान के पास भी फायरिंग हो गई। इस घटना में मजदूरी करने वाले अब्दुल रज्जाक को गोली लग गई और वो गंभीर रूप से घायल है।

## जॉर्जिया में चुनाव के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन

**त्बिलिसी एजेंसी।** जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में शनिवार को नगरपालिका चुनावों के दौरान सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन के पास सुरक्षा बैरियर तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने कुर्सियों में आग लगा दी और सड़कों पर बैरिकेड्स बनाए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार, काली मिर्च स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। जॉर्जिया पूर्वी यूरोपीय देश है, जो रूस और तुर्की के बीच स्थित है। यह पिछले साल के संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की जीत के दावे के बाद से संकट में है। विपक्षी दलों का कहना है कि उस चुनाव में धोखाधड़ी हुई थी। सरकार ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने की बातचीत को भी रोक दिया है। शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी त्बिलिसी के फ्रीडम स्क्वायर और रुस्तवेली एवेन्यू पर जमा हुए, जिनमें से कई जॉर्जिया, ईयू और यूक्रेन के झंडे लहरा रहे थे। उन्होंने जॉर्जियन ड्रीम पार्टी पर तानाशाही और रूस समर्थक रवैये का आरोप लगाया। कुछ विपक्षी नेताओं ने सरकार को हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पार्टी के 6 नेताओं की गिरफ्तारी की भी मांग की और जनता की इच्छा का सम्मान करने को कहा।

## नेपाल में कुदरत का कहर, 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से 18 लोगों की मौत

**काठमांडू, एजेंसी।** पड़ोसी देश नेपाल में कुदरत का कहर देखने को मिला है। पूर्वी नेपाल के इलम में पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 18 लोगों की जान गई है। दरअसल,रविवार सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका में भूस्खलन में कम से कम 5 लोग, मंगसेबुंग नगर पालिका में 3 और इलम नगर पालिका में 6 लोगों की मौत की खबर है। इस आपदा के बाद प्रशासन राहत के कामों में लग गया है। वहीं,एसएसपी पोखरेल ने समाचार एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में कहा कि इस आपदा में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। वर्तमान में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक हमारे पास केवल नुकसान और क्षति का प्रारंभिक विवरण है। प्रभावित इलाकों में सुरक्षा एजेंसियों के तीनों स्तरों (जिसमें नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस शामिल है) को तैनात किया गया है। भारी बारिश और आगे भी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। इस बीच नदियां उफान पर हैं। काठमांडू घाटी के बाढ़ के मैदानों से निवासियों को निकालने के लिए उन्हें तैनात किया गया है। शनिवार को घाटी से होकर गुजरने वाली सभी प्रमुख नदियों के किनारे बसी बस्तियों में तलाशी अभियान चलाया। एजेंसियों ने घर-घर में जाकर तलाशी ली, निवासियों को बाहर निकलने में मदद की और उनके सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की।

# अमेरिका के कई शहरों में अराजकता का माहौल

**वाशिंगटन ,एजेंसी।**
अमेरिका के सबसे खूबसूरत शहरों में शामिल शिकागो इन दिनों गलत वजहों से सुर्खियां बटोर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शिकागो में भारी संख्या में फोर्स तैनात करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस ने भी ट्रंप के इस फैसले की पुष्टि की है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, ट्रंप ने 300 नेशनल गार्ड शिकागो में तैनात करने के आदेश दिए हैं। इतनी बड़ी संख्या में गार्ड्स की नियुक्ति केंद्रीय अधिकारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

### व्हाइट हाउस ने क्या कहा?

व्हाइट हाउस ने इसपर सफाई पेश करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने केंद्रीय अधिकारियों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए 300 नेशनल गार्ड्स भेजने का आदेश दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन के अनुसार, अमेरिकी शहरों में अराजकता देखने को मिल रही है और राष्ट्रपति ट्रंप इसपर आंखें बंद नहीं रख सकते हैं।

### क्या है नियुक्ति की वजह?

शिकागो में नेशनल गार्ड्स की तैनाती पर व्हाइट हाउस का कहना है कि शनिवार की घटना के बाद यह फैसला लिया गया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, दस कारों में मौजूद लोगों ने पुलिस को चारों तरफ

से घेर लिया था। उनके पास हथियार भी थे। ऐसे में पुलिस को अपनी रक्षा में गोलियां चलानी पड़ी। इस दौरान गोली लगने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

### कोर्ट ने लगाई थी रोक

अमेरिकी सत्ता के शीर्ष पर बैठने के बाद से ही डोनल्ड ट्रंप अवैध अप्रवासियों को बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं। इसी कड़ी में ट्रंप ने पोर्टलैंड और ओरेगन समेत कई शहरों में नेशनल गार्ड्स् की तैनाती की है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने पोर्टलैंड में 200 नेशनल गार्ड्स नियुक्त किए थे। हालांकि, संघीय अदालत ने ट्रंप के इस फैसले पर रोक लगा दी थी।

## अमेरिकी पुलिस ने शिकागो में महिला को मारी गोली

**शिकागो , एजेंसी।** अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला हुआ है। करीब 10 वाहनों ने उन्हें टक्कर मारते हुए घेर लिया। इस दौरान अमेरिकी संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मार दी। यह घटना बढ़ते आईसीई विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार द्वारा डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई है। संघीय एजेंटों का कहना है कि शिकागो के साउथ साइड पर अधिकारियों को फंसाया गया था। डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कम से कम 10 कारों ने अधिकारियों को टक्कर मारी और घेर लिया। उन्होंने आगे लिखा कि एजेंट अपने वाहनों को आगे नहीं बढ़ा पाए और कार से बाहर निकल गए। कानून प्रवर्तन वाहन को टक्कर मारने वाले ड्राइवरों में से एक के पास एक अर्ध-स्वचालित हथियार था। कानून प्रवर्तन को अपने हथियार तैनात करने और एक सशस्त्र अमेरिकी नागरिक पर रक्षात्मक गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो खुद ही चोटों का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रही थी। मैकलॉघलिन ने पोस्ट के जरिए बताया कि सशस्त्र महिला का नाम पिछले हफ्ते एक खुफिया बुलेटिन में एजेंटों की जानकारी छिपाने और ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए दर्ज किया गया था। महिला का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है और शनिवार को उसकी हालत ठीक नहीं थी। इस मामले को लेकर अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शिकागो में, हमारे बहादुर कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला किया गया – दस वाहनों ने उन्हें टक्कर मार दी और घेर लिया।

# समुद्र की गहराई से निकला खजाना

## मिला सोने-चांदी से लदा स्पेनिश जहाज

**फ्लोरिडा , एजेंसी।**
अमेरिका के फ्लोरिडा तट पर गोताखोरों की एक टीम ने समुद्र के नीचे दबी 300 साल पुरानी स्पेनिश जहाज का खजाना खोज निकाला है। इस जहाज में सोने और चांदी के हजारों सिक्के दबे हुए थे, जिनकी कीमत करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.3 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। यह जहाज 1715 में आए एक भयंकर तूफान में डूब गया था और तब से समुद्र की गहराइयों में लापता था।

### कहां मिला यह खजाना?

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा के अटलांटिक तट के पास गोताखोरों को यह खजाना मिला है। इस तटीय क्षेत्र को पहले से ही खजाना तट कहा जाता है, क्योंकि यहां पहले भी कई पुराने जहाजों के मलबों से खजाने मिल चुके हैं।

इस बार की खोज 1715 एलएलसीनामक कंपनी की टीम ने की है। उन्होंने समुद्र के तल से 1,000 से ज्यादा सोने-चांदी के सिक्के निकाले हैं। माना जा रहा है कि ये सिक्के स्पेनिश उपनिवेशों में ढाले गए थे – जहां अब मैक्सिको, पेरू और बोलीविया स्थित हैं।

इतिहासकारों के अनुसार, 31 जुलाई 1715 को 11 जहाजों का स्पेनिश बेड़ा अमेरिका से स्पेन की ओर खजाना लेकर जा रहा था। लेकिन रास्ते में फ्लोरिडा तट के पास भयंकर तूफान आया, जिसने बेड़े को तबाह कर दिया। उस हादसे में हजारों लोग मारे गए और टनों सोना-चांदी समुद्र में समा गया। तब से यह खजाना समुद्र के भीतर गुम था। गोताखोरों द्वारा मिले सिक्कों में से कई पर टकसाल और 1710 से 1715 के बीच की तारीखें खुदी हुई हैं। इससे इतिहासकारों को यह समझने में मदद मिलेगी कि उस दौर में स्पेनिश साम्राज्य का व्यापार और सोने-चांदी की ढलाई का नेटवर्क कैसा था। कंपनी के ऑपरेशन डायरेक्टर सैल गुद्दुसो ने कहा –यह सिर्फ खजाने की खोज नहीं, बल्कि इतिहास के एक भूले हुए अध्याय को उजागर करने जैसा है। हर सिक्का उस दौर के लोगों की कहानी कहता है। उन्होंने इसे एक असाधारण ऐतिहासिक खोज बताया, क्योंकि इतने ज्यादा सिक्के एक साथ मिलना बेहद दुर्लभ है। फ्लोरिडा राज्य कानून के अनुसार, राज्य की सीमा में पाए गए सभी ऐतिहासिक अवशेष और खजाने राज्य सरकार की संपत्ति माने जाते हैं। हालांकि, खोजकर्ता कंपनियों को वैध अनुमति दी जाती है, और बरामद सामग्री का 20त हिस्सा राज्य के म्यूजियम या सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए रखा जाता है। बाकी हिस्सा खोजकर्ताओं को दिया जा सकता है। यह खोज न केवल एक आर्थिक खजाना है, बल्कि इतिहास और पुरातत्व के लिहाज से भी बेहद कीमती है। इससे यह साबित होता है कि फ्लोरिडा के तट के नीचे अब भी कई खोए हुए खजाने छिपे हो सकते हैं, जिनका संबंध स्पेनिश साम्राज्य के स्वर्ण युग से है।

## आईफोन और आईपेड के लिए 17 की उम्र में बेच डाली थी किडनी, अब डायलिसिस पर काट रहा जिंदगी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** महज एक आईफोन 4 और आईपेड 2 खरीदने की सनक में की गई एक गलती आज 14 साल बाद भी चीन के वांग शांगकुन को दर्द दे रही है। 17 साल की जवानी में वांग ने अपनी एक किडनी अवैध बाजार में बेच दी थी। आज 31 साल की उम्र में वह पूरी तरह विकलांग हो चुके है और उनकी जिंदगी अब डायलिसिस मशीन पर निर्भर है। यह दिल दहला देने वाली घटना साल 2011 की है। गरीब परिवार से आने वाले वांग शांगकुन उस समय महज 17 साल के थे। आईफोन और आईपैड खरीदने के लिए वांग अंग तस्करों के झांसे में आ गए थे। तस्करों ने उन्हें एक किडनी के बदले 20,000 युआन (लगभग ढाई लाख रुपये) का लालच दिया था। वांग ने सोचा कि वह एक किडनी के सहारे आराम से जी लेगा। उन्हें हुनान प्रांत के एक छोटे शहर में ले जाया गया जहां असुरक्षित और गैर-स्वच्छ स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद वांग को कोई सही देखभाल (पोस्ट-ऑपरेटिव केयर) नहीं मिली। पैसे हाथ में आते ही वांग गैजेट्स लेकर घर लौट आए। आईफोन की खुशी ज्यादा दिन नहीं टिकी। कुछ ही महीनों में वांग की बची हुई दूसरी किडनी में इंफेक्शन हो गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि गैर-स्वच्छ सर्जरी की वजह से बैक्टीरिया उनके शरीर में फैल गया था। वांग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां पता चला कि उनकी किडनी अब सिर्फ 25त ही काम कर रही है। वहीं आज 31 साल की उम्र में वांग शांगकुन को अपनी पूरी जिंदगी डायलिसिस मशीन पर गुजारनी पड़ रही है। वांग शांगकुन की यह दर्दनाक कहानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसकी वजह यह है कि आईफोन 17 प्रो जैसे नए गैजेट्स की ऊंची कीमतों के चलते आज भी कई युवा ऐसी ही भयानक गलती करने की कोशिश कर रहे हैं और अंग तस्करी करने वाले गिरोहों के संपर्क में आ रहे हैं।

## ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल

**येरूसालम, एजेंसी।** गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है।

## ट्रंप प्रशासन को यूएस फेडरल कोर्ट से बड़ा झटका, पोर्टलैंड में सैनिकों की तैनाती पर लगाई रोक

**न्यूयार्क, एजेंसी।**
अमेरिकी संघीय न्यायालय राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर स्थायी रोक लगा दी है। संघीय न्यायालय का कहना है कि हाल के दिनों में हुए विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और यह विरोध कानून-व्यवस्था में गंभीर बाधा नहीं बनती।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन संघीय जज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को पोर्टलैंड शहर में 200 ओरेगन नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। संघीय न्यायालय द्वारा यह रोक 18 अक्टूबर तक के लिए लगाया गया है। पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन किसी विद्रोह के स्तर तक पहुंचे हों या उन्होंने कानून व्यवस्था में गंभीर बाधा बन रही हो। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ट्रम्प की तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

## असद शासन के तख्तापलट के बाद हो रहे संसदीय चुनाव

**दश्मिक, एजेंसी।**
सीरिया में दशकों की तानाशाही और एक लंबे गृहयुद्ध के बाद रविवार को पहली बार संसदीय चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, दिसंबर में एक विद्रोही हमले में निरकुंश नेता रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जिसके बाद यह चुनाव हो रहा है।

सीरिया में हो रहा यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां 50 वर्षों से अधिक समय तक असद परिवार ने देश पर कठोर शासन किया था। पिछले 10 वर्षों में सीरिया में हुए गृहयुद्ध ने तबाह कर दिया था। वैसे तो सीरिया में नियमित चुनाव होते रहे थे। जिसमें सभी सीरियाई नागरिक को मतदान करने का अधिकार था। लेकिन असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी हमेशा संसद पर हावी रही, और इन चुनावों को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नहीं

हो रहा चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नहीं होगा। बल्कि, पीपुल्स असेंबली की ज्यादातर सीटों पर प्रत्येक जिले के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाएगा, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा द्वारा सीधे नियुक्ति की जाएगी। फिर भी चुनाव परिणामों को इस बात का पैमाना माना जाएगा कि अंतरिम सरकारें समावेशिता, खासकर महिलाओं और अल्पसंख्यकों के प्रति, कितनी गंभीर हैं। बता दें कि पीपुल्स असेंबली में 210 सीटें हैं, जिनमें से दो-तिहाई रविवार को चुनी जाएंगी और एक-तिहाई नियुक्त की जाएंगी। निर्वाचित सीटों पर देश भर के जिलों के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाता है, और प्रत्येक जिले के लिए सीटों की संख्या जनसंख्या के अनुसार वितरित की जाती है। चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, 60 जिलों में कुल 7,000 निर्वाचक मंडल सदस्यों - जिन्हें इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समितियों द्वारा प्रत्येक जिले में आवेदकों के समूह में से चुना जाता है। उनको 140 सीटों के लिए मतदान करना चाहिए। लेकिन स्वेदा प्रांत और कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण वाले पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों और दमिश्क की केंद्र सरकार के बीच तनाव के कारण चुनाव अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं।

# पाक आर्मी बोली-अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी

## पीछे नहीं हटेंगे; भारतीय आर्मी चीफ बोले थे- पाकिस्तान सोच ले नक्शे पर रहना है या नहीं

**इस्लामाबाद, एजेंसी।**
पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को भारत को चेतावनी देते हुए कहा- अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो विनाशकारी तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट से जवाब देंगे।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश है।

इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी पर निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा- जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ

से होगा। दरअसल,शुक्रवार को उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था- पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। अगर अपनी जगह बनानी है, तो उसे आतंकवाद को संरक्षण देना बंद करना पड़ेगा।

**ऑपरेशन सिंदूर: भारत ने पाकिस्तान के 8 आतंकी ठिकाने तबाह किए:** भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया था। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

## 3 बयान, जिसपर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह (3 अक्टूबर): जब भी भारत के गौरव और सम्मान की बात आएगी, देश कभी समझौता नहीं करेगा। भारत अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी (3 अक्टूबर): जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह (3 अक्टूबर): ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 से 13 विमान तबाह किए गए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक ए-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस और हैंगर (विमानों की पार्किंग) पर खड़े थे। भारत से आ रहे बयान झूठे, उकसाने, बिना सोच-विचार और जंग को बढ़ावा देने वाले हैं। दशकों तक भारत ने खुद को पीड़ित बताकर पाकिस्तान को गलत बताया, जबकि वह खुद हिंसा और आतंक को बढ़ावा देता है। इस साल भारत के कारण दो परमाणु देश युद्ध के कगार पर आ पहुंच गए थे, भारत शायद उन नुकसानों और पाकिस्तान की कड़ी प्रतिक्रियों को भूल गया है। भारतीय रक्षा मंत्री, उसकी सेना और वायु सेना प्रमुखों के भड़काऊ बयानों पर हम चेतावनी देते हैं कि भविष्य में यह टकराव तबाही ला सकता है। अगर दुश्मनी का एक नया दौर शुरू होता है, तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा।

# पहलगाम हमले में चीन ने की पाक की मदद, सैटेलाइट इमेज कराई उपलब्ध

## -चीनी मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने लगाए आरोप



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** क्या पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भी आतंकियों की चीन ने मदद की थी। चीन मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने आरोप लगाया है कि पहलगाम आतंकी हमले में एक आतंकी के पास हुआवे का फोन था, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन मौजूद था। हमले के बाद उसी फोन से पाकिस्तान को संदेश भेजा गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर कोंडापल्ली ने कहा कि पहलगाम में जब हमला हुआ, तब एक आतंकी के पास हुवावे का फोन मिला, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन था। उसने हमले के बाद पाकिस्तान को मैसेज भेजा था। यह साफ तौर पर चीन की भूमिका दिखाता है। हमले से पहले चीन ने पाकिस्तान को पहलगाम की 120-129 स्लाइड्स वाली सैटेलाइट इमेज भी उपलब्ध कराई थी। आतंकवाद के खिलाफ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ प्रतिबद्धता जताने के बावजूद चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चर्चाओं से द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम हटवाने की कोशिश की, जिसने शुरू में हमले की जिम्मेदारी ली थी। कोंडापल्ली ने कहा कि चीनी राजदूत और पाकिस्तानी राजदूत ने यूएनएससी चर्चाओं में टीआरएफ का नाम हटवा दिया। पहले दो बार की जिम्मेदारी टीआरएफ के रोल को साबित करती है। तियानजिन एससीओ घोषणा पत्र में पहलगाम का जिक्र था, लेकिन इसे पाकिस्तानी दबाव में कमजोर कर दिया गया। इससे साफ होता है कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत अपने पड़ोसी देश चीन पर भरोसा नहीं कर सकता।

कोंडापल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन पर पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान वायुसेना को सूचनाएं दीं। उन्हें जेएफ-17, जे-10 लड़ाकू विमान, एचक्यू-9 सरफेस-टू-एयर मिसाइल बैटरियां जैसे हथियार मुहैया कराए। यह बेहद आक्रामक रुख है। पहलगाम हमले के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने निष्पक्ष जांच की बात कही, जबकि चीन खुद कभी भी शिनजियांग के उइगर विद्रोह या कोविड-19 महामारी के समय डब्ल्यूएचओ टीम को जांच की अनुमति नहीं देता।

कोंडापल्ली ने कहा कि भारत को अब कार्रवाई करनी होगी, जांच नहीं, क्योंकि कई आतंकी घटनाओं का सुराग पाकिस्तान के क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद से जुड़ता रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया। एक पाकिस्तानी ब्रिगेडियर ने चीन के वेस्टर्न थिएटर कमांड से रावलपिंडी के लिए समन्वय किया। इसलिए भारत को चीन पर भरोसा करने से पहले ठोस सबूतों की जरूरत है।

# केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साईं समाधि के दर्शन किए



**शिरडी (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिरडी में साईं बाबा समाधि मंदिर जाकर साईं बाबा के दर्शन किए। इसके बाद, उन्होंने गुरुस्थान के दर्शन किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी साईं बाबा समाधि के दर्शन किए। उनके साथ जल संसाधन मंत्री (गोदावरी एवं कृष्णा बेसिन विकास निगम) एवं पालक मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री (विदर्भ, तापी एवं कोंकण सिंचाई विकास निगम) गिरीश महाजन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे भी उपस्थित थे। साईं बाबा संस्थान की ओर से केंद्रीय मंत्री शाह का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. पंकज आसिया, जिला पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घार्गे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद भंडारी और साईबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर उपस्थित थे।

# यूपी में अलग-अलग घटना में बारिश और बिजली गिरने से दो की मौत, तीन बच्चे बुरी तरह झुलसे

**लखनऊ (एजेंसी)।** बलिया जिले में तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं देवरिया में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन बच्चे झुलस गए। कुशीनगर जिले में आंधी-बारिश में पेड़ गिरने से दबकर नौवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है बलिया जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र के आकोली गांव में शनिवार को तेज बारिश के कारण पेड़ गिरने से दबकर फूल कुमारी (50) की मौत हो गई। पेड़ महिला के घर के पास लगा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक देवरिया जिले के भाटपाररानी थाना क्षेत्र के खरहरी गांव में शनिवार सुबह करीब 10 बजे आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन बच्चे बुरी तरह झुलस गए। प्रशासन के मुताबिक शनिवार सुबह गरज के साथ हो रही बारिश में आकाशीय बिजली गिर गई और बच्चे उसकी चपेट में आकर घायल हो गए। घायल बच्चों की पहचान नेहा (13), स्नेहा (10) व शुभम (9) के रूप में हुई। स्थिति गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक कुशीनगर जिले के तमकुही राज थाना क्षेत्र में तेज आंधी और बारिश के कारण पेड़ गिरने से नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक किशोर की मौत हो गई। तमकुही राज के थाना प्रभारी ने बताया कि टोला मटिया में राजेश यादव अपने पुत्र आयुष (15) के साथ दोपहर अपने खेत में गिरे एक पेड़ को काट रहे थे। तभी पास में खड़ा एक और पेड़ आयुष के ऊपर गिर गया, जिससे आयुष की उसके नीचे दबकर मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में मनु यादव, पुष्पा देवी और निशा भी घायल हुई हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# पुलिस और देवी-देवताओं के लिए अपशब्द कहने वाला आरोपी गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं और पुलिसकर्मियों के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में व्यक्ति के बारे में पीसीआर को कॉल आया और बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) ने कहा कि पुलिस टीम तुरंत छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित नर्सरी के पास पहुंची। इलाके में शिकायतकर्ता विपिन के कई सदस्य मौजूद थे। उन्होंने पुलिस को सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो दिखाया जिसमें आलम को हिंदू देवी-देवताओं और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दिखाया गया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के बाद वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामला दर्ज किए जाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

# उत्तराखंड में पेपर लीक कांड के बाद अब टोकन मनी की अफवाह

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड में पेपर लीक कांड के बाद अब प्रदेश में टोकन मनी की अफवाह है। शिक्षा विभाग ने सोशल मीडिया में इस तरह की अफवाह फैलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा कर विभाग की छवि को धूमिल किया जा रहा है। मामला प्रधानाचार्य भर्ती और शिक्षक तबादलों में 'टोकन मनी' की अफवाह से जुड़ा है। विभाग ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती, शिक्षक भर्ती और स्थानांतरण को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने सोशल मीडिया पर वायरल टोकन मनी की खबरों को दुष्प्रचार बताया है। विभाग ने साफ कर दिया है कि कुछ असामाजिक तत्व केवल विभाग की छवि धूमिल करने के लिए ऐसी भ्रामक सूचनाएं फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से प्रधानाचार्य भर्ती में टोकन मनी या पैसे के लेन-देन को लेकर लगातार पोस्ट की जा रही है। डॉ. सती ने कहा कि प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के तहत 692 पद उत्तराखंड लोक सेवा आयोग से भरे जाने हैं। आयोग ने अभी सिर्फ परीक्षा की तिथि तय की है। आयोग पारदर्शी, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है। परीक्षा आयोजित होने से पहले ही लेन-देन की अफवाहें फैला कर प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का स्थानांतरण को लेकर स्पष्ट किया कि आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा सत्र में कोई स्थानांतरण आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

# कफ सिरप मामला : देश के कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापे, पांच यूनिट्स पर एक्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत के मामले में जांच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही है, जहां से कुल 19 दवाएं (जिनमें खांसी की दवाएं, एंटीबायोटिक्स और बुखार की दवाएं शामिल हैं) के सैंपल लिए गए। शुक्रवार से शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाना है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों की रिस्क-बेस्ड (जोखिम-आधारित) जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि आईसीएमआर, नीरी, एम्स नागपुर और सीडीएससीओ के विशेषज्ञों की एक टीम बच्चों की मौत के कारणों की वैज्ञानिक जांच कर रही है। मंत्रालय ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा जांचे गए छह नमूने और मध्य प्रदेश फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा जांचे गए तीन नमूनों में डायथिलीन ग्लाइकॉल और इथिलीन ग्लाइकॉल जैसे घातक रासायनिक तत्व नहीं पाए गए। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित निर्माण इकाई से लिए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सैंपलों की जांच में डीईजी की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक पाई गई।

# मोहन भागवत ने पीओके को 'भारत के घर का कमरा' बताया, बोले- इसे वापस लेना होगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने पीओके को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए इसे 'भारत नाम के एक घर का एक कमरा' कहा, जिसमें 'अजनबी लोग घुस आए हैं।' समाचार एजेंसी के अनुसार, मध्य प्रदेश के सतना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि इस 'कमरे को वापस लेना होगा।'

आरएसएस प्रमुख ने अपनी बात को एक दृष्टांत से समझाया। उन्होंने कहा, 'पूरा भारत एक घर है, लेकिन किसी ने हमारे घर का एक कमरा हटा दिया है जहां मेरी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे रहते थे। उन्होंने उस पर कब्जा कर लिया है। कल, मुझे उसे वापस लेना होगा।' इस बयान पर दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाईं। भागवत ने अविभाजित भारत के विचार पर भी बल दिया। उन्होंने सभा में मौजूद सिंधी समुदाय के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा, 'कई सिंधी भाई यहां बैठे हैं। मैं बहुत खुश हूं। वे पाकिस्तान नहीं गए; वे अविभाजित भारत गए। परिस्थितियों ने हमें उस घर से यहां भेजा है क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं हैं।'

### पीओके में पाकिस्तानी शासन के खिलाफ उग्र विरोध, 10 की मौत

आरएसएस प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब पीओके में स्थानीय लोग पाकिस्तानी शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह कर रहे हैं। आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग को लेकर हजारों निवासी अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

# स्वामी चैतन्यानंद लड़कियों की प्रोफाइल खोजकर करता था कमेंट्स

## -चैट में दुबई के शख्स को लड़की की व्यवस्था करने की भी चर्चा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली, (ईएमएस)। स्वामी चैतन्यानंद मामले में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं अब जानकारी मिली है कि बाबा अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लड़कियों के फोटो पर कमेंट करता था। पुलिस को उनके डिजिटल उपकरणों से ऐसे चैट मिले हैं जिनमें छात्राओं से अश्लील बातचीत, निजी तस्वीरें मांगना और आपत्तिजनक संदेश शामिल हैं। एक चैट में तो दुबई के एक शख्स के लिए लड़की की व्यवस्था करने की चर्चा तक दर्ज मिली है।

स्वामी लड़कियों के प्रोफाइल को खोज-खोजकर स्क्रॉल करता था। भगवा वस्त्र धारणकर और आस्था का चोला ओढ़े इस स्वामी चैतन्यानंद का असली चेहरा अब सामने आ चुका है। कैमरे, ब्लैकमेलिंग और छात्राओं के यौन शोषण में उसकी गहरी संलिप्तता पुलिस की जांच में उजागर हुई है। धीरे-धीरे स्वामी की पोल खुल रही है।

पुलिस की जांच में स्वामी चैतन्यानंद के मोबाइल से मिले चैट्स सबसे बड़ा सबूत है। वह छात्राओं से लगातार मैसेज कर उनसे नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करता था। सभी चैट्स अब पुलिस के पास ठोस सबूत के तौर पर मौजूद हैं। दिल्ली की कोर्ट में हुई सुनवाई में स्वामी चैतन्यानंद को 17 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सुनवाई के दौरान स्वामी चैतन्यानंद के वकील ने सवाल उठाया था कि आखिर किन धाराओं के तहत न्यायिक हिरासत की मांग की जा रही है। इस पर कोर्ट ने जांच अधिकारी से साफ कहा कि क्या धारा 232 जोड़ी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता की दूसरी एफआईआर के बाद यह धारा केस में जोड़ी गई।

चैतन्यानंद के वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि उन्हें नियमित दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि चैतन्यानंद सनातनी सन्यासी जीवन जीते हैं, इसलिए उन्हें सात्विक भोजन मिले जिसमें लहसुन और प्याज न हो। इसके अलावा, सनातनी धार्मिक वस्त्र पहनने और अपने साथ आध्यात्मिक सामान रखने की अनुमति भी मांगी गई है। केस डायरी पर हस्ताक्षर करवाने की भी मांग की गई, यह कहते हुए कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। कोर्ट ने इस पर कहा कि यह प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है और इसमें अलग आदेश की जरूरत नहीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि संस्था से जुड़े कई छात्रों ने आरोप लगाया कि उनसे जबरन मोबाइल फोन और शैक्षणिक दस्तावेज लिए गए और विरोध करने पर निष्कासन की धमकी दी गई। पुलिस का कहना है कि स्वामी चैतन्यानंद ने पूछताछ के दौरान न तो किसी तरह का पछतावा जताया और न ही सहयोगी रवैया अपनाया। इसके साथ ही संस्था की तीन महिला कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन पर छात्रों पर दबाव बनाने और स्वामी चैतन्यानंद की मदद करने का आरोप है। जांच में यह भी सामने आया है कि स्वामी चैतन्यानंद ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को नौकरी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाने की कोशिश की। उन पर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालने के गंभीर आरोप हैं।

# 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन

**नवी मुंबई (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। यह मुंबई महानगरीय क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे मुंबई के बढ़ते हवाई यातायात पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अडानी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है और महाराष्ट्र सरकार के सिडको की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हवाई अड्डे के पहले चरण की लागत लगभग 19,647 करोड़ रुपये है, जबकि पूरी परियोजना का बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए हवाई अड्डे को 30 सितंबर को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान लाइसेंस प्राप्त हुआ और दिसंबर 2025 से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होंगी। घरेलू एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा एयर ने घोषणा की है कि वे अपनी कुछ सेवाएं नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करेंगी। एनएमआई कोड और विश्व स्तरीय सुविधा अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने हवाई अड्डे को एनएमआई कोड दिया है। 1160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस हवाई अड्डे का निर्माण 4 टर्मिनलों के साथ चरणों में किया जा रहा है। पूरी तरह से चालू होने के बाद, यह हवाई सालाना 9 करोड़ यात्रियों और 32.5 लाख टन कार्गो को संभालने में सक्षम होगा, जिससे यह एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक बन जाएगा। वर्तमान में, पहला टर्मिनल पूरा हो चुका है और इसकी क्षमता 2 करोड़ यात्रियों और 8 लाख टन कार्गो की है। इसके लिए एक अलग रनवे भी बनाया गया है। पूर्ण मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ, यह भारत का पहला हवाई अड्डा होगा जो एक्सप्रेसवे, राजमार्ग, मेट्रो, उपनगरीय रेलवे और जल टैक्सियों जैसी परिवहन प्रणालियों से जुड़ा होगा। स्वचालित यात्री आवाजाही प्रणाली यात्रियों को सभी टर्मिनलों के बीच आसानी से आने-जाने की अनुमति देगी। यह एक ग्रीन हवाई अड्डा भी होगा, क्योंकि इसमें स्थायी विमानन ईंधन भंडारण सुविधाएं भी होंगी।

# मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों में होगी बर्फबारी, वैष्णो देवी और मचैल यात्रा स्थगित



**जम्मू (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर के मौसम को देखते हुए प्रशासन ने कई तरह के फैसले लिए हैं। सबसे पहले आज से 7 अक्टूबर तक माता वैष्णो देवी और मचैल की यात्रा रोक पर लगा दी है। वहीं किसानों और ग्रामीणों के लिए भी एडवाइजरी जारी की गई। इसकी वजह ये है कि राज्य के मैदानी इलाकों में बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की संभावना है। भूस्खलन और चट्टानों के धसकने की आशंका को लेकर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के नुकसान से बचाव जा सके।

मौसम विभाग ने किसानों को सात अक्टूबर तक सभी कृषि कार्य स्थगित करने की सलाह दी है। मौसम का यह असर सात अक्टूबर तक रहेगा। इस दौरान छह अक्टूबर को सबसे ज्यादा बारिश होगी। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद जिलास्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों ने विभागों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एहतियात के तौर पर माता वैष्णो देवी यात्रा को रोका गया है। मचैल यात्रा भी स्थगित की गई है। मौसम विभाग ने संवेदनशील इलाकों में पहाड़ी से पत्थर गिरने या भूस्खलन होने की आशंका जताई है। इसके अलावा कश्मीर डिवीजन, चिनाब घाटी और पीरपंजाल में बर्फबारी होने की संभावना बनी हुई है। मैदानी इलाकों में गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना रहेगी। मौसम में बदलाव का असर प्रदेश में तापमान पर पड़ा है। न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक का अंतर आया है। प्रदेश में गुलमर्ग में सबसे कम 14.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने इन इलाकों में आगामी दिनों में बर्फबारी की संभावना बनी हुई है।

वैष्णो देवी यात्रा आज से 7 अक्टूबर तक अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन कुमार वैश्य ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से इस बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग की ओर से भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

हाल के दिनों में कटड़ा से भवन तक जाने वाले रास्तों पर कई जगह चट्टानें खिसकने और पानी भरने जैसी घटनाएं सामने आई थीं, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी को ध्यान में रखते हुए यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस अवधि में यात्रा की योजना न बनाएं और मौसम सामान्य होने के बाद ही दर्शन के लिए आएं। मौसम की बेरुखी को देखते हुए प्रशासन ने किश्तवाड़ जिले में मचैल माता की तीर्थयात्रा पांच अक्टूबर से तीन के लिए स्थगित कर दी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जम्मू-कश्मीर, खासकर जम्मू संभाग में भारी बारिश और भूस्खलन का की संभावना है।

# दार्जिलिंग में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन पर सीएम ममता ने जताई चिंता

## पर्यटक चिंता न करें जहां हैं वहीं रहें, हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल लाएगी



**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को दार्जिलिंग में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन पर चिंता जताई है। इस हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं इस बात से बेहद चिंतित हूं कि कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह से उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाके बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने पर्यटकों को सलाह दी कि जब तक उन्हें सुरक्षित निकाल नहीं लिया जाता है, तब तक वे जहां पर है, वहीं रहें।

सीएम ने कहा कि रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से ज्यादा बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और साथ ही भूटान और सिक्किम से नदी का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं हुईं। उन्होंने कहा कि हमें यह जानकर सदमा और दुःख हुआ कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। वहीं दो लोहे के पुल बह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि मैं स्थिति पर नजर रख रही हूं। सीएम ने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, उत्तर बंगाल के जिलों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस बीच हम उत्तर बंगाल में पर्यटकों को सलाह दे रहे हैं कि जब तक हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित बाहर नहीं निकाल लेती, तब तक वे जहां है, वहीं रुकें। बचाव का खर्च हमारा है और पर्यटकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

# दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप न दें, आखिर केंद्र सरकार को क्यों जारी करनी पड़ी यह एडवाइजरी



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अक्सर ऐसा होता कि बच्चे हों या बड़े खांसी चलने या गले में खराश की शिकायत पर कफ सिरप दे दिया जाता है, लेकिन केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी करते हुए दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने को कहा है। वैसे तो यह परामर्श स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया है, लेकिन इसके पीछे का कारण अहम है, जिसने ऐसा करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया।

दरअसल केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक अहम एडवाइजरी जारी करते हुए दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं, विशेष रूप से कफ सिरप नहीं देने की सलाह दी है। सरकार ने यह कदम मध्यप्रदेश में कथित रूप से दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों की खबरों के बाद उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हालांकि स्पष्ट किया है कि मध्य प्रदेश में लिए गए सभी सिरप के नमूनों की जांच में डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) जैसे हानिकारक रसायन नहीं पाए गए। ये दोनों रसायन बच्चों की किडनी को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मामलों में बच्चों की मौत का कारण बन चुके हैं।

डीजीएचएस की ओर से डॉ. सुनीता शर्मा के हस्ताक्षर से जारी परामर्श में कहा गया है कि सामान्य रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप देने की सिफारिश नहीं की जाती। छोटे बच्चों में खांसी और जुकाम के अधिकतर मामले स्वतः ही ठीक हो जाते हैं, जिनके लिए दवाइयों की जरूरत नहीं होती।

### चिकित्सकों के लिए भी परामर्श

केंद्र की सलाह में यह भी कहा गया है कि डॉक्टरों को बच्चों के लिए खांसी की दवाएं बहुत सोच-समझकर और जरूरत पड़ने पर ही लिखनी चाहिए। वृद्ध लोगों में भी इन दवाओं का उपयोग चिकित्सकीय मूल्यांकन और निगरानी के बाद ही किया जाए। डीजीएचएस ने सभी राज्य स्वास्थ्य विभागों, जिला स्वास्थ्य प्राधिकरणों, सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिया है कि इस एडवाइजरी को तुरंत लागू किया जाए और आम जनता को इसके प्रति जागरूक किया जाए।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की संयुक्त टीम ने मध्यप्रदेश का दौरा किया और कफ सिरप के नमूने जांचे। सभी नमूनों में कोई हानिकारक तत्व नहीं मिला। वहीं, राजस्थान में भी जांच के बाद यह पाया गया कि जिस सिरप से दो बच्चों की मौत की आशंका जताई गई थी, उसमें प्रोपिलीन ग्लाइकॉल जैसे रसायन नहीं थे जो आम तौर पर दूषण का स्रोत बनते हैं। केंद्र सरकार का यह कदम बच्चों की दवा सुरक्षा सुनिश्चित करने और डॉक्टरों व अभिभावकों को जिम्मेदारीपूर्वक दवा उपयोग के लिए जागरूक करने की दिशा में एक अहम पहल माना जा रहा है।